24 वर्षों से देश के लिये समर्पित.....

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

Youth India News Group

लखनऊ से प्रकाशित

रविवार| 22 नवम्बर 2026

मूल्य 5.00 रुपये

वर्षः 10 | अंकः 183| पृष्ठः 12

आरएनआई नं.: UPHIN/2016/68199

3 मां के निधन से मुख्यमंत्री योगी.....

6 क्राडः सहयोग का मंच या.....

12 थाने में बेटे को बैठाने के.....



तापमान मीटर

नई दिल्ली	15°	25°
कोलकाता	22°	31°
चेन्नई	25°	31°
मुंबई	22°	33°
लखनऊ	16°	28°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 83919.71

निफ्टी 25800.60

सर्राफा बाजार

सोना 1,26,565.00 रुपए प्रति दस ग्राम

चांदी 1,75,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

युजवेंद्र चहल भाजपा की ओबीसी मोर्चा कार्यकारिणी में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र सिंह चहल को भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। पार्टी की ओर से जारी नई सूची में उन्हें 'विशेष आमंत्रित सदस्य' यानी स्पेशल इनवाइटी की जिम्मेदारी दी गई है। 21 नवंबर को घोषित इस कार्यकारिणी में चहल का नाम शामिल होने के बाद यह खबर चर्चा में है।

पन्नू की हत्या की साजिश में निखिल को 19 साल 7 महीने की जेल

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में 19 साल 7 महीने यानी 235 महीने जेल की सजा सुनाई है।

दिल्ली के लडक़े ने आस्ट्रेलिया को जिताया

मेलबर्न। मेलबर्न में पहले टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 3 विकेट से हरा दिया। पांच मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-0 की बढ़त बना ली। भारत में जन्मे ऑलराउंडर निखिल चौधरी ने 38 गेंदों पर 66 रन बनाए और दो विकेट भी लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। निखिल ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और सैम करन को आउट किया।

सूर्यकुमार यादव की टीम इंडिया में वापसी मुश्किल

मुम्बई। रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव फिलहाल बीसीसीआई के सिलेक्शन प्लान का हिस्सा नहीं हैं। टीम में जगह की कमी को इसकी वजह बताया गया है। बीसीसीआई सूत्र के अनुसार, जब यशस्वी जायसवाल को भी मौका नहीं मिल रहा, तो सूर्यकुमार के लिए जगह बनाना मुश्किल है। उन्होंने आखिरी इंटरनेशनल मैच टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल खेला था।

मां को अंतिम विदाई देते छलक पड़े योगी आदित्यनाथ के आंसू

- प्रख्यात संत और मुख्यमंत्री बेटे का दर्द देख भावुक हुआ हर दिल
- बेदाग़ सल्तनत के कठोर सम्राट का नरम दिल देख रो पड़ी देवभूमि

यूथ इंडिया, उत्तराखंड



शरद कटियार

सत्ता, जिम्मेदारी और सार्वजनिक जीवन में अक्सर अपने भावों को दृढ़ता के पीछे छिपाकर रखने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मां के बिछड़ने के दुख के सामने खुद को संभाल नहीं सके। मां सावित्री देवी के पार्थिव शरीर को कंधा देते समय उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। यह दृश्य केवल एक मुख्यमंत्री का नहीं, बल्कि अपनी मां को खो चुके एक बेटे की पीड़ा का था।

मां सावित्री देवी को अंतिम विदाई देने के लिए योगी आदित्यनाथ जब उनके पार्थिव शरीर को कंधा देने आगे बढ़े तो माहौल गमगीन हो गया। मां को अंतिम बार विदा करते समय उनके चेहरे पर असहनीय पीड़ा साफ दिखाई दी। परिवार के बीच खड़े योगी आदित्यनाथ की आंखों से बहते आंसू उस भावनात्मक रिश्ते की गहराई बयां कर रहे थे, जिसे शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है। वेदर सल्तनत के कठोर हुक्मरान का नरम दिल और छलकते आंसू देख मानो देवभूमि ही रो पड़ी,कायनात उनके दुख को देख सिहर उठी।

मां सावित्री देवी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए हरिद्वार स्थित चंडीघाट श्मशान घाट ले गया। इस दुखद घड़ी में परिवार के सदस्यों और मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

एक ओर उत्तर प्रदेश के करोड़ों लोगों की जिम्मेदारी संभालने वाला मुख्यमंत्री, जिसके फैसलों से प्रदेश की दिशा तय होती है, वहीं दूसरी ओर मां के आंचल से हमेशा के लिए वंचित हो गया एक बेटा। पद, प्रतिष्ठा और सत्ता की सारी सीमाएं उस समय छोटी पड़ जाती हैं, जब सिर से मां का साया उठ जाता है।

मां का जाना जीवन की ऐसी रिक्तता है, जिसे कोई पद, कोई उपलब्धि और कोई संपत्ति कभी भर नहीं सकती। मां की गोद, उनका स्नेह और उनका आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।

योगी आदित्यनाथ के आंसुओं में एक बेटे का दर्द दिखाई दिया। यह दृश्य याद दिला गया कि दुनिया की सबसे बड़ी जिम्मेदारी निभाने वाला इंसान भी अपनी मां के सामने सिर्फ एक बेटा होता है।

मां का साया उठ जाना ऐसा दुख है, जिसे महसूस तो किया जा सकता है, लेकिन शब्दों में कभी पूरी तरह बयां नहीं किया जा सकता।

सम्पादकीय विशेष

मां के सामने टूट गया सत्ता का सबसे मजबूत चेहरा, छलक पड़े योगी के आंसू



शरद कटियार

सम्पादक/संस्थापक

यूथ इण्डिया

youthindianews@gmail.com

जीवन भी कितना विचित्र है। जो चेहरा लाखों लोगों के सामने कभी विचलित नहीं होता, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में फैसले लेने का साहस रखता है, जिसके एक आदेश से पूरा प्रशासनिक तंत्र सक्रिय हो जाता है, वही चेहरा मां के बिछड़ने पर आंसुओं के सैलाब को नहीं रोक पाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मां सावित्री देवी को अंतिम विदाई देते समय भावुक हो जाना केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की ऐसी तस्वीर है, जिसने सत्ता, शक्ति और पद की तमाम परिभाषाओं को एक पल के लिए पीछे छोड़ दिया।

आज न उनके सामने कोई राजनीतिक चुनौती थी, न प्रशासनिक परीक्षा और न ही सत्ता का कोई दायित्व। आज सामने थी वह मां, जिसने उन्हें जन्म दिया, अपनी ममता से सींचा और जीवन के कठिन रास्तों पर आगे बढ़ने का संस्कार दिया। जब योगी आदित्यनाथ ने मां के पार्थिव शरीर को कंधा दिया तो उनकी आंखों से छलके आंसुओं ने बता दिया कि दुनिया की तमाम ताकतें मिलकर भी मां के जाने से पैदा हुए खालीपन को नहीं भर सकतीं।

योगी आदित्यनाथ को सार्वजनिक जीवन में एक कठोर प्रशासक, अनुशासित संत और दृढ़ राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में देखा जाता है। उनके फैसलों पर बहस हो सकती है, उनकी कार्यशैली पर राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मां को अंतिम विदाई देते समय सामने आया उनका भावुक रूप राजनीति और विचारधारा की सीमाओं से कहीं ऊपर था। उस क्षण न कोई मुख्यमंत्री था, न कोई सत्ताधीश और न ही कोई राजनीतिक व्यक्तित्व। वहां केवल एक बेटा था, जिसकी दुनिया से मां का साया उठ चुका था।

देवभूमि उत्तराखंड की धरती पर घटित यह दृश्य मानो हर संवेदनशील हृदय को भीतर तक छू गया। भगवा वस्त्रों में जीवन समर्पित करने वाले एक संन्यासी की आंखों में मां के लिए छलकते आंसू इस बात का प्रमाण हैं कि संन्यास भावनाओं का अंत नहीं, बल्कि जीवन के प्रति एक अलग दृष्टिकोण है। मां के प्रति प्रेम, सम्मान और लगाव किसी पद, वेश या जीवन पद्धति का मोहताज नहीं होता। सत्ता के शिखर पर बैठा व्यक्ति भी मां के सामने उतना ही असहाय होता है, जितना कोई साधारण इंसान।

यह तस्वीर एक और बड़ा संदेश देती है। आज के दौर में जब राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप, वर्चस्व की लड़ाई और सत्ता के प्रदर्शन को ही अक्सर सबसे अधिक महत्व दिया जाता है, तब योगी आदित्यनाथ का यह भावुक क्षण याद दिलाता है कि सार्वजनिक जीवन की कठोरता के पीछे भी एक संवेदनशील इंसान सांस लेता है। जो व्यक्ति करोड़ों लोगों के दुख-दर्द सुनता है, उसके अपने जीवन में भी ऐसा दुख आ सकता है, जिसके सामने सारे शब्द छोटे पड़ जाते हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनके कंधों पर उत्तर प्रदेश की बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन आज उनके कंधों पर मां की अंतिम यात्रा का भार था। एक तरफ प्रदेश की जिम्मेदारियां हैं, दूसरी तरफ जीवन भर का वह रिश्ता, जिसका विकल्प संसार में कहीं नहीं है। मां के जाने के बाद इंसान कितना भी बड़ा क्यों न हो जाए, भीतर कहीं न कहीं वह उसी बच्चे की तरह रह जाता है, जिसे हर मुश्किल में मां का आंचल सुरक्षित रखता था।

मां की विदाई पर छलके ये आंसू कमजोरी नहीं, बल्कि रिश्तों की मजबूती और संवेदनाओं की सच्चाई हैं। यह प्रकृति का सबसे बड़ा सत्य है कि समय किसी के लिए नहीं रुकता और मृत्यु के सामने न सत्ता की शक्ति चलती है, न पद का प्रभाव और न ही प्रतिष्ठा का वैभव। आज योगी आदित्यनाथ के लिए पूरा संसार अपनी जगह है, लेकिन मां के बिना जीवन का एक हिस्सा हमेशा अधूरा रहेगा। क्योंकि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा व्यक्ति प्रदेश का मुखिया हो सकता है, संत समाज का मार्गदर्शक हो सकता है, करोड़ों लोगों का नेतृत्व कर सकता है, लेकिन मां की नजरों में वह हमेशा उसका बच्चा ही रहता है। मां सावित्री देवी को विनम्र श्रद्धांजलि। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उनके परिवार को दें। मां का जाना केवल एक व्यक्ति का बिछड़ना नहीं, जीवन भर सिर पर रहने वाले आशीर्वाद के साये का उठ जाना है।

एआई रोजगार नहीं छीन सकता: मोदी

- मां का अंतिम संस्कार कर कार्यक्रम में पहुंचे योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ

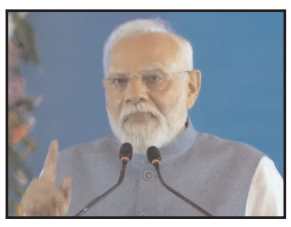

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को लखनऊ पहुंचे, जहां उन्होंने पांचवें राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने देशभर से आए 52 नेशनल टॉपर्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोजगार को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कोई भी एआई आपका रोजगार नहीं छीन सकता। तकनीक को लेकर युवाओं को डरने के बजाय नए कौशल सीखने और बदलते समय के साथ खुद को तैयार करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बदलती दुनिया में युवाओं के लिए नए हुनर सीखना और अपनी क्षमता को लगातार बढ़ाना जरूरी है। एआई और आधुनिक तकनीक के विस्तार से काम करने के तरीकों में बदलाव आ रहा है। ऐसे में युवाओं को तकनीक को समझकर उसका बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को रोजगार के नए अवसरों के लिए तैयार किया जा सकता है।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए।

प्रदूषण से राहत नहीं

नई दिल्ली। में प्रदूषण से फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, 24 नवंबर तक एक्यूआई खराब श्रेणी में रह सकता है। अगले छह दिनों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्तर तक पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक, 22 नवंबर को वेंटिलेशन इंडेक्स 5200 और 23 नवंबर को 6000 रहने का अनुमान है। 24 नवंबर को यह घटकर 3000 पर आ सकता है।

कश्मीर घाटी में अब कोई स्थानीय आतंकी नहीं: अमित शाह

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि कश्मीर घाटी में अब कोई सक्रिय स्थानीय आतंकी नहीं बचा है। पुलवामा में हालिया मुठभेड़ के दौरान लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आखिरी ज्ञात स्थानीय आतंकी को मार गिराया गया है। शाह के मुताबिक, घाटी में फिलहाल जो आतंकी सक्रिय हैं, वे सभी विदेशी हैं। उन्होंने यह बात अरुणाचल प्रदेश के बादेरदेवा में आयोजित राष्ट्रपति पुलिस कलर सम्मान समारोह के दौरान कही।

शाह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। इनमें आखिरी ज्ञात स्थानीय आतंकी भी शामिल था। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के जवानों ने पिछले 35 वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ लगातार संघर्ष किया है। उनके साहस, समर्पण और बलिदान के कारण घाटी की सुरक्षा स्थिति में बदलाव आया है।

नीट-यूपी 2026 पेपर लीक मामले में 14 आरोपियों पर आरोप तय

यूथ इंडिया, नई दिल्ली

नीट-यूपी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शनिवार को सभी 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। आरोपियों में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से जुड़े तीन सब्जेक्ट एक्सपर्ट भी शामिल हैं। सभी आरोपियों को राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता के सामने पेश किया गया। कोर्ट की इस कार्रवाई के बाद मामले में मुकदमे की सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। अब 25 नवंबर से इस मामले की रोजाना सुनवाई की जाएगी।

सुनवाई के दौरान सभी 14 आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया और अदालत में मुकदमे का सामना करने की बात कही। कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार समेत कई गंभीर आरोप तय किए हैं। मामले में एटीए से जुड़े तीन विषय विशेषज्ञों के नाम भी शामिल होने के कारण जांच और अदालती कार्रवाई पर विशेष नजर बनी हुई है। अदालत अब मामले से जुड़े साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आगे की सुनवाई करेगी।

नीट-यूपी 2026 की परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी। इसमें देशभर से करीब 22 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। परीक्षा के बाद पेपर लीक होने के आरोप सामने आए, जिसके बाद परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठने लगे। मामला सामने आने के बाद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने 12 मई को परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। इस फैसले से लाखों मेडिकल अभ्यर्थियों की तैयारी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई थी।

परीक्षा रद्द किए जाने के बाद ह्रञ्ज ने 21 जून को दोबारा नीट-यूपी परीक्षा आयोजित कराई।

यूपी के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, प्रयागराज-गोरखपुर में घना कोहरा

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। उत्तर भारत के राज्यों में ठंड और कोहरे का असर लगातार बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश के 12 जिलों में मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता प्रभावित हुई है। दूसरी ओर, राजस्थान में भी सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। सुबह और रात के तापमान में गिरावट से लोगों को ठिठुरन महसूस हो रही है।

राजस्थान के हिल स्टेशन माउंट आबू में शनिवार को न्यूनतम तापमान गिरकर शून्य डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। तापमान में आई गिरावट के कारण यहां ठंड काफी बढ़ गई है। सीकर में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री और राजधानी जयपुर में 13.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, प्रदेश के कई इलाकों में दिन के समय गर्मी का असर अभी भी बना हुआ है। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस तरह राजस्थान में सुबह-शाम ठंड और दिन में गर्मी का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है।

इधर, चक्रवात अकवान के प्रभाव से बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बारिश हो रही है। मौसम में आए इस बदलाव के कारण इन राज्यों में भी लोगों को अलग-अलग तरह की मौसमी परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। कहीं बारिश के कारण तापमान में बदलाव देखने को मिल रहा है, तो कहीं ठंडी हवाओं का असर बढ़ रहा है। उत्तर भारत के कई हिस्सों में कोहरा और ठंड लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रहे हैं। मौसम के बदलते मिजाज को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

वहीं, देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। शनिवार सुबह दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 369 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है।

यूपी पुलिस की बड़ी चूक-

जज की जगह ओवैसी को दिया गार्ड ऑफ ऑनर

सहारनपुर। पुलिस की एक बड़ी चूक सामने आई है। यहां सर्किट हाउस में सुप्रीम कोर्ट के एक जज के स्वागत के लिए गार्ड ऑफ ऑनर की तैयारी की गई थी, लेकिन जज के पहुंचने से पहले एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी वहां पहुंच गए। पुलिसकर्मियों ने गलती से ओवैसी को ही गार्ड ऑफ ऑनर दे दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

फिर भड़की हिंसा, अवामी लीग नेताओं और समर्थकों के 50 घरों-दुकानों में लगाई आग

यूथ इंडिया, ढाका



बांग्लादेश में राजनीतिक तनाव के बीच हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। नराइल जिले में शुक्रवार को अवामी लीग के नेताओं, पूर्व सांसदों और पार्टी समर्थकों को निशाना बनाया गया। हमलावरों ने करीब 50 घरों और दुकानों में आग लगा दी। अचानक हुई इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आगजनी की वजह से प्रभावित परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

यह घटना नराइल जिले के कालिया उपजिला स्थित बेंदर चार गांव में हुई। जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने अवामी लीग से जुड़े लोगों के घरों और दुकानों को निशाना बनाते हुए जमकर तोड़फोड़ की। कई मकानों में घुसकर घरेलू सामान और फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया गया। इसके बाद वहां मौजूद कीमती सामान और अन्य वस्तुएं लूट ली गईं। हमलावरों ने कई स्थानों पर आग लगा दी, जिससे घरों और दुकानों में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। करीब 50 ठिकानों को निशाना बनाए जाने से इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

बताया जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश लौटने की बात कहने के बाद से देश में राजनीतिक सरगर्मी और तनाव बढ़ा है। इसी बीच अवामी लीग के नेताओं, पूर्व सांसदों और समर्थकों के घरों तथा दुकानों पर हमले की घटना सामने आई है। हालांकि, इस आगजनी और तोड़फोड़ के पीछे शामिल लोगों की पहचान तथा हमले के वास्तविक कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। घटना ने एक बार फिर बांग्लादेश में राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों की सुरक्षा और मौजूदा हालात को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बांग्लादेश में इससे पहले भी राजनीतिक हिंसा की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बीते दिनों प्रधानमंत्री तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के दो नेताओं की हत्या कर दी गई थी। लगातार हो रही हत्याओं, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं से देश का राजनीतिक माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट से पहले विवाद, प्रोफेसर ने 4 गाने नहीं गाने की दी चेतावनी

यूथ इंडिया, अहमदाबाद



नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के लाइव कॉन्सर्ट से पहले विवाद खड़ा हो गया है। चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. पंडित राव धरन्नेवर ने दिलजीत से अपने कार्यक्रम में चार गाने नहीं गाने की मांग की है। प्रोफेसर का आरोप है कि इन गानों के बोल शराब, ड्रग्स और गन कल्चर को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने इस संबंध में आपत्ति जताते हुए कॉन्सर्ट में इन गानों को शामिल नहीं करने की मांग की है।

डॉ. पंडित राव धरन्नेवर ने चेतावनी दी है कि यदि दिलजीत दोसांझ कॉन्सर्ट के दौरान इन चारों गानों को गाते हैं तो वह गुजरात हाईकोर्ट में कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट (अदालत की अवमानना) का मामला दायर करेंगे। उनका कहना है कि इस तरह के गानों के बोल युवाओं पर गलत प्रभाव डाल सकते हैं। इसी आधार पर उन्होंने गायक से कार्यक्रम में गानों की प्रस्तुति को लेकर सावधानी बरतने की अपील की है। इस मांग के बाद दिलजीत के कॉन्सर्ट को लेकर विवाद चर्चा में आ गया है।

दूसरी ओर, अहमदाबाद पुलिस ने कॉन्सर्ट में आने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में करीब 90 हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान है। इतनी बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी को देखते हुए पुलिस ने लगभग 2,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत स्टेडियम और उसके आसपास निगरानी रखी जाएगी, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर एक तरफ जहां प्रशंसकों में उत्साह है, वहीं दूसरी तरफ गानों के बोल को लेकर उठी आपत्ति ने आयोजन से पहले विवाद बढ़ा दिया है।

आज हरिद्वार आयेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

यूथ इंडिया, देहरादून



हरिद्वार में आज रविवार को भाजपा की विस्तृत प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पार्टी पदाधिकारियों को आगामी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए मार्गदर्शन देंगे। संगठन और सरकार में लंबे समय तक काम करने का उनका अनुभव प्रदेश भाजपा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी नेताओं को उम्मीद है कि उनके सुझावों से चुनावी रणनीति को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष ने देहरादून पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में 65 से अधिक सीटें जीतने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए संगठन को सक्रिय करने पर जोर दिया था। साथ ही प्रदेशभर में जनआशीर्वाद यात्रा और संवाद कार्यक्रमों को दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अब प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में इन योजनाओं को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी।

प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के मुताबिक, विस्तृत प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के सभी सदस्यों और प्रदेश पदाधिकारियों की भागीदारी रहेगी। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इसके अलावा बूथ से लेकर मंडल और जिला स्तर तक पार्टी के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। संगठन को चुनावी तैयारियों के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय करने की रणनीति भी तय की जाएगी।

बैठक में जनआशीर्वाद यात्रा और राज्य सरकार की उपलब्धियों को लेकर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचने की योजना पर विस्तार से विचार किया जाएगा। भाजपा इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच अपनी सरकार के कामकाज और पार्टी की नीतियों को पहुंचाने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि राजनाथ सिंह का संबोधन आगामी चुनाव के लिए प्रदेश संगठन की रणनीति और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को दिशा देने में अहम रहेगा।

91 साल की सादगी, मां की ममता और संन्यासी बेटे का संसार... सावित्री देवी ने सत्ता नहीं, संस्कारों की विरासत छोड़ी

- **पंचुर की साधारण पहाड़ी गृहिणी के आंचल में पला देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक का मुख्यमंत्री**
- **मां के जाने पर टूट गया जीवन भर का भावनात्मक रिश्ता**

यूथ इंडिया, पंचुर (पौड़ी गढ़वाल)

शरद कटियार

इतिहास में कई ऐसे व्यक्तित्व दर्ज हैं, जिनकी पहचान उनके पद, प्रभाव और राजनीतिक शक्ति से बनी, लेकिन कुछ व्यक्तित्व ऐसे भी होते हैं जिनकी सबसे बड़ी पहचान उनके संस्कार होते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी ऐसी ही एक महिला थीं, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में कोई पद नहीं संभाला, कभी राजनीतिक मंचों की चमक का हिस्सा नहीं बनीं और न ही सत्ता के गलियारों में उनकी कोई महत्वाकांक्षा दिखाई दी। उनका संसार उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के छोटे से गांव पंचुर, परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रहा। लेकिन इसी साधारण पहाड़ी परिवेश से निकला उनका बेटा आज देश के सबसे बड़े राजनीतिक और प्रशासनिक पदों में से एक पर विराजमान है।

20 नवंबर 2026 को 91 वर्ष की आयु में सावित्री देवी ने अपने पैतृक गांव पंचुर में अंतिम सांस ली। उनके निधन ने केवल एक परिवार को नहीं, बल्कि उस भावनात्मक रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया, जिसके भीतर एक मां की पूरी जिंदगी और एक बेटे का पूरा बचपन समाया होता है।

सात संतानों का परिवार, मां की गोद में पला अजमेर नहीं, अजय

योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पंचुर गांव में हुआ था। जन्म के समय उनका नाम अजय सिंह बिष्ट था। उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट वन विभाग में कार्यरत थे और वन क्षेत्राधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। मां सावित्री देवी गृहिणी थीं।

परिवार में कुल 7 संतानें थीं, जिनमें 4 बेटे और 3 बेटियां शामिल हैं। अजय सिंह बिष्ट इन्हीं संतानों में एक थे। पहाड़ के सामान्य परिवार में बच्चों का पालन-पोषण, घर की जिम्मेदारियां, सीमित संसाधन और पारिवारिक संस्कार ही जीवन की वास्तविक पूंजी हुआ करते थे।

सावित्री देवी ने भी इसी पारंपरिक पहाड़ी परिवेश में अपनी गृहस्थी संभाली। उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि किसी सार्वजनिक सम्मान या पद में नहीं, बल्कि परिवार को संस्कार देने और बच्चों को जीवन की राह दिखाने में थी।

मां साधारण रहीं, बेटा असाधारण पहचान तक पहुंचा

सावित्री देवी के जीवन की सबसे उल्लेखनीय बात उनकी सादगी थी। उनका परिवार मुख्यमंत्री के परिवार के रूप में नहीं, बल्कि उत्तराखंड के एक सामान्य ग्रामीण परिवार के रूप में अपनी जड़ों से जुड़ा रहा। योगी आदित्यनाथ के राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावशाली स्थान तक पहुंचने के बावजूद उनके परिवार के अधिकांश सदस्य राजनीतिक चकाचौंध से दूर रहे।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार उनकी बहन शशि पायल पौड़ी क्षेत्र में मंदिर के निकट छोटी दुकान चलाती थीं। परिवार के दूसरे सदस्य भी अपनी सामान्य आजीविका और पारिवारिक जीवन से जुड़े रहे। यह तथ्य अपने आप में उस पारिवारिक परिवेश की ओर संकेत करता है, जहां राजनीतिक ऊंचाई को पूरे परिवार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं बनाया गया।



सावित्री देवी की पहचान एक ऐसी मां के रूप में रही, जिनका बेटा देश के राजनीतिक मानचित्र पर बड़ी पहचान बना चुका था, लेकिन उनकी अपनी जिंदगी गांव और परिवार के इर्द-गिर्द ही रही।

संन्यास ने बदला जीवन, लेकिन मां से रिश्ता नहीं

अजय सिंह बिष्ट ने युवावस्था में घर छोड़कर गोरखपुर का रुख किया। बाद में उन्होंने महंत अवैद्यनाथ को अपना गुरु बनाया और नाथ संप्रदाय की संन्यास परंपरा से जुड़कर योगी आदित्यनाथ के रूप में नई पहचान प्राप्त की।

संसार के पारिवारिक बंधनों से ऊपर उठकर आध्यात्मिक जीवन अपनाने वाले योगी के लिए मां से मुलाकातें स्वाभाविक रूप से सीमित हो गईं। लेकिन भावनात्मक रिश्ता कभी समाप्त नहीं हुआ।

मई 2022 में अपने पैतृक गांव पंचुर पहुंचने पर योगी आदित्यनाथ ने मां सावित्री देवी के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया था। मां-बेटे की वह तस्वीर देशभर में चर्चा का विषय बनी थी। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा बेटा अपनी मां के सामने उसी सहजता से सिर झुकाए खड़ा था, जैसे कोई सामान्य पुत्र अपनी मां के चरणों में आशीर्वाद लेने पहुंचता है।

यह तस्वीर बताती है कि संन्यास जीवन की दिशा बदल सकता है, लेकिन मां के प्रति सम्मान और बचपन के संस्कारों को समाप्त नहीं कर सकता।

पिता के निधन के समय भी अधूरा रह गया था अंतिम दर्शन का अरमान

योगी आदित्यनाथ के जीवन में पारिवारिक पीड़ा का यह पहला बड़ा अवसर नहीं था। 20 अप्रैल 2020 को उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट का निधन हो गया था। उस समय कोरोना महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन लागू था। मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की जिम्मेदारियों और तत्कालीन परिस्थितियों के कारण योगी अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके थे।

उन्होंने उस समय भी अपनी व्यक्तिगत पीड़ा के बावजूद सार्वजनिक जिम्मेदारी को प्राथमिकता दी थी। अब मां के निधन ने उनके जीवन से माता-पिता दोनों का साया छीन लिया।

एक ओर पिता की अंतिम विदाई में शामिल न हो पाने की पीड़ा और दूसरी ओर मां को अंतिम विदाई देते समय छलकते आंसू, उनके जीवन के दो ऐसे अध्याय हैं जो सार्वजनिक जिम्मेदारी और व्यक्तिगत संवेदना के बीच के संघर्ष को सामने रखते हैं।

91 साल की उम्र में विदा हुई, लेकिन पीछे छोड़ गई कई सवाल

सावित्री देवी का 91 वर्ष की आयु में निधन हुआ। उनका जीवन इस बात का उदाहरण भी है कि देश के बड़े पदों पर पहुंचने वाले व्यक्तियों के पीछे अक्सर ऐसे परिवारों का योगदान होता है, जिनकी अपनी पहचान साधारण और संघर्षपूर्ण होती है।

उनकी छोटी बहन सरोज देवी से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में भी सावित्री देवी के मायके और पारिवारिक रिश्तों के प्रति लगाव का उल्लेख आया है। उनके जीवन में रिश्तों की निरंतरता और परिवार से जुड़ाव महत्वपूर्ण रहा।

यहां एक सवाल भी विचारणीय है कि क्या हम अपने समाज में उन माताओं के योगदान को पर्याप्त महत्व देते हैं, जो स्वयं कभी मंच पर नहीं आतीं, लेकिन अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देती हैं कि वे समाज में अपनी अलग पहचान बना सकें?

सावित्री देवी के जीवन को केवल इसलिए याद करना पर्याप्त नहीं होगा कि वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की मां थीं। उन्हें उस ग्रामीण भारतीय मां के रूप में भी याद किया जाना चाहिए, जिसका जीवन परिवार, परिश्रम, सादगी और रिश्तों के इर्द-गिर्द गुजरता है।

एक मां चली गई, बेटा अब भी उन्हीं संस्कारों का उत्तराधिकारी

योगी आदित्यनाथ के सामने आज उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य की जिम्मेदारी है। राजनीतिक जीवन में उनका व्यक्तित्व कठोर निर्णयों, अनुशासन और दृढ़ता के लिए जाना जाता है। लेकिन मां के पार्थिव शरीर को कंधा देते समय उनकी आंखों से छलके आंसुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि सार्वजनिक जीवन की कठोरता के भीतर भी एक संवेदनशील बेटा मौजूद है।

सावित्री देवी के पास न सत्ता थी, न राजनीतिक पद और न ही सार्वजनिक जीवन की कोई बड़ी महत्वाकांक्षा। लेकिन उनके पास वह सबसे बड़ी पूंजी थी, जिसे कोई सरकार, कोई संस्था और कोई बाजार नहीं दे सकता,अपनी संतान को संस्कार देने का अवसर।

आज मां नहीं हैं, लेकिन पंचुर की उस मिट्टी में उनकी स्मृतियां हैं, उस घर में उनकी उपस्थिति की अनुभूति है और बेटे के जीवन में उनके दिए संस्कारों की विरासत है।

किसी मां की महानता इस बात से तय नहीं होती कि उसका बेटा कितना बड़ा पद हासिल करता है, बल्कि इस बात से होती है कि उसके जाने के बाद भी उसकी ममता और संस्कार कितने जीवित रहते हैं।**

सावित्री देवी चली गईं, लेकिन उनकी कहानी एक बार फिर देश को यह याद दिला गई कि बड़े से बड़ा शासक भी अपनी मां के सामने केवल एक बेटा होता है।

पिता से ज्यादा भाग्यशाली रहीं मां... जब योगी ने दिया कंधा तो फूट-फूटकर रो पड़ा बेटा

- **2020 में पिता आनंद सिंह बिष्ट की अंतिम विदाई में शामिल नहीं हो सके योगी आदित्यनाथ**
- **2026 में मां सावित्री देवी को कंधा देकर दी अंतिम विदाई**
- **छह साल के अंतराल में एक बेटे के जीवन की दो सबसे पीड़ादायक घटनाएं**

यूथ इंडिया, पंचुर (उत्तराखंड)

शरद कटियार

किसी इंसान की जिंदगी में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब दुनिया की सारी उपलब्धियां, पद, प्रतिष्ठा और ताकत अर्थहीन हो जाती हैं। उस समय न सत्ता का रुतबा काम आता है और न ही किसी पद की गरिमा। इंसान के पास केवल उसकी भावनाएं रह जाती हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन में 20 नवंबर 2026 का दिन भी कुछ ऐसा ही बन गया। मां सावित्री देवी के पार्थिव शरीर को कंधा देते समय उनकी आंखों से छलके आंसुओं ने देश को एक ऐसे बेटे का चेहरा दिखाया, जिसे आमतौर पर लोग कठोर प्रशासक, अनुशासित संन्यासी और दृढ़ राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में देखते हैं।

आज वही योगी अपनी मां को अंतिम विदाई देते समय भीतर से टूटे हुए दिखाई दिए। मां के पार्थिव शरीर को कंधा देते हुए उनके चेहरे पर उभरी पीड़ा और आंखों में ठहरे आंसू बता रहे थे कि मां का जाना किसी भी संतान के लिए कितना बड़ा आघात होता है। यह दृश्य देखकर शायद ही कोई संवेदनशील व्यक्ति अपनी आंखों को नम होने से रोक पाया हो।

लेकिन इस भावुक दृश्य के पीछे एक ऐसी पुरानी कसक भी जुड़ी है, जो योगी आदित्यनाथ के जीवन को और अधिक मार्मिक बना देती है। छह वर्ष पहले पिता की मृत्यु के समय वे अपने पिता की अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो सके थे। अब मां की अंतिम यात्रा में स्वयं कंधा देने पहुंचे। यही दो घटनाएं उनके जीवन के दो ऐसे अध्याय हैं, जिनमें एक ओर कर्तव्य की कठोरता है तो दूसरी ओर रिश्तों की गहराई।

पिता की अंतिम विदाई में शामिल नहीं हो सके थे योगी

20 अप्रैल 2020। कोरोना महामारी का वह दौर, जब पूरा देश भय और अनिश्चितता के माहौल से गुजर रहा था। देशव्यापी लॉकडाउन लागू था। संक्रमण रोकने के लिए आवाजाही पर प्रतिबंध थे और प्रशासनिक व्यवस्था के सामने अभूतपूर्व चुनौतियां थीं।

इसी दौरान योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट का निधन हो गया। यह किसी भी बेटे के लिए जीवन का बेहद कठिन क्षण था। पिता का अंतिम संस्कार था, परिवार शोक में था और बेटे के सामने अपने पिता को अंतिम विदाई देने की इच्छा थी। लेकिन उस समय योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की जिम्मेदारियां निभा रहे थे।

कोरोना संक्रमण के खिलाफ चल रही तैयारियों और प्रदेश की परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने



अंतिम संस्कार में शामिल न होने का निर्णय लिया। उन्होंने परिवार से अंतिम संस्कार सादगी से करने का आग्रह किया था। एक ओर पिता की मृत्यु का व्यक्तिगत दुख और दूसरी ओर करोड़ों लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी। उस समय उन्होंने सार्वजनिक दायित्व को प्राथमिकता दी।

एक बेटे के लिए पिता की अंतिम यात्रा में शामिल न हो पाना कितना पीड़ादायक होता है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। लेकिन योगी ने उस समय अपनी निजी भावनाओं को सार्वजनिक जिम्मेदारी के सामने पीछे रखा।

छह साल बाद मां की अर्थी को दिया कंधा

समय आगे बढ़ा। परिस्थितियां बदलीं। लेकिन नियति ने एक बार फिर योगी आदित्यनाथ के जीवन में ऐसा दिन ला दिया, जिसने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया।

20 नवंबर 2026 को 91 वर्ष की आयु में उनकी मां सावित्री देवी ने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के अपने पैतृक गांव पंचुर में अंतिम सांस ली। मां के निधन की खबर ने उनके परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया।

अगले दिन अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान योगी आदित्यनाथ ने मां के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। चंडीघाट श्मशान घाट की ओर बढ़ती अंतिम यात्रा में उनके चेहरे पर छाई उदासी और छलकते आंसू इस बात का प्रमाण थे कि मां का स्थान जीवन में कितना अनमोल होता है।

पिता की अंतिम यात्रा में परिस्थितियों ने उन्हें दूर रखा था, लेकिन मां की अंतिम यात्रा में वे स्वयं मौजूद थे। मां को कंधा देते समय वे अपने आंसुओं को रोक नहीं सके। एक ऐसा व्यक्ति, जो लाखों लोगों के सामने आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ खड़ा रहता है, आज मां के सामने अपनी भावनाओं को संभाल नहीं पाया।

91 साल की मां, 54 साल का बेटा और जीवन भर का रिश्ता

योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून 1972 को पंचुर गांव में हुआ था। उनका मूल नाम अजय सिंह बिष्ट था। 20 नवंबर 2026 को मां के निधन के समय उनकी आयु 54 वर्ष थी। उनकी मां सावित्री देवी 91 वर्ष की थीं।

एक तरफ मां का 91 वर्षों का जीवन और दूसरी तरफ 54 वर्ष की आयु में मां को खोने वाला बेटा। उम्र चाहे जितनी हो जाए, मां के सामने संतान कभी बड़ी नहीं होती।

बचपन में जिस मां की गोद में सिर रखकर बच्चा दुनिया की परेशानियों से बेखबर सोता है, उसी मां को एक दिन अपने कंधों पर अंतिम यात्रा के लिए ले जाना पड़ता है। जीवन का यह सत्य जितना कठोर है, उतना ही भावुक भी।

योगी आदित्यनाथ ने युवावस्था में सांसारिक जीवन छोड़कर संन्यास का मार्ग अपनाया। गोरखपुर में महंत अवैद्यनाथ के सान्निध्य में उनका आध्यात्मिक जीवन आगे बढ़ा। बाद में वे गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर बने और फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ी पहचान स्थापित की। लेकिन इन सभी भूमिकाओं के बीच मां के प्रति उनका रिश्ता अपनी जगह बना रहा।

मई 2022 में वे अपने पैतृक गांव पंचुर पहुंचे थे और मां के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया था। उस समय सामने आई मां-बेटे की तस्वीर ने लोगों को भावुक कर दिया था। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने वाला बेटा मां के सामने उसी सहजता से झुका था, जैसे कोई सामान्य संतान अपनी मां के आशीर्वाद के लिए झुकती है।

पिता की विदाई और मां की विदाई... दो घटनाएं, एक ही दर्द

इन दोनों घटनाओं की तुलना करते समय एक बात समझना जरूरी है। पिता आनंद सिंह बिष्ट के निधन के समय योगी का अंतिम संस्कार में शामिल न हो पाना महामारी और सार्वजनिक जिम्मेदारियों से जुड़ी परिस्थितियों का परिणाम था। वहीं मां की अंतिम यात्रा में उनकी उपस्थिति और कंधा देना एक बेटे के लिए अंतिम कर्तव्य निभाने का अवसर बना।

इसीलिए यह कहना कि मां पिता से अधिक भाग्यशाली रहीं, भावनात्मक दृष्टि से एक विचार जरूर हो सकता है, लेकिन इसका अर्थ माता-पिता के प्रति प्रेम की तुलना करना नहीं है। दोनों के प्रति बेटे का लगाव अपनी जगह समान रूप से महत्वपूर्ण था। फर्क केवल उन परिस्थितियों का था, जिनमें दोनों को अंतिम विदाई मिली।

पिता की अंतिम विदाई में एक अधूरापन रह गया था, मां की अंतिम विदाई में बेटे ने अपने कंधों से वह जिम्मेदारी निभाई, जिसे हर संतान जीवन में कभी न कभी निभाती है।

मां के जाने के बाद सबसे बड़ा खालीपन

सावित्री देवी एक साधारण पहाड़ी परिवार की गृहिणी थीं। उनके पति आनंद सिंह बिष्ट वन विभाग में कार्यरत रहे। परिवार में कुल सात संतानें थीं, जिनमें चार बेटे और तीन बेटियां शामिल थीं। परिवार की जड़ें गांव की मिट्टी से जुड़ी रहीं।

उनकी पहचान किसी राजनीतिक पद या सार्वजनिक वैभव से नहीं थी। उनकी पहचान उस मां की थी, जिसने अपने बेटे को बचपन से संस्कार दिए और उसे जीवन में आगे बढ़ते देखा।

आज वह मां नहीं हैं। न अब गांव के घर में उनका इंतजार होगा और न ही मां के चरणों में सिर रखकर आशीर्वाद लेने का अवसर मिलेगा। योगी आदित्यनाथ के जीवन में अब माता-पिता दोनों की स्मृतियां ही शेष हैं।

एक मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें प्रतिदिन हजारों फैसले लेने होंगे। प्रदेश की जनता की समस्याएं सुननी होंगी। प्रशासन चलाना होगा। लेकिन जीवन के इस मोड़ पर एक ऐसी व्यक्तिगत पीड़ा उनके साथ रहेगी, जिसे कोई पद या उपलब्धि कम नहीं कर सकती।

सत्ता का शिखर भी मां के आंचल की बराबरी नहीं कर सकता

इस पूरी घटना में सबसे बड़ी सीख यही है कि इंसान चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो जाए, मां के सामने उसका व्यक्तित्व बदल जाता है। जिस व्यक्ति के पास करोड़ों लोगों की जिम्मेदारी है, वह भी अपनी मां को खोने के बाद उतना ही असहाय है, जितना कोई सामान्य परिवार का बेटा।

योगी आदित्यनाथ के आंसू किसी राजनीतिक विचारधारा के नहीं थे। वे किसी सार्वजनिक संदेश का हिस्सा नहीं थे। वे एक बेटे की आंखों से निकली उस पीड़ा के प्रतीक थे, जिसके सामने शब्द भी बेबस हो जाते हैं।

पिता की अंतिम विदाई में शामिल न हो पाने की कसक और मां को अपने कंधे पर अंतिम यात्रा में विदा करने का दर्द,ये दोनों घटनाएं उनके जीवन में हमेशा के लिए दर्ज हो गईं।

पिता को अंतिम विदाई देने की इच्छा परिस्थितियों के कारण अधूरी रह गई, मां को अंतिम कंधा देने का अवसर मिला। लेकिन सच यही है कि मां हो या पिता, दोनों के जाने के बाद जीवन में जो खालीपन पैदा होता है, उसे कोई दूसरा रिश्ता पूरी तरह नहीं भर सकता।

मां सावित्री देवी को विनम्र श्रद्धांजलि। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और योगी आदित्यनाथ सहित पूरे परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

क्योंकि दुनिया किसी को मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, संत या शासक बना सकती है, लेकिन मां के सामने हर इंसान केवल उसका बेटा ही रहता है।

योगी की मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने चार्टर विमान से रवाना हुईं अपर्णा यादव, पिता अरविंद सिंह बिष्ट भी रहे साथ

- **प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और राज्यमंत्री सतीश शर्मा भी उत्तराखंड के लिए हुए रवाना**
- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार के प्रति जताएंगे शोक संवेदना**

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन से शोक की लहर के बीच राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की हस्तियां शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने पहुंच रही हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव मुख्यमंत्री की माताजी की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए चार्टर विमान से उत्तराखंड रवाना हुईं। उनके साथ



उनके पिता अरविंद सिंह बिष्ट भी मौजूद रहे।

इसके अलावा प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और राज्यमंत्री सतीश शर्मा भी चार्टर विमान से उत्तराखंड के लिए रवाना हुए। सभी लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने और शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के लिए अंत्येष्टि में शामिल होने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का 20 नवंबर 2026 को 91 वर्ष की आयु में उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित पैतृक गांव पंचुर में निधन हो गया था। उनके निधन की खबर से प्रदेशभर में शोक की लहर फैल गई।

मां के निधन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी गहरे भावुक नजर आए। मां के पार्थिव शरीर को कंधा देते समय उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मां को अंतिम विदाई देने का यह दृश्य लोगों को भावुक कर गया।

राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की ओर से लगातार शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

योगी की मां को संत समाज ने दी सामूहिक श्रद्धांजलि, बाबा रामदेव सहित दर्जनों संतों ने की प्रार्थना

- **गोंडा में श्रीराम कथा के मंच से व्यक्त किया शोक, आलोक दास महाराज**
- **बोले- दुख की इस घड़ी में पूरा संत समाज मुख्यमंत्री और उनके परिवार के साथ**

यूथ इंडिया, गोंडा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन से संत समाज में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री की माताजी के आकस्मिक निधन पर गोंडा में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के मंच से बाबा रामदेव सहित दर्जनों संतों ने सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की। संतों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

गोंडा के चर्चित संत आलोक दास महाराज के संयोजन में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन प्रस्तावित था। उन्हें कथावाचक राजन जी महाराज की कथा में शामिल होकर कथा श्रवण करना था। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर आयोजन स्थल पर तैयारियां भी पूरी कर ली गई थीं। लेकिन इसी बीच उनकी माता सावित्री देवी के निधन की दुखद सूचना सामने आने के बाद मुख्यमंत्री का प्रस्तावित कार्यक्रम प्रभावित हुआ।

इस दुखद समाचार के बाद कथा स्थल का माहौल भी शोकमय हो गया। रामकथा के मंच से बाबा रामदेव सहित उपस्थित संतों ने मुख्यमंत्री की माता को श्रद्धांजलि दी। सभी ने कुछ समय मौन रखकर दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान व्यक्त किया और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई।

इस अवसर पर संत आलोक दास महाराज ने भी गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मां का निधन किसी भी संतान के जीवन की अपूरणीय क्षति है। इस दुख की घड़ी में पूरा संत समाज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

हरिद्वार के चंडी घाट श्मशान पहुंची सीएम योगी की मां की अंतिम यात्रा, नेताओं और साधु-संतों ने दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी की अंतिम यात्रा शनिवार सुबह उनके पैतृक गांव पंचूर से शुरू हुई। सुबह 8:50 बजे अंतिम यात्रा हरिद्वार स्थित चंडी घाट श्मशान घाट के लिए रवाना हुई। इस दौरान परिवार के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग शामिल हुए। अंतिम यात्रा में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई नेताओं के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पूरे रास्ते लोगों की भीड़ दिखाई दी। सुबह करीब 11:40 बजे अंतिम यात्रा हरिद्वार के चंडी घाट स्थित श्मशान घाट पहुंची। यहां पहले से ही बड़ी संख्या में राजनीतिक नेताओं, जनप्रतिनिधियों और साधु-संतों का जमावड़ा लगा हुआ था। सभी ने सावित्री देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान श्मशान घाट पर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के नेताओं के साथ संत समाज के कई प्रमुख लोगों की मौजूदगी रही।

पंचायत चुनाव विधानसभा चुनाव के बाद ही होगे, 18 मई 2027 तक टली चुनावी प्रक्रिया

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश में अब पंचायत चुनाव की प्रक्रिया 18 मई 2027 के बाद ही आगे बढ़ सकेगी। इसका सीधा असर चुनाव की तैयारियों पर पड़ेगा और पंचायत चुनाव विधानसभा चुनाव के बाद होने की संभावना है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण का निर्धारण करने के लिए गठित उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग को अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए छह महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है। इसके साथ ही ग्राम प्रधानों का कार्यकाल भी छह महीने बढ़ाने की तैयारी की गई है।

जानकारी के अनुसार, ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए गठित आयोग को निर्धारित छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी, लेकिन तय समय में आयोग का काम पूरा नहीं हो सका। ऐसे में शासन स्तर पर आयोग को अतिरिक्त समय देने और ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया गया। इस संबंध में फाइल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुमोदन के लिए भेजी गई थी, जिसे मंजूरी मिल गई है। अब आयोग 18 मई 2027 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगा।

इससे पहले बुधवार को प्रदेश कैबिनेट ने इस संबंध में अध्यादेश लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। शासन की ओर से आयोग का कार्यकाल और ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह महीने बढ़ाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसके लिए शासनादेश भी जल्द जारी किए जाने की तैयारी है। उच्चस्तर से संबंधित फाइल को अनुमोदन मिल चुका है।

पंचायत चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण का निर्धारण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। आयोग की रिपोर्ट आने के बाद ही आरक्षण से संबंधित आगे की कार्रवाई की जा सकेगी। इसी वजह से पंचायत चुनाव की तैयारियों और चुनावी कार्यक्रम पर भी असर पड़ रहा है। अब आयोग की रिपोर्ट और उसके आधार पर होने वाली सरकारी कार्रवाई के बाद ही चुनाव की अगली प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। पंचायत चुनाव टलने से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी तैयारियों में जुटे संभावित उम्मीदवारों को भी इंतजार करना पड़ेगा। ग्राम प्रधानों और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों के कार्यकाल को लेकर भी शासन की ओर से अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है। छह महीने का विस्तार मिलने से चुनाव होने तक गांवों में प्रशासनिक और पंचायत संबंधी कार्यों को जारी रखने का रास्ता तैयार होगा।

इसी बीच प्रदेश सरकार ने राशन दुकानों के आवंटन से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया है। खाद्य एवं रसद विभाग के नए शासनादेश के अनुसार अब मृतक पर निर्भर विवाहित पुत्री को भी परिवार का सदस्य मानते हुए मृतक आश्रित के रूप में उचित दर की दुकान आवंटित की जा सकेगी। इसके लिए संबंधित महिला को आश्रित प्रमाणपत्र और परिवार के अन्य वयस्क सदस्यों का अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) देना होगा। इसके अलावा निर्धारित अन्य शर्तों को भी पूरा करना अनिवार्य होगा। प्रमुख सचिव अनिल कुमार की ओर से जारी आदेश सभी संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया है। कुल मिलाकर, पंचायत चुनाव को लेकर हुए इस फैसले से प्रदेश की चुनावी समय-सारणी में बदलाव तय माना जा रहा है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का आज आखिरी मौका, सभी बूथों पर सुबह 10 से शाम 4 बजे तक मौजूद रहेंगे बीएलओ

यूथ इंडिया, लखनऊ

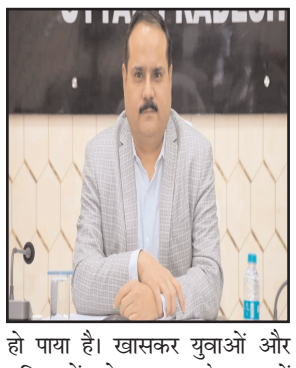

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची को दुरुस्त करने और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदान का अधिकार दिलाने के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 21 और 22 नवंबर को प्रदेशभर के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगे। नागरिक बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम जांचने के साथ नाम जुड़वाने, हटवाने और व्यक्तिगत विवरण में संशोधन के लिए आवेदन कर सकेंगे।

निर्वाचन आयोग का मुख्य उद्देश्य ऐसे पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है, जिनका नाम किसी कारणवश अभी तक दर्ज नहीं हो पाया है। खासकर युवाओं और महिलाओं को मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। नागरिक अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर 17 नवंबर को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में अपना नाम और अन्य जानकारियां देख सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति का नाम सूची में नहीं है या दर्ज विवरण में कोई गलती है तो वह संबंधित बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक आवेदन कर सकता है।

मतदाता सूची में नया नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरना होगा। वहीं, मतदाता सूची से किसी नाम को हटवाने या किसी नाम पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए फॉर्म-7 की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा नाम, पता और अन्य व्यक्तिगत विवरण में संशोधन कराने के लिए फॉर्म-8 भरना होगा। ये सभी फॉर्म संबंधित मतदान केंद्रों पर उपलब्ध रहेंगे। नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार सही फॉर्म भरकर बीएलओ के पास जमा कर सकते हैं।

अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क भी सक्रिय रहेगी। यहां पहुंचने वाले नागरिकों को आवेदन भरने, जरूरी प्रक्रिया समझने और मतदाता सूची से संबंधित जानकारी प्राप्त करने में सहायता दी जाएगी। इसके अलावा मतदाता सूची से जुड़ी जानकारी, शिकायत और समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 भी सक्रिय रहेगा। इससे नागरिकों को अपनी समस्या का समाधान प्राप्त करने में सुविधा होगी।

विशेष अभियान दिवस के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अधिकारी भी विभिन्न जनपदों में पहुंचकर मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। अधिकारी बूथ लेवल अधिकारियों की उपस्थिति, आवेदन प्रक्रिया और अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लेंगे। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने और आवश्यक संशोधन कराने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे 21 और 22 नवंबर को अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर आलेख्य मतदाता सूची में अपना नाम जरूर जांचें। उन्होंने कहा है कि जिन पात्र नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ है, वे फॉर्म-6 भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। वहीं, जिन मतदाताओं के नाम, पते या अन्य विवरण में गलती है, वे फॉर्म-8 के माध्यम से सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग की इस पहल से प्रदेश के नए मतदाताओं को सूची में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मतदाता सूची में नाम जांचने के लिए बूथों पर उमड़े लोग, तेलीबाग में विशेष अभियान के तहत लगे कैंपो में पहुंचे मतदाता

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को राजधानी लखनऊ के विभिन्न मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप लगाए गए। अभियान के दौरान तेलीबाग क्षेत्र के पोलिंग बूथों पर बड़ी संख्या में लोग अपनी मतदाता सूची में नाम जांचने के लिए पहुंचे। लोगों ने मतदाता सूची में दर्ज अपने नाम, पते और अन्य विवरणों का मिलान किया। इस दौरान जिन मतदाताओं को सूची में किसी प्रकार की गलती मिली या अपने विवरण में संशोधन कराना था, उन्होंने संबंधित फॉर्म भरकर आवेदन किया।

मतदाता सूची को दुरुस्त करने और पात्र नागरिकों के नाम शामिल करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान को लेकर लोगों में जागरूकता देखने को मिली। पोलिंग बूथों पर पहुंचे नागरिकों ने उपलब्ध मतदाता सूची में अपना नाम तलाश और दर्ज जानकारियों की जांच की। कई लोगों ने नाम और पते में त्रुटि मिलने पर सुधार के लिए आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी ली।

विशेष अभियान के दौरान बूथों पर लगाए गए कैंपों के माध्यम से मतदाताओं को सूची में नाम जुड़वाने, विवरण में संशोधन कराने और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। लोगों ने संबंधित फॉर्म भरकर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन भी किया। निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। अधिकारियों की ओर से मतदाताओं से अपील की गई है कि वे अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में नाम और अन्य विवरणों की जांच अवश्य करें। समय रहते गलतियों में सुधार कराने से भविष्य में मतदान के दौरान होने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है।

बेबी खान हिना ने खुद किया खुला का एलान, पति की मंजूरी के बिना निकाह खत्म करने के अधिकार पर फिर छिड़ी चर्चा

यूथ इंडिया, लखनऊ



मुस्लिम महिलाओं के वैवाहिक अधिकारों और निकाह समाप्त करने के लिए उपलब्ध कानूनी विकल्पों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। राजधानी लखनऊ में बेबी खान हिना ने शुक्रवार को अपने पति वस्सन खान से वैवाहिक संबंध समाप्त करने के लिए स्वयं खुला की घोषणा की। इस मामले ने मुस्लिम महिलाओं के एकतरफा खुला लेने के अधिकार को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। खास बात यह है कि इस तरह की पहल का एक ऐतिहासिक उदाहरण करीब आठ दशक पहले वर्ष 1947 में सीतापुर में भी सामने आया था, जब शफीकुन नाम की महिला ने स्वयं दस्तावेज लिखकर अपने निकाह को समाप्त करने की घोषणा की थी।

बेबी खान हिना ने किसी मौलवी या दारुलकजा की मंजूरी का इंतजार करने के बजाय स्वयं खुला का एलान किया। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 9 अप्रैल 2021 को एक मामले में मुस्लिम महिला के एकतरफा खुला लेने के अधिकार को मान्यता दी थी। अदालत ने स्पष्ट किया था कि खुला के लिए कुछ आवश्यक शर्तों का पालन किया जाना चाहिए। इनमें विवाह समाप्त करने की स्पष्ट घोषणा, मेहर या अन्य वैवाहिक लाभ लौटाने की पेशकश और पति-पत्नी के बीच सुलह कराने के ईमानदार प्रयास शामिल हैं।

इस मामले में जून 2025 में तेलंगाना हाईकोर्ट ने मोहम्मद इलियास बनाम तबस्सुम मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि मुस्लिम महिला के खुला लेने के लिए पति की सहमति अनिवार्य नहीं है। हालांकि, यदि पति-पत्नी के बीच इस संबंध में विवाद उत्पन्न होता है तो फैमिली कोर्ट से न्यायिक पुष्टि कराई जा सकती है। इन न्यायिक फैसलों के बाद महिलाओं के वैवाहिक अधिकारों और खुला की प्रक्रिया को लेकर कानूनी चर्चा को नई दिशा मिली है।

इस पूरे मामले में वर्ष 1947 का सीतापुर से जुड़ा एक पुराना दस्तावेज भी विशेष महत्व रखता है। उस समय शफीकुन नाम की महिला ने आठ आने के स्टांप पेपर पर उर्दू भाषा में एक दस्तावेज लिखकर अपने पति मोहम्मद इसहाक से वैवाहिक संबंध समाप्त करने की घोषणा की थी। दस्तावेज में उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह अपने पति की पत्नी बनकर नहीं रहना चाहतीं और अपनी इच्छा से निकाह का रिश्ता खत्म कर रही हैं। करीब आठ दशक पुराने इस दस्तावेज को मुस्लिम महिलाओं की ओर से स्वयं खुला घोषित करने के ऐतिहासिक उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है।

शोधार्थी एवं सामाजिक कार्यकर्ता नाइश हसन ने भी इस पुराने दस्तावेज का उल्लेख करते हुए उसकी फोटो प्रति दिखाई है। इससे यह मामला एक बार फिर चर्चा में आया है कि मुस्लिम महिलाओं की ओर से स्वयं खुला की घोषणा करने की परंपरा का ऐतिहासिक संदर्भ भी मौजूद है। वर्ष 1947 का यह दस्तावेज और लखनऊ का हालिया मामला महिलाओं के वैवाहिक अधिकारों से जुड़े अलग-अलग दौर के उदाहरण के रूप में सामने आए हैं। मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों पर काम करने वाली महिलाओं और विशेषज्ञों का कहना है कि मुस्लिम विवाह एक अनुबंध की प्रकृति रखता है।

बच्चे को स्कूल लेने जा रही महिला से मंगलसूत्र और टॉप्स लूटे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कस्बे में एक महिला के साथ जेवर लूटने की घटना सामने आई है। महिला अपने बच्चे को स्कूल से लेने जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो अज्ञात लोगों ने पता पूछने के बहाने उसे रास्ते में रोक लिया और बातचीत में उलझाकर उसका मंगलसूत्र और कान के टॉप्स उतरवा लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी बाइक से मौके से फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, महिला अपने बच्चे को स्कूल से लेने के लिए जा रही थी। रास्ते में बाइक सवार दो व्यक्ति उसके पास पहुंचे और किसी स्थान का पता पूछने लगे। दोनों ने बातचीत के दौरान महिला को अपनी बातों में उलझा लिया। इसके बाद आरोपियों ने महिला से उसका मंगलसूत्र और कान के टॉप्स उतरवा लिए और जेवर लेकर फरार हो गए।

घटना के बाद इलाके में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। खासकर स्कूल आने-जाने वाले बच्चों के अभिभावकों में इस तरह की वारदातों को लेकर डर का माहौल है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और संदिग्ध लोगों पर नजर रखने की आवश्यकता जताई है। घटना के संबंध में पुलिस की जांच और आरोपियों की पहचान को लेकर विस्तृत जानकारी का इंतजार है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों की मदद से आरोपियों तक पहुंचने में सहायता मिल सकती है।

लखनऊ में 7 महीने में 59 हजार से ज्यादा नए वोटर्स जुड़े

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच राजधानी लखनऊ में मतदाताओं की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। पिछले सात महीनों में जिले की सभी नौ विधानसभा सीटों पर कुल 59,062 नए मतदाता जुड़े हैं। इसके साथ ही लखनऊ में कुल वोटर्स की संख्या बढ़कर 31,39,412 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, 10 अप्रैल 2026 को जिले में मतदाताओं की संख्या 30,80,350 थी, जो 17 नवंबर 2026 तक बढ़कर 31,39,412 पहुंच गई। इस अवधि में मतदाताओं की संख्या में 1.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

नए मतदाताओं को जोड़ने के मामले में सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र सबसे आगे रहा। यहां सात महीने के दौरान 13,422 नए वोटर्स जुड़े। वहीं लखनऊ उत्तर विधानसभा क्षेत्र में 10,488 और बीकेटी में 8,530 नए मतदाताओं का नाम सूची में शामिल हुआ। इन तीन विधानसभा क्षेत्रों में नए वोटर्स की संख्या सबसे अधिक रही। इसके अलावा लखनऊ पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 7,044, लखनऊ पश्चिम में 6,480, लखनऊ मध्य में 3,605 और लखनऊ कैंट में 3,521 नए मतदाता जुड़े हैं। मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र में 3,490 और मलिहाबाद में 2,482 नए वोटर्स का इजाफा हुआ है।

सरकारी स्कूल के बाहर अराजक तत्वों का जमावड़ा, विरोध करने पर अभिभावक से मारपीट

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के बख्शी का तालाब क्षेत्र में सरकारी स्कूल के बाहर अराजक तत्वों के जमावड़े से पढ़ने वाले छोटे बच्चों और उनके अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरैया बाजार स्थित सरकारी स्कूल के बाहर जुटने वाले लोगों को लेकर स्थानीय अभिभावकों में नाराजगी है। आरोप है कि स्कूल के बाहर लोगों के जमावड़े का विरोध करने पर एक अभिभावक के साथ मारपीट की गई। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। पीड़ित ने बख्शी का तालाब थाने में शिकायत दर्ज कराकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक, सरैया बाजार स्थित सरकारी स्कूल में रोजाना बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ने आते हैं। सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने और छुट्टी के बाद उन्हें लेने पहुंचने वाले अभिभावकों को स्कूल के बाहर लोगों के जमावड़े के कारण परेशानी होती है। आरोप है कि कुछ लोग स्कूल के बाहर इकट्ठा रहते हैं, जिससे बच्चों और उनके परिजनों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

पीड़ित सूरज कुमार के मुताबिक, वह अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने गए थे। इसी दौरान उन्होंने स्कूल के बाहर कुछ लोगों का जमावड़ा देखा। बच्चों और अभिभावकों को हो रही परेशानी को देखते हुए उन्होंने इसका विरोध किया। आरोप है कि इस बात पर वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत बख्शी का तालाब थाने में दर्ज कराई।

सूरज कुमार का दावा है कि उनके साथ हुई मारपीट की पूरी घटना स्कूल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने और घटना में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। स्कूल के बाहर इस तरह की घटनाओं के आरोपों से बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि स्कूल के आसपास ऐसा माहौल होना चाहिए, जहां बच्चे बिना किसी डर और परेशानी के पढ़ाई कर सकें और अभिभावक भी उन्हें सुरक्षित तरीके से स्कूल छोड़ने तथा लेने आ सकें। फिलहाल मामले में पुलिस से शिकायत किए जाने के बाद जांच और कार्रवाई का इंतजार है।

वैन और होंडा सिटी की आमने-सामने भीषण टक्कर, दो लोगों की मौत, एक दर्जन घायल

मौके पर मची चीख-पुकार

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के मलिहाबाद क्षेत्र में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। हादसा पुरवा गांव के पास हुआ, जहां बारात से लौट रही वैन और होंडा सिटी कार के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों में सवार लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

जानकारी के मुताबिक, वैन में सवार लोग एक बारात में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। इसी दौरान मलिहाबाद क्षेत्र के पुरवा गांव के पास वैन और होंडा सिटी कार अनियंत्रित होकर आमने-सामने टकरा गईं। दोनों वाहनों की जोरदार भिड़ंत के बाद कई लोग घायल हो गए। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 12 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इनमें कई की हालत गंभीर होने की जानकारी सामने आई है।

दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल पर पहुंच गए। वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने मदद शुरू की। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने घायलों की सहायता करते हुए राहत कार्य में सहयोग किया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस और राहत दल की कार्रवाई की जानकारी जुटाई जा रही है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाए जाने की व्यवस्था की गई। दुर्घटना के कारणों और वाहनों के अनियंत्रित होने की वजह का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

इस हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है। बारात से लौट रहे लोगों के साथ हुई इस दुर्घटना ने परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में मृतकों की पहचान और घायलों की विस्तृत स्थिति से संबंधित जानकारी का इंतजार है।

मालिनी अवस्थी और जसवीर जस्सी के गीतों पर झूमे लोग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क में शुक्रवार को लोककला और संगीत का शानदार नजारा देखने को मिला। सोनचिरैया के 15 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दो दिवसीय देशज महोत्सव के छठे संस्करण का शुभारंभ हुआ।

महोत्सव में देशभर की लोककलाओं, संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में मशहूर लोकगायिका मालिनी अवस्थी और गायक जसवीर जस्सी के गीतों ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। महोत्सव में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने संगीत और लोकसंस्कृति का आनंद लिया।

जल जीवन मिशन से यूपी में बड़ी बचत, सौर ऊर्जा से हर साल बच रहे 16.71 करोड़ रूपये

यूथ इंडिया, लखनऊ

जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश में ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ऊर्जा संरक्षण की दिशा में भी बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। जनपद में सौर ऊर्जा आधारित पेयजल योजनाओं के संचालन से हर साल लगभग 16.71 करोड़ रुपये के बिजली बिल की बचत हो रही है। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने में मदद मिल रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता अरविंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि विभाग की प्राथमिकता प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से पेयजल योजनाओं के संचालन को ऊर्जा दक्ष और टिकाऊ बनाने के लिए सौर ऊर्जा आधारित प्रणालियों को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद के 669 राजस्व गांवों में कुल 376 पेयजल योजनाएं संचालित की जा रही हैं। खास बात यह है कि इन सभी 376 योजनाओं को सौर ऊर्जा आधारित बनाया गया है। इससे जिले के 669 गांवों के ग्रामीण परिवारों को लाभ मिल रहा है। इन पेयजल योजनाओं के संचालन के लिए कुल 9,338 किलोवाट क्षमता की सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित की गई हैं। इन प्रणालियों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति के लिए आवश्यक ऊर्जा की मांग पूरी की जा रही है।

लोहिया संस्थान में मरीजों को किया जागरूक, एकेडमिक ब्लॉक में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के गोमती नगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में शनिवार को मरीज जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के एकेडमिक ब्लॉक में हुए इस कार्यक्रम में मरीजों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न जानकारियां साझा की गईं। कार्यक्रम को संस्थान के डीन डॉ. राजन भटनागर ने संबोधित किया।

कार्यक्रम के दौरान मरीजों की जागरूकता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के महत्व पर जोर दिया गया। चिकित्सा संस्थानों में मरीजों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और उपचार से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने और चिकित्सा सेवाओं के प्रति उनकी समझ बढ़ाने का प्रयास किया जाता है।

संस्थान के एकेडमिक ब्लॉक में आयोजित इस कार्यक्रम में डीन डॉ. राजन भटनागर की मौजूदगी रही। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों तक स्वास्थ्य संबंधी उपयोगी जानकारियां पहुंचाना और उन्हें जागरूक करना रहा। लोहिया संस्थान में आयोजित इस पहल को मरीजों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

किसान पथ पर दो ट्रकों की भीषण भिड़ंत, एक ट्रक का चालक केबिन में फंसा, मची अफरा तफरी

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के बीबीडी थाना क्षेत्र में शनिवार को किसान पथ पर दो ट्रकों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा सलारगंज मोड़ के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि एक ट्रक का चालक अपने ही वाहन के केबिन में फंस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। चालक को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पुलिस और स्थानीय लोग प्रयास में जुट गए।

जानकारी के अनुसार, किसान पथ पर सलारगंज मोड़ के पास अचानक दो ट्रकों की जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत के बाद एक ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण उसका चालक अंदर ही फंस गया। चालक को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू कराया गया। स्थानीय लोग भी चालक को बाहर निकालने में मदद कर रहे हैं। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस की ओर से स्थिति को संभालने और राहत कार्य में सहयोग किया जा रहा है। फिलहाल चालक को बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हादसे में किसी अन्य व्यक्ति के हताहत होने की अभी जानकारी नहीं मिली है। दुर्घटना के कारणों का भी फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चालक को सुरक्षित बाहर निकालने और हादसे की पूरी स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां सामने आ सकेंगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 27 ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से निकालने पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 27 से अधिक ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से बाहर करने से रोक दिया है। अदालत ने मंगलवार को पेंटागन की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें फैसले पर रोक लगाने की अपील की गई थी। तीन जजों की पीठ ने 2-1 से यह फैसला सुनाया। इससे पहले जून में अदालत ने माना था कि ट्रांसजेंडर सैनिकों को उनकी लैंगिक पहचान के आधार पर बाहर करने की नीति गलत है। हालांकि, इस फैसले से नए ट्रांसजेंडर सैनिकों की भर्ती का रास्ता नहीं खुला है। मामला दोबारा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है।

आयरलैंड के एयरपोर्ट पर कुल्हाड़ी से अमेरिकी सैन्य विमान तबाह

डबलिन , एजेंसी। आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट पर एक व्यक्ति ने अमेरिकी सैन्य विमान को भारी नुकसान पहुंचाया। अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, 48 वर्षीय दाइथी ओ'कोरेन ने अप्रैल में एयरपोर्ट की सुरक्षा घेराबंदी तोड़कर सी-130 हरक्यूलिस विमान में घुसपैठ की थी। उसने विमान की हाइड्रोलिक लाइनें काटीं, कॉकपिट के उपकरण तोड़े और ईंधन टैंक में धातु के गोले डाल दिए। करीब 60 मिलियन डॉलर का यह विमान अब उड़ान भरने लायक नहीं बचा है। आरोपी पर अमेरिकी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। दोषी साबित होने पर उसे 10 साल तक की जेल हो सकती है।

इस्राइल की संसद को मिला नया स्पीकर

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल की संसद ने मंगलवार को मातान कहाना को नया स्पीकर चुन लिया। उन्हें 120 सदस्यीय संसद में 66 वोट मिले, जबकि बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन वाले उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। कहाना, नेतन्याहू के विरोधी गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के सहयोगी हैं। 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसदीय बहुमत खो दिया था। नया स्पीकर चुने जाने से विपक्षी गठबंधन को संसद में विधायी एजेंडा आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। गठबंधन न्यायपालिका से जुड़े विवादित कानूनों को बदलने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की जांच कराने की तैयारी में है। इस्राइल में नेतन्याहू विरोधी गठबंधन संसद में कई विवादित कानूनों को बदलने की तैयारी कर रहा है। नए स्पीकर मातान कहाना के चुनाव से विपक्ष को विधायी प्रक्रिया में बढ़त मिली है। गठबंधन प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सीमा तय करने, न्यायपालिका की शक्तियां कमजोर करने वाले कानूनों को पलटने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की सरकारी जांच कराने वाले प्रस्ताव लाया है। हालांकि, गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के पास सरकार बनाने के लिए पांच सप्ताह तक का समय है। यदि वह सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं तो राष्ट्रपति नेतन्याहू को फिर मौका दे सकते हैं।

इटली में यहूदी-विरोधी भावना रोकने के लिए नया कानून

रोम, एजेंसी। इटली की संसद ने यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए नए कानून को मंजूरी दे दी है। निचले सदन में इसे 147 वोट मिले, जबकि 93 सांसदों ने विरोध किया और पांच ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कानून में अंतरराष्ट्रीय होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस एलायंस की यहूदी-विरोधी भावना की परिभाषा को शामिल किया गया है। समर्थकों का कहना है कि इससे यहूदी-विरोधी घटनाओं से निपटने में मदद मिलेगी। वहीं, आलोचकों को आशंका है कि इसका इस्तेमाल इस्राइल की नीतियों की आलोचना रोकने के लिए हो सकता है। कानून में नए अपराध या सजा का प्रावधान नहीं किया गया है।

अमेरिका में हवाई यातायात व्यवस्था पर फिर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने पिछले सप्ताह हवाई यातायात व्यवस्था में आई गड़बड़ी के बाद नए राउटर लगाने पर रोक लगा दी है। पहले से लगाए गए जुनिपर राउटर भी बंद कर दिए गए हैं। जांच में पता चला कि अर्कांसस के एल डोराडो में लगाया गया एक राउटर खराबी की वजह बना था। इससे देश के 22 में से 17 क्षेत्रीय हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र प्रभावित हुए थे। फिलहाल व्यवस्था चलाने के लिए 25 साल पुराने सिस्को राउटर इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

नेतन्याहू की बढ़ीं मुश्किलें: संसद में विपक्ष का बहुमत, आइजेनकोट के करीबी मतान कहाना बने नए स्पीकर

यरूशलेम, एजेंसी। इस्राइल की संसद (नेसेट) ने मंगलवार को नए स्पीकर का चुनाव किया। इसे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार की नीतियों को पलटने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नए स्पीकर के रूप में मतान कहाना को चुना गया है, जो गादी आइजेनकोट के करीबी सहयोगी हैं। आइजेनकोट फिलहाल नेतन्याहू की जगह नई सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके गठबंधन ने कहाना के चुनाव के बाद नेतन्याहू की कुछ सबसे विवादित नीतियों को वापस लेने का वादा किया है।

कहाना को कितने वोट मिले : 120 सदस्यीय संसद में कहाना को 66 वोट मिले। उन्हें यह समर्थन यहूदी नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के साथ-साथ अरब नेतृत्व वाले दलों से भी मिला। वहीं, नेतन्याहू के गठबंधन की ओर से समर्थित उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। स्पीकर के चुनाव को लेकर संसद में सात घंटे से अधिक समय तक तीखी बहस चली। मतदान से पहले आइजेनकोट ने कहा, 'मतान कहाना की नेसेट स्पीकर के रूप में नियुक्ति एक उचित लोकतांत्रिक कदम है। यह बदलाव के पक्ष में स्पष्ट बहुमत को दर्शाती है।'

यह चुनाव 27 अक्तूबर को हुए संसदीय चुनावों के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इन चुनावों में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसद में अपना बहुमत खो दिया था। इसके बाद इस्राइल के राष्ट्रपति ने आइजेनकोट



को नई गठबंधन सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

आइजेनकोट के पास कितना समय : आइजेनकोट के पास गठबंधन बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने के लिए अधिकतम पांच सप्ताह का समय और है। सरकार गठन को लेकर बातचीत जारी रहने के बीच उनका गुट और असंबद्ध अरब नेतृत्व वाले दल नवगठित संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। पिछले सप्ताह इन दलों ने कई विधेयक पेश किए थे। इनमें प्रधानमंत्री के पद पर कार्यकाल की सीमा तय करना, सात अक्तूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों की जांच के लिए सरकार के नेतृत्व में जांच आयोग गठित करना और न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित करने वाले कानूनों को वापस लेना शामिल है।

स्पीकर के पास संसद का एजेंडा तय करने की अहम भूमिका : यरुशलम स्थित थिंक टैंक इस्राइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के असाफ शापिरा के मुताबिक, कहाना के स्पीकर बनने से विपक्षी गठबंधन को विधायी प्रक्रिया में बड़ा फायदा मिला है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि समय बहुत कम है। नेसेट का स्पीकर विधायी प्रक्रिया को बहुत तेज या बहुत धीमा कर सकता है। कहाना ने नेतन्याहू के सहयोगी अमीर ओहाना की जगह ली है। आइजेनकोट और उनके सहयोगियों पर आने वाले सप्ताहों में अपनी विधायी प्राथमिकताओं को तेजी से आगे बढ़ाने का दबाव है।

फिलहाल आइजेनकोट की याशर पार्टी के सदस्य रॉय फोकमैन अस्थायी समिति के प्रमुख हैं। सरकार बनने तक संसद के ज्यादातर कामकाज से जुड़े फैसले यही समिति करती है। अगर आइजेनकोट सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं, तो इस्राइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू को सरकार बनाने का एक और मौका दे सकते हैं। ऐसी स्थिति में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को समिति का नियंत्रण मिलने की संभावना है।

शापिरा ने कहा कि भले ही नेतन्याहू के विरोधियों के पास तब भी संसद में बहुमत बना रहे, लेकिन उन्हें लगेगा कि उनकी राजनीतिक गति धीमी पड़ गई है। इससे कुछ विधेयकों के अटकने का वास्तविक खतरा पैदा हो सकता है।

संसद में सात अक्तूबर के हमले को लेकर तीखी बहस : मंगलवार को संसद में हुई बहस के दौरान सात अक्तूबर के हमले के जख्म भी सामने आए। बहस शुरू होने के कई घंटे बाद लिकुड पार्टी की सदस्य तालिक ग्विली ने अरब ज्वाइंट लिस्ट के वरिष्ठ सदस्य अहमद तिबी के भाषण के बीच हस्तक्षेप किया।

ग्विली का बेटा पुलिस अधिकारी था, जिसकी सात अक्तूबर को फलस्तीनी आतंकियों ने हत्या कर दी थी। उस समय तिबी संसद में दक्षिणपंथी सांसदों की नस्लवादी टिप्पणियों की आलोचना कर रहे थे। इसी दौरान ग्विली ने चिल्लाते हुए पूछा, 'मेरे बेटे को किसने मारा?' इस पर तिबी ने जवाब दिया, 'आप मुझे इसके लिए जिम्मेदार क्यों ठहराने लगी हैं? किसी अरब सांसद से ऐसा सवाल मत पूछिए।' इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। संसद के आसन से तिबी ने ग्विली से बिना किसी आधार के आरोप लगाने से बचने को कहा।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी बोले- हिंदू-सिखों के खिलाफ नफरत बढ़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अमेरिका में हिंदू और सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई है। ममदानी ने मंगलवार को अपने कार्यालय में दिवाली कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले एक साल में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया और सिख समुदाय के खिलाफ भी नफरत फैलाई गई। रामायण और महाभारत का जिक्र करते हुए ममदानी ने कहा कि रामायण हमें सिखाती है कि हमें कैसा भाई, पति, पत्नी और दोस्त बनना चाहिए। महाभारत परिवारों की असली तस्वीर दिखाती है। ममदानी की मां मीरा नायर पंजाबी हिंदू परिवार से आती हैं। 35 साल के ममदानी न्यूयॉर्क के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर हैं।

वॉशिंगटन हो या दिल्ली, नफरत फैलाने वाली राजनीति को रोकना होगा : ममदानी ने अमेरिका और भारत की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों की जिम्मेदारी है कि वे समाज में डर और नफरत फैलाने वाली बातों का विरोध करें। उन्होंने कहा, चाहे वॉशिंगटन हो या दिल्ली, हमें ऐसी राजनीति को खारिज करना चाहिए जो हमारी जिंदगी में अंधेरा लाती है। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन से ही वह अपने परिवार के साथ दिवाली मनाते आए हैं। अब न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर पूरे शहर के लोगों के साथ यह त्योहार मनाना उनके लिए सम्मान की बात है।

हिंदू समुदाय के खिलाफ दो घटनाएं हुईं : इलिनॉय के मंदिर में गोलीबारी की कोशिश: 11 अक्टूबर को अमेरिका के इलिनॉय राज्य के औरोरा शहर में एक हिंदू मंदिर पर गोलीबारी की कोशिश हुई थी। पुलिस के मुताबिक 19 साल का एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस हथियार और गोलियां लेकर मंदिर पहुंचा था। उस समय मंदिर में नवरात्रि मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। आरोपी की राइफल जाम हो गई थी, जिसके बाद वह वहां से चला गया। उसके एक साथी कर्मचारी ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में उसके घर से राइफल, 300 से ज्यादा गोलियां और नाजी विचारधारा से जुड़ी चीजें मिलीं। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध हथियार रखने के आरोप लगे हैं।

सिएटल में दिवाली कार्यक्रम में हंगामा: 7 नवंबर 2026 को अमेरिका के सिएटल में दिवाली कार्यक्रम के दौरान दो लोगों ने ने हंगामा किया। दोनों विवादित पोस्टर लेकर कार्यक्रम में घुस आए। पोस्टर पर लिखा था- 'सभी भारतीयों को देश से निकालो'। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सांसद प्रमिला जयपाल ने इसकी निंदा की। 17 नवंबर को 13 अमेरिकी सांसदों ने FBI से मामले की जांच संभावित हेट क्राइम के तौर पर करने की मांग की। गुरुद्वारे की दीवारों पर नफरत भरी बातें लिखीं: 27 दिसंबर 2025 को न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में बाबा माखन शाह लुबाना सिख सेंटर की दीवारों पर अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक बातें लिख दीं।

कुवैत में ड्रोन हमलों का अलर्ट, सेना ने एक्टिवेट किया एयर डिफेंस सिस्टम

कुवैत सिटी, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरानी मीडिया ने किया विस्फोटों का दावा कुवैत सिटी। मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक व सैन्य तनाव के बीच कुवैत में ड्रोन हमलों का हाई अलर्ट जारी किया गया है। कुवैती सेना ने बुधवार को पुष्टि की कि देश की हवाई रक्षा प्रणालियां सक्रिय रूप से शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं। सेना के जनरल स्टाफ ने स्पष्ट किया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में सुनाई दे रही तेज धमाकों की आवाजें इन हवाई हमलों को हवा में ही रोकने (इंटरसेप्ट करने) की कार्रवाई का नतीजा हैं। कुवैती आर्मी ने सोशल मीडिया पर जारी किया बयान, ईरानी मीडिया ने दी विस्फोटों की खबरहवाई हमलों को नाकाम करने में जुटी सेनाः कुवैत आर्मी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'कुवैत की हवाई रक्षा प्रणालियां इस समय शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं।' जनरल स्टाफ के अनुसार, एयर डिफेंस यूनिट्स पूरी सतर्कता के साथ हवाई खतरों को निष्क्रिय करने में जुटी हुई हैं, जिससे आसमान में धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

अरब सूत्रों के हवाले से विस्फोटों का दावा: दूसरी ओर, बीबीसी फारसी से मिली जानकारी के अनुसार, ईरानी मीडिया ने 'अरब सूत्रों' के हवाले से कुवैत में कई विस्फोट होने की खबरें प्रसारित की हैं। खाड़ी क्षेत्र में गहराता सैन्य टकराव, ईरान ने दी है अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी

बहरीन के बाद अब कुवैत में हलचलः गौरतलब है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच सीधा तनाव चरम पर है। पिछले कुछ दिनों में ईरान ने बहरीन स्थित अमेरिकी रडार ठिकानों पर हमले करने की घोषणा की थी। तेहरान ने इसे केशम और सिरिक सहित खाड़ी के तटीय इलाकों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों की जवाबी कार्रवाई करार दिया था।

अमेरिका: 83 महिला सांसदों की अश्लील डीपफेक तस्वीरें ऑनलाइन? पेरिस हिल्टन के खुलासे से मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ऑनलाइन यौन उत्पीड़न और बिना सहमति के बनाई गई अश्लील तस्वीरों (अश्लील डीपफेक) का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। मॉडल और रियलिटी टीवी स्टार पेरिस हिल्टन ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी कांग्रेस की 156 महिला सांसदों में से 83 की अश्लील डीपफेक तस्वीरें फिलहाल इंटरनेट पर मौजूद हैं। हिल्टन ने मंगलवार शाम सीएनएन के कार्यक्रम 'द लीड' में एंकर जेक टैपर से बातचीत के दौरान यह जानकारी साझा की। उनका यह खुलासा सुनकर टैपर भी हैरान रह गए।

हिल्टन इन दिनों अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से डीईएफआईएएनसीई एक्ट पारित कराने की मांग कर रही हैं। यह



विधेयक इंटरनेट पर बिना सहमति के बनाई और साझा की जाने वाली यौन तस्वीरों और डीपफेक सामग्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से लाया गया है। मंगलवार को उन्होंने इस कानून को पारित कराने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के नेतृत्व से मुलाकात भी की। हिल्टन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जनवरी में कांग्रेस में डेमोक्रेटिक बहुमत आने से पहले मौजूदा सत्र में ही यह विधेयक पारित हो जाएगा। इससे पहले यह विधेयक अमेरिकी सीनेट से पारित हो चुका है।

विधेयक पारित नहीं हुआ तो पीड़ितों के लिए होगा दुखद : सीएनएन के एंकर जेक टैपर ने जब हिल्टन से पूछा कि क्या इस विधेयक को प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त समर्थन मिल रहा है, तो उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस का मौजूदा सत्र समाप्त होने से पहले इसे पारित नहीं किया गया, तो यह पीड़ितों के लिए बेहद दुखद होगा। हिल्टन ने इस मुद्दे को किसी राजनीतिक दल से जुड़ा मामला मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'यह रिपब्लिकन या डेमोक्रेटिक पार्टी का मुद्दा नहीं है।' उनके मुताबिक, ऑनलाइन यौन डीपफेक एक महामारी की तरह फैल रहे हैं और इससे निपटने के लिए कई स्तरों पर प्रयास करने की जरूरत है। हिल्टन ने प्रतिनिधि सभा की सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज (डेमोक्रेट-न्यूयॉर्क) और लॉरेल ली (रिपब्लिकन-फ्लोरिडा) की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों सांसदों ने इस विधेयक पर उनके साथ काम किया है और इस मुद्दे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने इस विषय पर एक अध्ययन किया है। इसके मुताबिक, अमेरिकी कांग्रेस की कुल 156 महिला सांसदों में से 83 की यौन डीपफेक तस्वीरें इस समय ऑनलाइन मौजूद हैं। हिल्टन ने कहा कि यह समस्या सभी को प्रभावित कर रही है। यह आंकड़ा सुनकर जेक टैपर ने हैरानी जताते हुए कहा, 'यह वाकई भयावह है।' डीईएफआईएएनसीई एक्ट का उद्देश्य बिना सहमति के किसी व्यक्ति की अश्लील या यौन तस्वीरें बनाने और उन्हें इंटरनेट पर साझा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता मजबूत करना है।

अलास्का में भी जीते डेमोक्रेट्स: मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन से छीना राज्य, 70 साल बाद सीनेट में सबसे बड़ी बढ़त

अलास्का , एजेंसी। अलास्का में अमेरिकी सीनेट की कड़े मुकाबले वाली दौड़ में, पूर्व प्रतिनिधि मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन सीनेटर डैन सुलिवन को हरा दिया है। इस जीत के साथ ही, रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली एक और सीट (कुल नौवीं सीट) डेमोक्रेट्स के खाते में चली गई है। यह पिछले लगभग 70 वर्षों में किसी मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सबसे बड़ी बढ़त है।

अलास्का के लिए यह जीत क्यों है खास : पूर्व अमेरिकी कांग्रेसवुमन पेल्टोला, अलास्का की पहली डेमोक्रेटिक सीनेटर बनेंगी। उनसे पहले मार्क बेगिच इस सीट पर थे, जो 2009 से 2015 तक इस पद पर रहे थे। बता



दें कि वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुनी जाने वाली अलास्का की पहली मूल निवासी महिला हैं। वह उन केवल दो मूल निवासी महिलाओं में से एक हैं जो इस पद पर पहुंची हैं; दूसरी महिला पैगी फ्लैनागन हैं, जिन्होंने इस साल मिनेसोटा में सीनेट का चुनाव जीता है। अलास्का का मुकाबला मध्यावधि चुनावों में सीनेट की आखिरी दौड़ थी, जिसका परिणाम घोषित किया गया। इस मुकाबले में एक निर्दलीय उम्मीदवार को लेकर विवाद भी हुआ, जिसका नाम सुलिवन के नाम से मिलता-जुलता था।

पहले क्या थे ये आंकड़े : इससे पहले, 1958 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के दूसरे कार्यकाल के दौरान, डेमोक्रेट्स ने मध्यावधि चुनाव में नौ या उससे अधिक सीनेट सीटें जीती थीं। उस साल, डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली 13 सीटें छीन ली थीं और अलास्का की दो नई बनी सीटों पर भी जीत हासिल की थी, जिससे उन्हें कुल 15 सीटों का फायदा हुआ था।

पेल्टोला की जीत के बाद, जनवरी में जब नई कांग्रेस शुरू होगी, तब डेमोक्रेट्स के पास 56-44 का बहुमत होगा। पिछले 16 वर्षों में सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी की यह सबसे बड़ी बढ़त है। 3 जनवरी 2011 को समाप्त हुई 111वीं कांग्रेस के अंतिम दिनों में, डेमोक्रेट्स के पास सीनेट की 58 सीटें थीं। अगर अलास्का की सीट को छोड़ भी दें, तब भी डेमोक्रेट्स को जनवरी 2015 के बाद से सबसे बड़ा बहुमत मिल गया है। 2014 के मध्यावधि चुनावों में, राष्ट्रपति बराक ओबामा के दूसरे कार्यकाल के दौरान, रिपब्लिकन पार्टी ने डेमोक्रेट्स की नौ सीटें जीतकर सत्ता पर अपना नियंत्रण बना लिया था। बुधवार को मिसिसिपी में अमेरिकी सीनेट की दौड़ में डेमोक्रेट स्कॉट कोलोम की जीत के साथ, उनकी पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली आठवीं सीट मिल गई।

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग वापसी को तैयार:कहा- बोर्ड के फैसले पर ही लौटूंगा; चेयरमैन बोले- ऐसा कोई इरादा नहीं

कैलिफोर्निया, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग पद पर वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस्तीफे के बाद मंगलवार को पहली बार एक्स पर पोस्ट कर बयान जारी किया। हुआंग ने पिछले हफ्ते एक चीनी महिला जासूस से अफेयर की खबरों के बाद पद छोड़ा था। अपने पोस्ट में हुआंग ने लिखा, अगर बोर्ड फैसला करता है कि मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मैं उन अपीलों का जवाब देने और सीईओ के रूप में लौटने पर सम्मानित महसूस करूंगा। हालांकि, एनवीडिया के चेयरमैन ने साफ कर दिया है कि बोर्ड का जेन्सन हुआंग को फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है।

इस्तीफे के बाद जेन्सन का ये बयान क्यों अहम है... ये वापसी की खुली अपील हैः हुआंग ने सीधे नहीं कहा- 'मुझे वापस लो।' उन्होंने कहा- 'अगर बोर्ड चाहे तो मैं तैयार हूं।' ये एक तरह से बोर्ड पर जनता और कर्मचारियों का दबाव बनाने वाली रणनीति मानी जा रही है।

गलती मानी, लेकिन डिटेल नहीं दी: उन्होंने गंभीर गलतियां और बोर्ड के लिए समस्याएं मानीं, लेकिन किस अफेयर की बात हो रही है, इसका नाम नहीं लिया।

अमेरिका कार्ड खेला: बयान में 3 बार अमेरिका, अमेरिकी नागरिक, अमेरिका के हित में कहा। ये इसलिए, क्योंकि उन पर आरोप चीन से जुड़े हैं। वो ये दिखाना चाहते हैं कि वो अमेरिका के साथ हैं।

परिवार से माफी: आखिरी लाइन में पत्नी और बच्चों से माफी



मांगी, 'मैं बाकी जिंदगी तुम्हारे लायक बनने में बिताऊंगा। '

हुआंग की वापसी के समर्थन में आए 1.90 लाख लोग : जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी की मांग वाली ऑनलाइन याचिका पर 1 लाख 90 हजार से ज्यादा लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। टेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी उनकी वापसी का समर्थन किया है।

अमेरिकी संसद की समितियों के सामने पेश होंगे हुआंग : एनवीडिया के चिप्स चीन भेजने और अमेरिकी नियमों के उल्लंघन को लेकर कंपनी की जांच चल रही है। अमेरिकी संसद की प्रमुख समितियों ने मंगलवार को बताया कि जेन्सन हुआंग जांच में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हो गए हैं। वह 1 दिसंबर को समितियों के सामने पेश होंगे। इसके अगले दिन, 2 दिसंबर को कंपनी के जनरल काउंसल टिम टेटर से सवाल-जवाब होंगे। इस बीच, एनवीडिया ने नियमों की निगरानी के लिए बोर्ड की एक नई समिति बनाई है। यह समिति देखेगी कि कंपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों को चिप्स बेचने से जुड़े अमेरिकी नियमों का पालन कर रही है।

ट्रंप को मारना चाहता था पाकिस्तानी, अमेरिका ने सुनाई 27 साल 6 महीने की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अभियोजकों का कहना है कि यह साजिश ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के निर्देश पर रची गई थी। हालांकि, अमेरिकी जांच एजेंसियों ने समय रहते इसे नाकाम कर दिया और किसी हमले को अंजाम नहीं दिया जा सका। अमेरिकी न्याय विभाग ने मंगलवार को बताया कि न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित संघीय अदालत में जिला न्यायाधीश एरिक आर. कोमिटी ने मर्चेंट को 330 महीने की सजा सुनाई। 48 वर्षीय मर्चेंट को छह मार्च को जूरी ने हत्या के लिए सुपारी देने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से परे आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश के आरोपों में दोषी ठहराया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मर्चेंट ने एक अमेरिकी राजनीतिक नेता की हत्या के लिए पेशेवर हत्यारों की तलाश की थी। हालांकि, जिन लोगों को उसने इसके लिए पैसे दिए, वे वास्तव में एफबीआई के अंडरकवर एजेंट थे। जांच एजेंसी ने हमले से पहले ही पूरी योजना का खुलासा कर दिया। मर्चेंट ने अदालत में गवाही दी। उसका मानना था कि इस साजिश का मुख्य निशाना ट्रंप थे। अभियोजकों के मुताबिक, उस



समय के राष्ट्रपति जो बाइडेन और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली भी संभावित निशानों में शामिल थे। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने सजा की घोषणा करते हुए कहा, ''न्याय विभाग हमारे नेताओं के खिलाफ विदेशी आतंकवादी साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा।'' अभियोजकों का दावा था कि इस साजिश का मकसद ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेना था। सुलेमानी जनवरी 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान इराक में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे। हालांकि, मर्चेंट ने अभियोजन पक्ष के इस दावे पर सवाल उठाया था कि वह वास्तव में हत्या की योजना को अंजाम देने के लिए तैयार था। उसने अदालत में कहा था कि ईरान में उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर उसे डर था और उसका इरादा कभी भी हत्या करवाने का नहीं था। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट स्वेच्छा से रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया अभियान में शामिल हुआ था और अमेरिका आने से पहले उसे प्रशिक्षण दिया गया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, एक रिश्तेदार के माध्यम से उसकी पहचान ईरान में मौजूद एक हैंडलर से कराई गई थी। इसके बाद तेहरान में दोनों की कई मुलाकातें हुईं।

मर्चेंट को कथित तौर पर काउंटर इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया गया और राजनीतिक रैली के दौरान हत्या को अंजाम देने के लिए अपराधियों की भर्ती करने के निर्देश दिए गए। मर्चेंट अप्रैल 2024 में ईरान में कुछ समय बिताने के बाद अमेरिका पहुंचा। उसने इस योजना में मदद के लिए अपने एक परिचित से संपर्क किया, लेकिन उस व्यक्ति ने एफबीआई को इसकी जानकारी दे दी और जांच एजेंसी के लिए मुखबिर बन गया। मुकदमे के दौरान पेश की गई एक रिकॉर्डिंग में मर्चेंट को कथित तौर पर यह समझाते हुए सुना गया कि किसी राजनीतिक नेता की रैली के दौरान हत्या किस तरह की जा सकती है। बाद में उसने उन लोगों से मुलाकात की, जिन्हें वह सुपारी लेकर हत्या करने वाले पेशेवर अपराधी समझ रहा था। उसने उन्हें बताया कि वह विदेश में मौजूद कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा है। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, प्रस्तावित गतिविधियों में दस्तावेजों की चोरी, राजनीतिक रैलियों में विरोध प्रदर्शन आयोजित करना और एक राजनीतिक नेता की हत्या करना शामिल था।

डीएम ने अधिकारियों को चेताया, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

● समाधान दिवस में 92 फरियादियों ने लगाई गुहार, छह शिकायतों का निस्तारण

यूथ इंडिया, कन्नौज



सदर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को फरियादियों की भीड़ रही।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के समक्ष विभिन्न विभागों से जुड़ी 92 शिकायतें पहुंचीं, जिनमें छह का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतें संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए।

डीएम ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों का निस्तारण महज कागजी खानापूर्ति न बने। अधिकारी मौके पर जाकर जांच करें और शिकायतकर्ता को संतुष्ट करने वाला न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करें।

उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही, अनावश्यक देरी और फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगवाने की प्रवृत्ति बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने भूमि विवाद और कब्जे से जुड़े मामलों में विशेष गंभीरता बरतने तथा जरूरत पड़ने पर संयुक्त टीम भेजकर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, एसडीएम वैभव गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दलित महिलाओं से अश्लील हरकतें, विरोध पर मारपीट और धमकी

● दवाई लेकर घर लौटते समय रास्ते में घेरने का आरोप, तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

यूथ इंडिया, सौरिख

थाना क्षेत्र में दवाई लेकर घर लौट रही दलित महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें करने और विरोध पर जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

खड़िनी चौकी क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 31 अक्टूबर को वह अपने बेटे और परिवार की दो अन्य महिलाओं के साथ खड़िनी दवाई लेने गई थी। वापस पैदल घर लौटते समय रूर बंबा के पास बाइक से पहुंचे डिग्री गांव निवासी लालू उर्फ नीलकमल पुत्र अजय कुमार सिंह उर्फ गुड्डन, सत्यम शाक्य और सनी शाक्य पुत्रगण रामविलास शाक्य उर्फ बड़कू ने रास्ता रोककर महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं।

महिलाओं ने विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जातिसूचक शब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने लात-घूंसों से मारपीट की और मौके से भाग गए। बीच-बचाव करने के दौरान महिला के बेटे को गंभीर चोटें आईं।

पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

बूथ पर अधिक संख्या में वोट बनवाने पर दिया जोर

यूथ इंडिया, गुरसहायगंज, कन्नौज



क्षेत्र में मतदाता सूची को अद्यतन करने और लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत ऐसे युवा जो एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं। या ऐसे पात्र नागरिक जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में छूट गया है, वह अपने संबंधित बूथ पर जाकर फॉर्म-6 भरकर अपना वोट बनवा सकते हैं।

विशेष मतदाता अभियान के तहत शनिवार दोपहर करीब 12 बजे सपा नेता मुनीर कुरैशी ने पार्टी के निर्देश पर विधानसभा क्षेत्र 196 छिबरामऊ के अंतर्गत आने वाले कस्बा गांधी नगर स्थित बूथ संख्या 478, 479, 480, 481, 482 और खाड़ेदेवर प्राइमरी विद्यालय स्थित बूथ संख्या 483, 484, 485 व 486 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नए वोट बनाने के लिए भरे जा रहे प्रपत्र-6 (फॉर्म-6) की स्थिति का जायजा लिया और कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक वोट बनवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथ स्तरीय अधिकारियों बीएलओ से कहा कि मतदाता सूची में कोई भी पात्र व्यक्ति छूटने न पाए। सभी प्राप्त प्रपत्रों की जांच समय से पूरी की जाए और आवेदन करने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला निर्वाचन अधिकारी कन्नौज की ओर से आमजन से अपील की गई है कि वह इस विशेष अवसर का लाभ उठाएं और एक जागरूक मतदाता बनें। कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए सभी लोग स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ अपने परिवार और पड़ोस के पात्र युवाओं व नागरिकों को भी बूथ पर भेजकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें।

21 कुंडीय यज्ञ और भागवत कथा से गूंजा आनंदेश्वर धाम, सामूहिक जनेऊ संस्कार में शामिल हुए बटुक

● 20वां धार्मिक आयोजन संपन्न, भंडारे में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

यूथ इंडिया, कन्नौज



मानीमऊ के ऋषि नगर स्थित आनंदेश्वर धाम आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति की गूंज के बीच 21 कुंडीय यज्ञ, श्रीमद्भागवत कथा और सामूहिक उपनयन संस्कार का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कई दिनों तक चले धार्मिक अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ में आहुतियां डालीं और लोक कल्याण की कामना की।

आश्रम परिसर में वैदिक विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया गया, वहीं भागवत कथा के माध्यम से धर्म और भक्ति का संदेश दिया गया। बटुकों का सामूहिक जनेऊ संस्कार भी कराया गया। समापन पर आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

जूना अखाड़ा नंबर-1 के महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 कौशलानंद गिरी महाराज ने बताया कि यह 20वां आयोजन था, जो ईश्वर की कृपा और संत-महात्माओं के आशीर्वाद से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले श्रद्धालुओं का आभार जताया।

उन्होंने बताया कि आगामी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकार भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और परशुराम के पात्रों का जीवंत मंचन कर उनके आदर्शों और मर्यादा का संदेश देंगे।

मकान बेचने का दबाव बनाने और घर में मांस-हड्डियां फेंकने का आरोप

यूथ इंडिया, सौरिख

कस्बे के मोहल्ला आजाद नगर निवासी एक युवक ने सभासद समेत कई लोगों पर मकान बेचने का दबाव बनाने और विरोध करने पर घर में मांस व हड्डियां फेंककर परिवार को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। शनिवार को छिबरामऊ तहसील में आयोजित समाधान दिवस में जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री को शिकायती पत्र देकर मामले में कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की।

मोहल्ला आजाद नगर निवासी जितेंद्र कुमार पुत्र राकेश सिंह ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि कस्बे के सभासद समेत कई लोग उस पर लगातार मकान बेचने का दबाव बना रहे हैं। मना करने पर घर के अंदर पूजा स्थल पर मांस और हड्डियां फेंककर परिवार को परेशान किया जाता है। आरोप है कि घर की बहन-बेटियों को देखकर अभद्र टिप्पणियां की जाती हैं। विरोध करने पर आरोपी मारपीट करने पर आमादा हो जाते हैं। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपित घर में गाय का सिर काटकर फेंकने की धमकी देते हैं।

जितेंद्र के अनुसार, लगातार मिल रही धमकियों और कथित घटनाओं से पूरा परिवार भयभीत है। उसने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

लोन कराने के नाम पर ग्रामीणों से हजारों की ठगी का आरोप, पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

यूथ इंडिया, कन्नौज

सरकारी बैंक से केवाईसी और लोन कराने का झांसा देकर ग्रामीणों से हजारों रुपये ठगे जाने का मामला सामने आया है। गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सदरपुर और द्वारिकापुरी के रहने वाले कई लोगों ने सिकंदरपुर चौकी पुलिस को शिकायती पत्र देकर खजुरिया नगला निवासी कौशल किशोर पर धोखाधड़ी कर रुपये हड़पने का आरोप लगाया है।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार, आरोपी ने सरकारी बैंक से केवाईसी कराने और लोन दिलाने का भरोसा देकर अलग-अलग लोगों से रुपये लिए। आरोप है कि अंकु यादव से 15 हजार रुपये, मुन्नू से 15 हजार रुपये, राजू से 20 हजार रुपये, प्रशांत से 4,500 रुपये, कन्हैयालाल से 19,500 रुपये और अर्जुन से 5,600 रुपये लिए गए। इस तरह छह लोगों से कुल 80 हजार 600 रुपये लेने का आरोप लगाया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि रुपये देने के बाद काफी समय बीत गया, लेकिन न तो उनका लोन कराया गया और न ही उनकी रकम वापस की गई। अपने साथ हुई कथित ठगी से परेशान होकर सभी पीड़ितों ने सिकंदरपुर चौकी पहुंचकर शिकायती पत्र दिया और आरोपी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की।

कोर्ट के आदेश पर ग्राम प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सौरिख। थाना क्षेत्र के ग्राम करीं में 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में ग्राम प्रधान के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस से शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। ग्राम करीं निवासी एक ग्रामीण ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि ग्राम प्रधान शिव प्रकाश का उसके घर आना-जाना था। आरोप है कि बीती 9 सितंबर की रात करीब नौ बजे ग्राम प्रधान उसके घर पहुंचा और उसे 500 रुपये देकर शराब लेने के लिए ठेके पर भेज दिया। उस समय घर में उसकी 15 वर्षीय पुत्री अकेली थी।

दीपों से जगमगाएगा मां गंगा का तट, सन्मार्ग का भव्य आयोजन 24 को

● संगीतमयी सुंदरकांड और गंगा आरती से गूंजेगा माहौल

यूथ इंडिया, कन्नौज

देव दीपावली के पावन पर्व पर 24 नवंबर को महादेवी घाट स्थित मां गंगा तट पर भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सामाजिक आध्यात्मिक स्वयंसेवी संस्था सन्मार्ग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में संगीतमयी सुंदरकांड पाठ, गंगा आरती, दीपोत्सव और प्रसाद रूपी भोज के साथ आत्मीय मिलन समारोह होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर दो बजे संगीतमयी सुंदरकांड पाठ से होगी। शाम 5:30 बजे मां गंगा की आरती और दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद शाम सात बजे प्रसाद रूपी भोज एवं आत्मीय मिलन समारोह होगा।

संस्था की ओर से श्रद्धालुओं और नगरवासियों से परिवार सहित कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की गई है। आयोजकों के अनुसार देव दीपावली का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन देवता स्वर्ग से उतरकर गंगा के घाटों पर दीपोत्सव मनाते हैं।

मतदाता सूची में नाम बढ़वाने के लिए कैंप में पहुंचे सपा नगर अध्यक्ष

● आधा दर्जन से अधिक नए वोट बनवाने के लिए भरे फॉर्म

यूथ इंडिया, सिकंदरपुर/कन्नौज



मतदाता सूची को दुरुस्त करने और कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं, पिछली मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे पात्र लोगों और शादी के बाद ससुराल आई महिलाओं के नए वोट बनवाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इसके साथ ही मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने और मतदाता सूची में दर्ज गलतियों को सुधारने का कार्य भी किया जा रहा है।इसी क्रम में सिकंदरपुर नगर पंचायत के सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की ओर से भारतीय शिक्षा सदन इंटर कॉलेज में विशेष कैंप लगाया गया।

कैंप के माध्यम से क्षेत्र में प्रचार-प्रसार कर मतदाताओं को अपने नाम मतदाता सूची में जांचने और नए वोट बनवाने के लिए जागरूक किया गया।कैंप में समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष सत्य प्रकाश बाथम भी पहुंचे। उन्होंने अपने संपर्क के लोगों के कटे हुए मतदाता नामों को दोबारा जुड़वाने तथा नए वोट बनवाने के लिए आधा दर्जन से अधिक फॉर्म भरवाकर बीएलओ के पास जमा कराए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित नहीं रहना चाहिए।इस दौरान सभासद सतपाल यादव, युवा सपा नेता सदाव अली, वरिष्ठ सपा नेता मोती कठेरिया, मलखान जाटव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कैंप में नेहरू वार्ड के बीएलओ मुकेश कुमार, सुभाष नगर की रेणुका शाक्य, आजाद नगर की कुसुमलता, इंदिरा नगर के प्रवीण पाल, शास्त्री नगर के प्रमोद कुमार, अंबेडकर प्लस एवं गांधी वार्ड के अताउल्ला खान, भाग सिंह के अमर सिंह और लोहिया नगर के हरिशंकर सहित अन्य बीएलओ उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पर भाजपा का फोकस, कार्यकर्ताओं को दिया गया मंत्र

● कार्यकर्ताओं संग भाजपा नेताओं का मंथन

यूथ इंडिया, कन्नौज



शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में मतदाता जोड़ो अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें पूर्व सांसद सुब्रत पाठक, जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अभियान को प्रभावी बनाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि मतदाता जोड़ो अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय से अभियान को गति दें, ताकि कोई पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने अभियान की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। कार्यशाला में विधानसभा प्रभारी डीएस राठौर, सक्षम मिश्रा, रामसेवक कठेरिया, अशोक सिंह, गोपाल चतुर्वेदी, विनीता चतुर्वेदी, रजनी पाल, रेखा दोहरे, राजेश सिंह, राजन अवस्थी, राजेश राजपूत, लोकेंद्र सिंह, शिवेंद्र कुमार और जिला मीडिया प्रभारी अभिषेक पाण्डेय सहित मंडल अध्यक्ष, प्रभारी एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर के सभी सभासद ने फीता काटकर मेले का किया शुभारम्भ

यूथ इंडिया, कन्नौज



नगर में आयोजित रात्रिकालीन आदर्श रामलीला एवं मेले में तालग्राम नगर के सभी सम्मानित सभासदों ने पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर सभासद सचिन उर्फ पंकज ठाकुर, राजेश शर्मा, नरेंद्र शाक्य, अतुल गुप्ता सहित अन्य सभासदों ने सामूहिक रूप से फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया।

मेले के शुभारंभ के दौरान रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। नगर के सभासदों ने रामलीला आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम नगर की परंपराओं को जीवित रखने के साथ-साथ लोगों को आपस में जोड़ने का काम करते हैं।

रामलीला और मेले के माध्यम से बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को मनोरंजन के साथ धार्मिक संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलता है।इस मौके पर मेला अध्यक्ष एवं पूर्व नगर अध्यक्ष दिनेश सिंह यादव ने सभी सम्मानित सभासदों को माला एवं पटुका पहनाकर स्वागत और सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान रामलीला कमेटी के सदस्य, कार्यकर्ता एवं नगर के तमाम लोग मौजूद रहे।

कन्नौज में मॉकड्रिल के बाद आधे घंटे का होगा ब्लैकआउट, सायरन बजते ही बंद होगी बिजली

● काजीटोला फीडर से जुड़ी बिजली रहेगी बंद

यूथ इंडिया, कन्नौज

आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों को परखने के लिए रविवार को जिले में मॉकड्रिल और ब्लैकआउट कराया जाएगा।

शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं नागरिक सुरक्षा कोर की ओर से होने वाले इस अभ्यास में हवाई हमले जैसी स्थिति से निपटने का व्यावहारिक प्रदर्शन किया जाएगा।

कार्यक्रम के तहत पुलिस लाइन में शाम चार बजे से 5:30 बजे तक मॉकड्रिल होगी। इसके बाद शाम छह से 6:30 बजे तक ब्लैकआउट कराया जाएगा। इस दौरान सायरन बजते ही काजीटोला फीडर से जुड़े सभी विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति आधे घंटे के लिए बंद रहेगी।

ब्लैकआउट के दौरान नागरिक सुरक्षा कोर, आपदा मित्र और एनसीसी कैडेट्स सुरक्षा संबंधी गतिविधियों का संचालन एवं निगरानी करेंगे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभ्यास किसी वास्तविक खतरे का संकेत नहीं है, बल्कि आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से कराया जा रहा है। नागरिकों से निर्धारित समय में सहयोग करने और किसी भी तरह की अफवाह से बचने की अपील की गई है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर 23 को होगा ईपीडीएस प्रशिक्षण

यूथ इंडिया, कन्नौज

विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत जिला प्रशासन मतदान कार्मिकों का ऑनलाइन डाटाबेस तैयार करने में जुट गया है। इसी क्रम में 23 नवंबर को अपराह्न 2:30 बजे विकास भवन सभागार में ईपीडीएस एप्लीकेशन का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी विभागों के कार्यालयाध्यक्षों और कंप्यूटर ऑपरेटरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एनआईसी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी द्वारा एप्लीकेशन संचालन और डाटा फीडिंग की जानकारी दी जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास ने सभी संबंधित अधिकारियों को कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। डाटाबेस में दर्ज सूचनाओं की शुद्धता की जिम्मेदारी संबंधित कार्यालयाध्यक्षों की होगी।

सीडीओ ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन संबंधी डाटाबेस की फीडिंग और उसमें दर्ज सूचनाओं की शुद्धता की पूरी जिम्मेदारी कार्यालयाध्यक्षों की होगी।

सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के बैनर तले जुटेंगे पदाधिकारी

कन्नौज। बहुजन स्वराज संकल्प महारैली के आयोजन को लेकर सामाजिक परिवर्तन मोर्चा की ओर से रविवार को कन्नौज में प्रेसवार्ता आयोजित की जाएगी। इसमें महारैली की तैयारियों, उद्देश्य और संगठन की आगामी रणनीति को लेकर जानकारी दी जाएगी। आयोजित प्रेसवार्ता 22 नवंबर को सुबह 10 बजे तिर्वा क्रॉसिंग के निकट जीटी रोड स्थित राही पर्यटक आवास गृह (यूपीटी), सरायमीरा में होगी। कार्यक्रम में आईएमआईएम के जिलाध्यक्ष इशरत खां और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिलाध्यक्ष प्रभात गौतम प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के बैनर तले आयोजित इस प्रेसवार्ता में बहुजन स्वराज संकल्प महारैली के संबंध में मीडिया के सामने संगठन का पक्ष और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी जाएगी।

युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश, युवा संसद में विकसित भारत पर हुआ मंथन

यूथ इंडिया, कन्नौज



मेरा युवा भारत, कन्नौज के तत्वावधान में छिबरामऊ के सैंसारपुर स्थित बाबा विश्वनाथ विद्या मंदिर हाईस्कूल में ब्लॉक स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में युवाओं को नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता और विकसित भारत के संकल्प से जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर तथा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

जिला युवा अधिकारी सागर माहेश्वरी ने युवाओं से मेरा युवा भारत पोर्टल से जुड़कर विभिन्न प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

प्रशिक्षक ममता तिवारी, यशिका तिवारी, मनू दुबे और विकास कुमार ने मेरा युवा भारत की गतिविधियों तथा नशे के दुष्प्रभावों पर जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवाओं को स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया। इस दौरान उपस्थित युवाओं को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम में संस्थापक रमेश अग्निहोत्री, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, यूथ क्लब अध्यक्ष नारायण सिंह, प्रधानाध्यापक अतुल अग्निहोत्री सहित शिक्षक सरोज भदौरिया, सुनीता तिवारी, सूरज सिंह, अवनीश कुमार, कामिनी, शिवानी तथा स्वयंसेवक विकास, गोल्डी, आदित्य और पालक मौजूद रहे।

शास्त्री नगर के दुर्गा मंदिर में धूमधाम से मनाया गया बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव

यूथ इंडिया, सिकंदरपुर (कन्नौज)



नगर पंचायत सिकंदरपुर के शास्त्री नगर मोहल्ले स्थित दुर्गा मंदिर में शुक्रवार, 20 नवंबर की शाम पहली बार बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को भव्य तरीके से सजाया गया। एक दिन पूर्व मंदिर की साफ-सफाई और रंगाई-पुताई कराई गई। वहीं मंदिर के चारों ओर रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक लाइटों से सजावट की गई।

टेंट, पंडाल और चांदनी लगाकर पूरे परिसर को उत्सवमय रूप दिया गया।जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर पंचायत अध्यक्ष ठाकुर हरिहर सिंह ने और सिकंदरपुर चौकी प्रभारी गजेंद्र पाल सिंह ने बाबा खाटू श्याम की प्रथम आरती उतारकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद केक काटकर बाबा श्याम का जन्मदिन मनाया गया।

इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु बाबा श्याम के जयकारे लगाते हुए कार्यक्रम में शामिल हुए। भक्तों ने बाबा के जयकारों के साथ पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान खेड़ा मोहल्ले के लोगों में अपने चेयरमैन ठाकुर हरिहर सिंह के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला।

मोहल्ले के लोगों ने उन्हें खेड़ा मोहल्ले की शान बताते हुए फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। स्वागत का सिलसिला लगातार चलता रहा और चेयरमैन का गला फूल-मालाओं से भर गया।जन्मोत्सव के समापन पर नगर पंचायत अध्यक्ष ठाकुर हरिहर सिंह भी श्याम भक्तों के साथ भक्ति गीतों पर जमकर झूमे और उत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेड़ा मोहल्ले के लोगों के लिए उनका एक-एक कतरा हमेशा समर्पित रहेगा। जरूरत पड़ने पर मोहल्ले के लोगों के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने से पीछे नहीं हटेंगे।

इस मौके पर पवन सैनी, राकेश सैनी, लालू सैनी, रामखिलाड़ी सक्सेना, देवेंद्र बाथम, मदनलाल बाथम, राजीव कश्यप, मलखान सिंह फौजी, उमाकांत कश्यप, प्रशांत सैनी, राजा सैनी, शैलेंद्र सैनी, सभासद सतपाल यादव, मायाशंकर सैनी, रामकिशोर राठौर, अतर सिंह यादव, अजय सैनी, आरपी राठौर उर्फ ध्रुव सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सम्पादकीय

बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा का नया दौर



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और आपसी टकराव का माहौल लगातार गंभीर होता जा रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों से हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में नराइल जिले में शुक्रवार को अवामी लीग के नेताओं, पूर्व सांसदों और पार्टी समर्थकों को निशाना बनाया गया। उपद्रवियों ने करीब 50 घरों और दुकानों पर हमला कर आग लगा दी। इस दौरान व्यापक स्तर पर तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। अचानक हुए हमलों से इलाके में दहशत फैल गई और प्रभावित परिवारों के सामने भारी आर्थिक नुकसान की स्थिति पैदा हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना नराइल जिले के कालिया उपजिला अंतर्गत बेंदर चार गांव में हुई। हमलावरों ने अवामी लीग से जुड़े लोगों के आवासीय मकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। कई स्थानों पर घरों में घुसकर घरेलू सामान, फर्नीचर और दूसरी वस्तुओं को क्षतिग्रस्त किया गया। इसके बाद कीमती सामान लूट लिया गया और अनेक घरों तथा दुकानों में आग लगा दी गई। आगजनी के कारण संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा। करीब 50 ठिकानों पर हमले की खबर से स्थानीय लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया। हालांकि, इस घटना में शामिल लोगों की पहचान और नुकसान के वास्तविक आंकड़ों को लेकर अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

बताया जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश लौटने संबंधी बयान के बाद देश में राजनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद से ही विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच तनाव और आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। ऐसे माहौल में अवामी लीग से जुड़े नेताओं और समर्थकों के घरों तथा दुकानों पर हमले की घटना ने राजनीतिक हालात को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। हालांकि, केवल राजनीतिक बयानबाजी को इस हमले की वजह मानना उचित नहीं होगा, क्योंकि वारदात के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों और हमलावरों की भूमिका की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। जांच के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

बांग्लादेश में इससे पहले भी राजनीतिक संघर्ष से जुड़ी हिंसक घटनाएं सामने आती रही हैं। बीते दिनों प्रधानमंत्री तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के दो नेताओं की हत्या की खबरों ने भी देश के माहौल को प्रभावित किया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं राजनीतिक दलों के बीच अविश्वास और आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को बढ़ा रही हैं। नराइल में करीब 50 घरों और दुकानों को निशाना बनाए जाने की घटना इस बात की ओर ध्यान खींचती है कि राजनीतिक मतभेदों का असर आम लोगों की जिंदगी और उनकी संपत्ति पर नहीं पड़ना चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का समाधान कानून के दायरे में होना चाहिए।

प्रधान संपादक

कुछ किताबें आत्मा का उपचार करती हैं

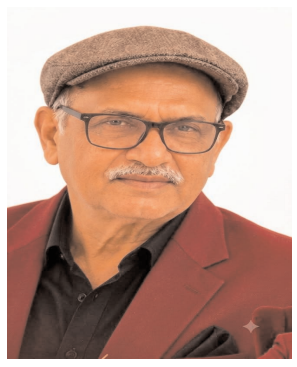

डॉ. विजय गर्ग

किताबें केवल कागज पर छपे शब्दों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि वे मनुष्य के विचारों, भावनाओं, अनुभवों और सपनों का अनमोल खजाना होती हैं। कुछ किताबें हमें ज्ञान देती हैं, कुछ हमारा मनोरंजन करती हैं, जबकि कुछ ऐसी होती हैं जो हमारे अंतर्मन को छूकर जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण ही बदल देती हैं। ऐसी किताबें वास्तव में हमारी आत्मा का उपचार करती हैं।

जिस प्रकार शारीरिक बीमारी के उपचार के लिए दवाइयों की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मन की उदासी, अकेलेपन, निराशा और उलझन को दूर करने के लिए सकारात्मक विचारों की जरूरत होती है। कई बार किसी अच्छी किताब का एक वाक्य भी मनुष्य को वह साहस और हिम्मत दे जाता है, जिसकी उसे लंबे समय से तलाश होती है। किताबें हमें यह एहसास कराती हैं कि जीवन की कठिनाइयाँ केवल हमारे हिस्से में नहीं आई हैं, बल्कि दुनिया के असंख्य लोगों ने भी ऐसे संघर्षों का सामना किया है।

आज का मनुष्य तकनीकी रूप से भले ही बहुत आगे बढ़ गया है, लेकिन मानसिक तनाव, अकेलापन, प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा की भावना भी बढ़ रही है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और डिजिटल मनोरंजन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं, फिर भी अनेक लोग भीतर से अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे समय में किताबें एक सच्चे मित्र की तरह हमारा साथ निभाती हैं। इनके साथ जुड़ने के लिए किसी विशेष समय, स्थान या अवसर की आवश्यकता नहीं होती।

किताबों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे हमें बिना किसी भेदभाव के स्वीकार करती हैं। जब हम उदास होते हैं, तो कोई प्रेरणादायक पुस्तक हमारे भीतर नई आशा जगा सकती है। जब हम किसी उलझन में होते हैं, तो किसी महान विचारक के विचार हमें सही रास्ता दिखा सकते हैं। जब हम असफलता का सामना करते हैं, तो महान व्यक्तियों की जीवनियाँ हमें बताती हैं कि सफलता तक पहुँचने का रास्ता अक्सर संघर्षों से होकर गुजरता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि किताबों ने व्यक्तियों और समाजों की सोच बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी की आत्मकथा %सत्य के प्रयोग% ने सत्य, सादगी और नैतिकता के महत्व को उजागर किया। स्वामी विवेकानंद के विचारों ने युवाओं में आत्मविश्वास, साहस और सेवा की भावना पैदा की। डॉ. बी.आर. आंबेडकर के लेखन ने सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के महत्व को नई दिशा दी। ऐसी रचनाएँ केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में अपनाने के लिए होती हैं।

कई बार साहित्य भी मनुष्य के मन को ऐसी राहत देता है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन होता है। कविताएँ, कहानियाँ, उपन्यास और जीवनियाँ हमें दूसरों के सुख-दुख से जोड़ती हैं। जब हम किसी कहानी के पात्र के संघर्ष को पढ़ते हैं, तो हमारे भीतर सहानुभूति और संवेदनशीलता विकसित होती है। हम दूसरों की भावनाओं और परिस्थितियों को समझना सीखते हैं। इस प्रकार किताबें केवल हमारी जानकारी नहीं बढ़ातीं, बल्कि हमारे मानवीय गुणों का भी विकास करती हैं।

बच्चों और युवाओं के जीवन में भी अच्छी किताबों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज विद्यार्थी अक्सर अंकों, प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर की चिंताओं से घिरे रहते हैं। उन्हें पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ-साथ साहित्य, विज्ञान, इतिहास, जीवनियाँ और प्रेरणादायक पुस्तकें भी पढ़नी चाहिए। ऐसी किताबें उनकी कल्पनाशक्ति, भाषाई क्षमता, तार्किक सोच और आत्मविश्वास को मजबूत बनाती हैं।

माता-पिता और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करें। घरों और स्कूलों में छोटी-छोटी पुस्तकालयें बनाई जानी चाहिए। बच्चों को उनकी उम्र, रुचि और समझ के अनुसार किताबें उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्हें किताबें पढ़ने के लिए मजबूर करने के बजाय पढ़ने का आनंद समझाया जाना चाहिए। जब बच्चा अपनी पसंद की पुस्तक पढ़ता है, तो पढ़ना उसके लिए बोझ नहीं, बल्कि खुशी का साधन बन जाता है।

डिजिटल युग में किताबों का स्वरूप बदल गया है। अब छपी हुई पुस्तकों के साथ ई-बुक्स, ऑडियोबुक्स और ऑनलाइन पुस्तकालय भी उपलब्ध हैं। तकनीक ने ज्ञान तक पहुँच आसान बना दी है। फिर भी छपी हुई किताब को हाथ में लेकर पढ़ने का अपना अलग आनंद है। उसके पन्ने पलटना, महत्वपूर्ण वाक्यों को रेखांकित करना और पढ़ते समय विचारों की दुनिया में खो जाना एक अनूठा अनुभव है। वास्तव में महत्वपूर्ण बात किताब का माध्यम नहीं, बल्कि उसमें मौजूद ज्ञान और विचार हैं।

एक अच्छी किताब के साथ बना रिश्ता समय के साथ और गहरा होता जाता है। कई किताबें हम बचपन में पढ़ते हैं, लेकिन उनका वास्तविक अर्थ हमें युवावस्था या जीवन के बाद के वर्षों में समझ आता है। जीवन के अलग-अलग पड़ावों पर एक ही किताब हमें अलग-अलग अर्थ और नए संदेश दे सकती है। यही कारण है कि कुछ किताबों को बार-बार पढ़ने का मन करता है। किताबें हमें स्वयं से मिलने का अवसर भी देती हैं। रोजमर्रा की भागदौड़ में मनुष्य अपने भीतर झाँकना भूल जाता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

तकनीक के बीच खोती मानवीय संवेदना

यूथ इंडिया

तकनीक का आविष्कार मनुष्य ने अपने जीवन को सरल, सुविधाजनक और बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया था। कभी मशीनें इंसान की मेहनत कम करने का माध्यम हुआ करती थीं, लेकिन समय के साथ उनकी भूमिका इतनी व्यापक हो गई कि अब वे हमारी दिनचर्या, सोच, व्यवहार और जरूरतों को भी प्रभावित करने लगी हैं। आज स्थिति यह है कि मनुष्य केवल तकनीक का इस्तेमाल नहीं कर रहा, बल्कि धीरे-धीरे उसी के आधार पर दुनिया को समझने और अपने जीवन के फैसले लेने लगा है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारी दुनिया को एक नया स्वरूप दिया है। इसके बावजूद एक सवाल लगातार खड़ा होता है कि क्या तकनीक ने वास्तव में मनुष्य को अधिक स्वतंत्र बनाया है या उसे सुविधाओं के एक ऐसे दायरे में बांध दिया है, जहां उसकी अपनी इच्छाएं भी तकनीक से प्रभावित होने लगी हैं?

तकनीक के विकास को सामान्य तौर पर मशीनों की क्षमता, इंटरनेट की रफ्तार और आधुनिक उपकरणों की उपयोगिता से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन इसका प्रभाव इससे कहीं अधिक गहरा है। इसने मनुष्य के प्रकृति के साथ रिश्ते को भी बदल दिया है। पहले नदियां केवल पानी का स्रोत नहीं होती थीं, बल्कि वे जीवन, संस्कृति, आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक थीं। जंगल सिर्फ पेड़ों का समूह नहीं थे, बल्कि असंख्य जीव-जंतुओं का आश्रय और प्रकृति के संतुलन का आधार थे। आज विकास की दौड़ में इन प्राकृतिक संपदाओं को अक्सर आर्थिक लाभ, औद्योगिक उत्पादन और संसाधनों की उपलब्धता के नजरिये से देखा जाने लगा है। नदियों से बिजली उत्पादन, जंगलों से लकड़ी और जमीन से खनिज निकालने की योजनाएं विकास का हिस्सा हैं, लेकिन जब इन गतिविधियों में प्रकृति के अस्तित्व और उसके संतुलन को नजरअंदाज किया जाता है, तब विकास की अवधारणा पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इस बदलाव का असर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि मनुष्य की जीवनशैली और सोच पर भी दिखाई देता है। आज व्यक्ति की पहचान कई बार उसकी कार्यक्षमता, आर्थिक उपलब्धियों और काम पूरा करने की गति से तय होने लगी है। समाज में अधिक उत्पादन करने, लगातार सक्रिय रहने और हर समय कुछ नया हासिल करने का दबाव बढ़ रहा है। तकनीक ने काम को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ ही जीवन की रफ्तार भी तेज कर दी है। पहले जहां इंसान अपने आसपास के वातावरण को महसूस करने, परिवार के साथ समय बिताने और प्रकृति के करीब रहने के लिए पर्याप्त समय निकाल पाता था, वहीं अब उसका काफी समय स्क्रीन और डिजिटल गतिविधियों में गुजरने लगा है। सुविधाओं के विस्तार के बावजूद मानसिक शांति और आत्मिक संतोष की तलाश आज भी बनी हुई है।

हालांकि तकनीक को पूरी तरह गलत या मानवता के लिए नुकसानदेह मानना उचित नहीं होगा। चिकित्सा, शिक्षा, संचार, परिवहन और विज्ञान के क्षेत्र में इसके योगदान ने करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है। दूर-दराज के इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराना और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बैठे लोगों को एक-दूसरे से जोड़ना तकनीक की बड़ी उपलब्धियां हैं।

जीवन, दर्शन, साधना और नाथ संप्रदाय के महान प्रवर्तकः गुरू गोरक्षनाथ

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

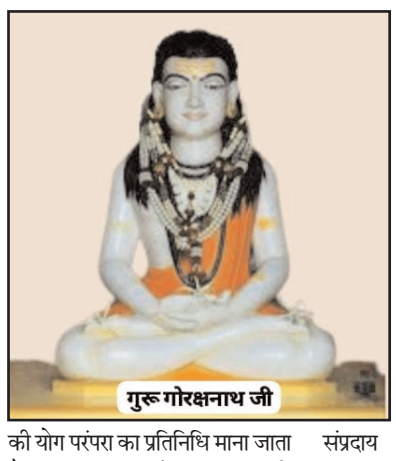

गुरू गोरक्षनाथ जी

भारतीय संत परंपरा और योग साधना के इतिहास में गुरु गोरक्षनाथ का नाम अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। वे महान योगी, सिद्ध पुरुष, आध्यात्मिक गुरु, समाज सुधारक तथा नाथ संप्रदाय के प्रमुख प्रवर्तक माने जाते हैं। उन्होंने भारतीय योग परंपरा को नई दिशा दी और जनसामान्य को आत्मसंयम, साधना, सेवा, सदाचार तथा मानव कल्याण का संदेश दिया। उनका व्यक्तित्व केवल धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं था, बल्कि भारतीय समाज और संस्कृति पर भी उनका गहरा प्रभाव पड़ा। गुरु गोरक्षनाथ के जन्मकाल और जन्मस्थान को लेकर इतिहासकारों तथा धार्मिक परंपराओं में मतभेद हैं।

सामान्यतः उन्हें मध्यकालीन भारत का महान योगी माना जाता है। उनके जीवन से जुड़ी अनेक कथाएं लोकपरंपराओं में प्रचलित हैं। कुछ मान्यताओं के अनुसार वे गुरु मत्स्येंद्रनाथ के शिष्य थे। उनके जन्म के संबंध में भी अनेक चमत्कारिक कथाएं मिलती हैं, जिनमें उन्हें दिव्य कृपा से उत्पन्न सिद्ध पुरुष बताया गया है। नाथ परंपरा में उन्हें भगवान शिव की योग परंपरा का प्रतिनिधि माना जाता है। इसी कारण उनके अनुयायी उन्हें शिवस्वरूप और महान सिद्ध योगी के रूप में पूजते हैं। उनके जीवन का मूल उद्देश्य आत्मज्ञान प्राप्त करना और मानव समाज को आध्यात्मिक चेतना से जोड़ना था।

गुरु मत्स्येंद्रनाथ से दीक्षा और साधना-गुरु गोरक्षनाथ के आध्यात्मिक जीवन में गुरु मत्स्येंद्रनाथ का विशेष स्थान है। परंपरागत मान्यता के अनुसार उन्होंने मत्स्येंद्रनाथ से योग की शिक्षा और दीक्षा प्राप्त की। गुरु के मार्गदर्शन में उन्होंने कठोर तपस्या, ध्यान, प्राणायाम, संयम और हठयोग का अभ्यास किया। कहा जाता है कि उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर साधना की और अनेक शिष्यों को योग एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान किया। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा को विशेष महत्व दिया। उनके अनुसार गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक होता है।

नाथ संप्रदाय का विस्तार - गुरु गोरक्षनाथ को नाथ संप्रदाय की परंपरा का सबसे प्रभावशाली आचार्य माना जाता है। यद्यपि इस संप्रदाय की परंपरा उनसे पहले भी विद्यमान थी, लेकिन उन्होंने इसे संगठित और व्यापक स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने योगियों और साधकों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। नाथ संप्रदाय में नौ नाथों और 84 सिद्धों की परंपरा विशेष रूप से प्रसिद्ध है। गुरु गोरक्षनाथ को नौ नाथों में प्रमुख स्थान प्राप्त है। उनके प्रभाव से उत्तर भारत, नेपाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, बंगाल और देश के अन्य क्षेत्रों में नाथ परंपरा का विस्तार हुआ। नेपाल में भी उन्हें विशेष श्रद्धा से पूजा जाता है।

वहां गोरखनाथ के नाम पर अनेक धार्मिक स्थल और परंपराएं प्रचलित हैं। गुरु गोरक्षनाथ का भारतीय योग दर्शन में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने हठयोग को व्यवस्थित साधना पद्धति के रूप में प्रतिष्ठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना था कि शरीर और मन दोनों को स्वस्थ, संयमित तथा अनुशासित बनाए बिना आत्मज्ञान की प्राप्ति कठिन है। उन्होंने आसन, प्राणायाम, ध्यान, मुद्रा, बंध और समाधि जैसी योग प्रक्रियाओं के महत्व पर बल दिया। उनके अनुसार मनुष्य का शरीर साधना का माध्यम है, इसलिए उसकी शुद्धि और नियंत्रण आवश्यक है। उनके नाम से अनेक योगग्रंथ और रचनाएं प्रचलित हैं। इनमें गोरक्षशतक, सिद्ध-सिद्धांत-पद्धति, गोरक्ष संहिता तथा विवेक मार्तंड प्रमुख माने जाते हैं। इन ग्रंथों में योग, प्राण, चक्र, कुंडलिनी, आत्मज्ञान और आध्यात्मिक साधना का वर्णन मिलता है। हालांकि इन रचनाओं के लेखन और संकलन के काल को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं।

सामाजिक चेतना और मानवता का संदेश - गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन केवल योग और तपस्या तक सीमित नहीं था।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

नन्हे सपनों का संसार

नन्हे हाथों में छिपे,
सपने लाख हजार।
छोटी-छोटी आँख में,
बसे बड़ा संसार॥

पापा की उँगली पकड़,
चलता नन्हा लाल।
राह भले ही हो कठिन,
लगता सब खुशहाल॥

माथे टीका लाल है,
मुख पर हंसी प्यार।
घर-आँगन में खिल उठे,
जैसे नई बहार॥

खेल खिलौने से करे,
कभी मचाए शोर।
नन्हे की मुस्कान से,
खिलता घर का छोर॥

पापा के कंधे चढ़े,
देखे सारा गाँव।
नन्हे मन में बस रहे,
कितने नए पड़ाव॥

छोटी-छोटी बात पर,
हँसता खिलखिलाय।
उसकी मीठी बोलियाँ,
घर उत्सव बन जाय॥

नन्हे पग की आहटें,
खुशियों का संदेश।
बच्चों से ही खिल उठे,
घर-आँगन परिवेश॥

चिड़िया जैसी कल्पना,
तितली जैसे रंग।
बच्चों के संसार में,
खुशियों के बहु ढंग॥

मिट्टी, पानी, फूल से,
सीख रहा व्यवहार।
बचपन सबसे सुंदर,
जीवन का उपहार॥

प्यार मिले तो बालमन,
खिलता बनकर फूल।
बचपन को मत बाँधिए,
प्रेम रहे अनुकूल॥



डॉ. प्रियंका सौरभ
(कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)
प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सब्ज़ीवाला

नन्हा मुन्ना घर में बैठा,
सब्ज़ी लेकर आया,
टोकरी में फल-सब्ज़ी रखकर,
अपना खेल सजाया।

हरी-हरी ककड़ी रखी,
लाल टमाटर प्यारा,
पीला फल भी साथ में रखा,
रंगों का संसार न्यारा।

छोटी गाड़ी, छोटी दुनिया,
छोटे-छोटे काम,
खेल-खेल में सीख रहा है,
जीवन का हर आयाम।

मम्मी बोलीं–बेटा सुनना,
सब्ज़ी खूब खिलाए,
ताज़ा फल और हरी सब्ज़ियाँ,
तन को स्वस्थ बनाएँ।

नन्हे हाथों की मेहनत देखो,
मन में कितने भाव,
खेल-खेल में सीख रहा है,
जीवन के सद्भाव।

नन्हे हाथ सजाते हैं,
सपनों का संसार।
खेल-खेल में सीखते,
जीवन के व्यवहार॥

फल-सब्ज़ी से दोस्ती,
खुशियों का उपहार।
स्वस्थ रहे तन, खिल उठे,
बचपन का संसार॥

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

डॉ. सत्यवान सौरभ
(एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

बिजली संकट की आहट



डॉ. सत्यवान सौरभ

बिजली किसी सरकार की उपलब्धियों का विज्ञापन भर नहीं, बल्कि उसकी विकास क्षमता की वास्तविक परीक्षा है। जब उद्योग उत्पादन रोकने को मजबूर हों, किसान सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार करें, शहरों में गर्मी के दौरान कटौती हो और उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदनी पड़े, तब ऊर्जा आत्मनिर्भरता के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत का बिजली क्षेत्र आज इसी विरोधाभास से जूझ रहा है। एक ओर रिकॉर्ड बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और भविष्य की बड़ी योजनाओं का उत्सव है, दूसरी ओर ईंधन संकट, कमजोर वितरण कंपनियां, अपर्याप्त भंडारण और मांग के दबाव जैसी चुनौतियां मौजूद हैं।

बिजली क्षेत्र की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि हमारी ऊर्जा योजना कई बार वास्तविक मांग के बजाय स्थापित क्षमता के आंकड़ों पर अधिक केंद्रित दिखाई देती है। कितने मेगावाट संयंत्र स्थापित हुए, कितनी सौर परियोजनाएं शुरू हुईं और कितनी नई योजनाओं की घोषणा हुई–इन आंकड़ों से विकास का आकलन किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता के लिए असली सवाल यह है कि जरूरत पड़ने पर बिजली उपलब्ध है या नहीं। स्थापित क्षमता और वास्तविक आपूर्ति के बीच का अंतर ही ऊर्जा नियोजन की गंभीर चुनौती है। बिजली संयंत्र का होना और उसका संकट के समय लगातार उत्पादन करना दो अलग-अलग बातें हैं।

कोयले पर निर्भरता कम करने की बात वर्षों से हो रही है, लेकिन ताप विद्युत अभी भी भारतीय बिजली व्यवस्था की रीढ़ है। इस निर्भरता को स्वीकार करने के बजाय कई बार ऊर्जा संक्रमण की बहस को केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार तक सीमित कर दिया जाता है। कोयले की आपूर्ति, रेलवे परिवहन, संयंत्रों में पर्याप्त भंडार और उत्पादन इकाइयों के रखरखाव पर गंभीर ध्यान नहीं दिया गया तो संकट के समय सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। ऊर्जा नीति में विरोधाभास नहीं, व्यावहारिकता चाहिए। जब तक वैकल्पिक स्रोत पर्याप्त, स्थिर और आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं बनते, तब तक पारंपरिक उत्पादन व्यवस्था को कमजोर करना जोखिमपूर्ण होगा।

सौर ऊर्जा का विस्तार निश्चित रूप से भविष्य की जरूरत है, लेकिन केवल सूरज चमकने के समय बिजली उपलब्ध होना ऊर्जा सुरक्षा नहीं है। शाम होते ही सौर उत्पादन घटता है, जबकि घरेलू और व्यावसायिक मांग कई क्षेत्रों में बढ़ जाती है। इस अंतर को भरने के लिए बैटरी भंडारण, पंप्ड स्टोरेज, जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा और पर्याप्त नियंत्रित उत्पादन क्षमता की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या हमारी योजनाएं इन व्यवस्थाओं को उसी गंभीरता से विकसित कर रही हैं, जिस गंभीरता से सौर क्षमता के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं? यदि भंडारण और ग्रिड की तैयारी पीछे रह गई, तो नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार भी नई अस्थिरता पैदा कर सकता है।

बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय बदहाली इस संकट का एक ऐसा पहलू है जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्षों से घाटे में चल रही वितरण कंपनियां, तकनीकी नुकसान, बिजली चोरी, कमजोर बिलिंग व्यवस्था और राजनीतिक दबाव के कारण आर्थिक रूप से कमजोर होती रही हैं। मुफ्त बिजली और सब्सिडी की राजनीति अपनी जगह है, लेकिन यदि उसका भुगतान समय पर और पारदर्शी तरीके से नहीं होता, तो अंततः नुकसान बिजली व्यवस्था को उठाना पड़ता है। उपभोक्ता को राहत देने के नाम पर वितरण कंपनियों को वित्तीय संकट में छोड़ देना दूरदर्शी नीति नहीं है। सरकारों को यह समझना होगा कि कमजोर डिस्कॉम के सहारे विश्वस्तरीय बिजली व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती।

पारेषण व्यवस्था भी बिजली क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण कमजोरी है। बिजली उत्पादन बढ़ा देना पर्याप्त नहीं, यदि उसे जरूरत वाले क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए नेटवर्क मजबूत न हो। कई बार बिजली की उपलब्धता और बिजली की जरूरत अलग-अलग क्षेत्रों में होती है, लेकिन सीमित पारेषण क्षमता के कारण उसका प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता। आधुनिक ट्रांसमिशन लाइनें, अंतरराज्यीय नेटवर्क, स्मार्ट ग्रिड और तकनीकी निगरानी पर निवेश अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। बिजली व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी पूरे तंत्र को प्रभावित कर सकती है।

बढ़ती बिजली मांग को भी अब सामान्य वृद्धि मानकर नहीं चलाया जा सकता। औद्योगिकीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन, शहरीकरण और बढ़ती गर्मी ने बिजली की जरूरतों का स्वरूप बदल दिया है। आने वाले वर्षों में केवल पुराने मांग अनुमान पर्याप्त नहीं होंगे। सरकार, बिजली कंपनियों और नियामकों को भविष्य की जरूरतों का वास्तविक आकलन करना होगा।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

विश्व टेलीविजन दिवसः सूचना, शिक्षा, मनोरंजन और जनचेतना का सशक्त माध्यम

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

प्रतिवर्ष 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाया जाता है। टेलीविजन आधुनिक विज्ञान की उन महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है, जिसने पूरी दुनिया को एक-दूसरे के करीब लाने में अहम भूमिका निभाई है। कभी घरों में मनोरंजन का प्रमुख साधन रहा टेलीविजन आज सूचना, शिक्षा, समाचार, संस्कृति, सामाजिक जागरूकता और जनमत निर्माण का सशक्त माध्यम बन चुका है। इसने दुनिया के किसी भी कोने में घटित होने वाली घटना को कुछ ही क्षणों में करोड़ों लोगों तक पहुंचाने की क्षमता विकसित की है। बदलते समय के साथ टेलीविजन का स्वरूप भी बदला है, लेकिन समाज पर उसका प्रभाव आज भी व्यापक है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1996 में 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसी दिन वर्ष 1996 में संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में पहला विश्व टेलीविजन मंच आयोजित किया गया था। इस मंच पर विश्व के प्रमुख संचार विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने टेलीविजन के बढ़ते प्रभाव, वैश्विक संचार तथा सामाजिक विकास में उसकी भूमिका पर विचार-विमर्श किया था।

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य टेलीविजन के महत्व को स्वीकार करना और शांति, सुरक्षा, विकास, शिक्षा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे विषयों पर जनजागरूकता बढ़ाने में इसकी भूमिका को रेखांकित करना है। यह दिन केवल एक तकनीकी आविष्कार का उत्सव नहीं, बल्कि जिम्मेदार संचार और विश्वव्यापी संवाद की आवश्यकता को समझने का अवसर भी है।

भारत में टेलीविजन प्रसारण की शुरुआत 15 सितंबर 1959 को दिल्ली से प्रायोगिक रूप में हुई थी। उस समय टेलीविजन प्रसारण का उद्देश्य शिक्षा और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना था। प्रारंभिक दौर में प्रसारण सीमित समय के लिए होता था और टेलीविजन सेट भी बहुत कम घरों में उपलब्ध थे। वर्ष 1972 में मुंबई में टेलीविजन केंद्र स्थापित हुआ।

इसके बाद धीरे-धीरे देश के अन्य शहरों में भी प्रसारण का विस्तार हुआ। वर्ष 1975-76 में उपग्रह अनुदेशात्मक टेलीविजन प्रयोग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक शैक्षिक कार्यक्रम पहुंचाने का प्रयास किया गया। 1982 में भारत में रंगीन टेलीविजन प्रसारण की शुरुआत हुई। इसी वर्ष एशियाई खेलों का रंगीन प्रसारण देश के लिए एक नया अनुभव बना। दूरदर्शन ने समाचार, कृषि दर्शन, चित्रहार, रामायण और महाभारत जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय जनजीवन में विशेष स्थान बनाया।

बाद में निजी समाचार और मनोरंजन चैनलों के आगमन ने प्रसारण जगत में नई प्रतिस्पर्धा पैदा की। टेलीविजन केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम भी है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान, इतिहास, भूगोल, साहित्य और सामान्य ज्ञान से संबंधित जानकारियां मिलती हैं। शैक्षिक कार्यक्रमों ने उन क्षेत्रों तक भी ज्ञान पहुंचाया है, जहां आधुनिक शिक्षण सुविधाएं सीमित हैं। कृषि प्रधान भारत में किसानों के लिए मौसम, फसल, उन्नत बीज, सिंचाई, खाद और कृषि तकनीक से संबंधित कार्यक्रम उपयोगी सिद्ध हुए हैं। स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण, बाल अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ और नशामुक्ति जैसे विषयों पर प्रसारित कार्यक्रमों ने समाज में जागरूकता बढ़ाने में योगदान दिया है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में टेलीविजन समाचार माध्यम की महत्वपूर्ण भूमिका है। संसद की कार्यवाही, चुनाव, सरकारी नीतियां, राजनीतिक गतिविधियां, प्राकृतिक आपदाएं और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने में इसकी भूमिका उल्लेखनीय है। यह जनता और शासन के बीच संवाद का माध्यम भी बनता है। टेलीविजन पर होने वाली चर्चाएं विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक मुद्दों को सामने लाती हैं।

खोजी पत्रकारिता के माध्यम से भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही और जनसमस्याओं को उजागर किया जाता है। हालांकि समाचारों की विश्वसनीयता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी घटना की पुष्टि किए बिना उसे प्रसारित करना या सनसनी फैलाना पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

समाधान दिवस में पुलिस विभाग की कुर्सियां खाली, 52 शिकायतों में एक का भी निस्तारण नहीं

● अफसरों की गैरमौजूदगी से फरियादी मायूस, अधीनस्थों को भेजकर जिम्मेदारी से बचते रहे विभागीय अधिकारी

यूथ इंडिया, करनैलगंज (गोण्डा)

तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को अधिकारियों की लापरवाही खुलकर सामने आई। फरियादियों की समस्याएं सुनने के लिए आयोजित इस व्यवस्था में पुलिस विभाग का एक भी अधिकारी नहीं पहुंचा। विभाग की कुर्सियां खाली पड़ी रहीं और शिकायतकर्ता अपनी समस्याएं लेकर इंतजार करते रहे। यही नहीं, कई महत्वपूर्ण विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों ने खुद उपस्थित होने के बजाय अधीनस्थ कर्मचारियों को भेजकर औपचारिकता पूरी कर ली। ऐसे में समाधान दिवस फरियादियों की समस्याओं के समाधान के बजाय महज खानापूर्ति बनकर रह गया।

एसडीएम बृजेश वर्मा ने अधिकारियों की इस कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अनुपस्थित अधिकारियों के स्थान पर पहुंचे कर्मचारियों से हस्ताक्षर कराए और स्पष्ट चेतावनी दी कि अगली बार समाधान दिवस में संबंधित विभागों के अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर शिकायतों की सुनवाई करेंगे। सुनवाई के दौरान एसडीएम ने खंड शिक्षा अधिकारी कटरा बाजार को कई बार बुलाया, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। यह स्थिति अधिकारियों की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करती रही।

समाधान दिवस में कुल 52 शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। एसडीएम के साथ नायब तहसीलदार रियाज अहमद, बीडीओ परसपुर रामलखन वर्मा, कटरा बाजार की आकांक्षा और हलधरमऊ के देव नायक सिंह मौजूद रहे।

पत्रकार गुरुबचन शर्मा की पत्नी का निधन, पत्रकार जगत में शोक

गोण्डा। फैजाबाद से प्रकाशित एक समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार गुरुबचन शर्मा की पत्नी उर्मिला देवी का शुक्रवार, 20 नवंबर को मेडिकल कॉलेज गोंडा में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह श्वास संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पत्रकार जगत और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।शनिवार को परिजनों ने परशुरामपुर स्थित निज निवास के समीप उनका अंतिम संस्कार किया।

योगी की मां के निधन पर मनकापुर में शोकसभा, नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

● हिंदू युवा वाहिनी पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं के साथ दिवंगत सावित्री देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर व्यक्त की शोक संवेदना

यूथ इंडिया, गोण्डा



मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन पर मनकापुर में हिंदू युवा वाहिनी की ओर से श्रद्धांजलि एवं शोकसभा आयोजित की गई। संगठन के आनंद सिंह के नेतृत्व में आयोजित सभा में पहुंचे लोगों ने दिवंगत पुण्यात्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखकर शोक संवेदना व्यक्त की।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि मां का स्नेह, आशीर्वाद और वात्सल्य जीवन की सबसे अनमोल धरोहर है। मां का बिछुड़ना ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। इस कठिन समय में सभी की संवेदनाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके शोकाकुल परिवार के साथ हैं। उपस्थित लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा मुख्यमंत्री और उनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर हिंदू युवा वाहिनी के ब्लॉक अध्यक्ष गिरजेश कसौंधन, अमरनाथ गुप्ता, आदित्य गुप्ता, नगर प्रभारी, नगर अध्यक्ष गणेश गुप्ता, विशाल सोनी, इंद्रसेन जायसवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अजय राय को भाजपा का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर, दी बधाई

● संगठन को मजबूत करने में रहा है अहम योगदान, कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय हैं अजय राय

यूथ इंडिया, दुदही, कुशीनगर



भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कुशीनगर के पूर्व जिलाध्यक्ष अजय राय को पार्टी का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष और उत्साह का माहौल है। उनके मनोनयन की खबर मिलते ही पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताया।

इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा दुदही के मंडल अध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अंजेश भारती, महामंत्री राजेंद्र सिंह, जितेंद्र गुप्ता, दीपक मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपराज खरवार, बलवंत सिंह, पिंकी शर्मा, नीलू वर्णवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अजय राय को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि अजय राय ने कुशीनगर में जिलाध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर मेहनत की। उनकी कार्यशैली, सरल स्वभाव और कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण ने उन्हें संगठन में एक अलग पहचान दिलाई है। वह केवल पद के लिए नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में साथ खड़े रहने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं।

कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि अजय राय को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष की नई जिम्मेदारी मिलने से पार्टी संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी तथा आगामी दिनों में भाजपा का जनाधार और अधिक मजबूत होगा।

मिनी मैराथन के बालक वर्ग में निखिल व बालिका वर्ग में आंचल ने मारी बाजी

यूथ इंडिया, कुशीनगर



कुशीनगर महोत्सव के सातवें दिन शनिवार को पूर्व डीजीपी स्व. बाबूलाल यादव की स्मृति में आयोजित 13 वीं जिला स्तरीय मिनी मैराथन प्रतियोगिता के बालक वर्ग में निखिल यादव व बालिका वर्ग में आंचल यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। बालक वर्ग में आकाश सिंह द्वितीय और मृत्युंजय यादव तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार बालिका वर्ग में निर्जला ने दूसरा और प्रियंका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बालक वर्ग की मैराथन का शुभारंभ किसान पीजी कालेज बनरहा से हुआ। जबकि बालिका वर्ग की दौड़ फतेह मेमोरियल इंटरमीडिएट कालेज से शुरू हुई। दोनों वर्गों के प्रतिभागियों के लिए तमकुहीराज स्थित रामलीला मैदान में फिनिश लाइन निर्धारित की गई थी। निर्धारित दूरी तय कर बालक वर्ग के 87 और बालिका वर्ग के 32 प्रतिभागी फिनिश लाइन तक पहुंचे। प्रतियोगिता के समापन पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः पांच हजार, तीन हजार और दो हजार रुपये नगद तथा खेल निदेशक का हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त दोनों वर्गों में 24वें स्थान तक पहुंचने वाले प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि अवकाश प्राप्त डिप्टी कमिश्नर ग्राम्य विकास बीके मोहन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता उन्हें उचित अवसर और मंच उपलब्ध कराने की है।

खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की भावना विकसित करती हैं। विशिष्ट अतिथि उप निदेशक कृषि यतींद्र सिंह ने कहा कि खेलों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजनों से उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ आगे बढ़ने का उत्साह भी पैदा होता है।

निर्धारित से अधिक संख्या में हुई भर्तियों पर सी एम ओ ऑफिस जांच करने पहुंचे एडी

यूथ इंडिया, गोण्डा



स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्सिंग के जरिए की गई भर्तियों में अनियमितताओं का मामला सुर्खियों में आने के बाद विभागीय जांच तेज हो गई है। स्वीकृत 69 पदों के सापेक्ष अधिक नियुक्तियां किए जाने के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा डॉ. संतोष कुमार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच टीम सीएमओ कार्यालय पहुंची। टीम ने दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक करीब 10 घंटे छानबीन की। इस दौरान सीएमओ समेत चार लोगों के बयान दर्ज किए गए और भर्ती से संबंधित समस्त रिकॉर्ड सील कर कब्जे में ले लिया गया।

आरोप है कि सीएमओ कार्यालय में निर्धारित स्वीकृत पदों को दरकिनार कर उससे अधिक लोगों की नियुक्तियां कर दी गईं। मामले में महानिदेशक स्वास्थ्य ने गुरुवार देर शाम अपर निदेशक डॉ. संतोष कुमार को गोंडा पहुंचकर जांच करने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद गठित टीम ने बंद कमरे में सीएमओ डॉ. संतलाल पटेल सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की।

जांच के दौरान सफाई कर्मचारी, चौकीदार, एनएचएम और ब्लड बैंक सहित विभिन्न पदों पर हुई भर्तियों के अभिलेखों की पड़ताल की गई। अब सवाल यह है कि जब स्वीकृत पद 69 थे तो उनसे अधिक नियुक्तियां किसके आदेश पर और किन परिस्थितियों में की गईं।अपर निदेशक डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि जांच टीम ने भर्ती से जुड़े सभी अभिलेख सील कर कब्जे में ले लिए हैं। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट महानिदेशक स्वास्थ्य को सौंपी जाएगी। सोमवार तक जांच रिपोर्ट आने की संभावना है।

संपूर्ण समाधान दिवस में एडीएम अरविंद कुमार ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर परशुरामपुरी



जलालाबाद तहसील सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अरविंद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों को अधिकारियों के समक्ष रखा। एडीएम ने एक-एक कर शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान एडीएम अरविंद कुमार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित न रहे, बल्कि संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच करें और पीड़ित को न्याय दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

समाधान दिवस में मुख्य रूप से राजस्व, पुलिस, विकास एवं विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें जमीन पर अवैध कब्जे, भूमि की पैमाइश, पारिवारिक विवाद और जल निकासी जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। एडीएम ने गंभीर मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जांच और आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार ने स्व-गणना एवं आगामी जनगणना के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने लोगों को जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने तथा स्व-गणना के माध्यम से सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जागरूक किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी जनगणना कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

डीजे की आवाज को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, चार आरोपी गिरफ्तार

● जन्मदिन कार्यक्रम में कहासुनी के बाद हुई मारपीट, पिता की मौत से गांव में मचा हड़कंप

यूथ इंडिया, हरदोई



कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम महुईपुरी में जन्मदिन कार्यक्रम के दौरान दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। मारपीट में घायल एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, 20 नवंबर 2026 की रात डायल-112 पर गांव महुईपुरी में दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि एक पक्ष के शेखरन उर्फ गुड्डू पुत्र मोतीलाल और दूसरे पक्ष के राजकिशोर पुत्र लल्लन के बीच कार्यक्रम के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी।

इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। घटना में शेखरन उर्फ गुड्डू, रोहित पुत्र गुड्डू और ज्ञानो पत्नी गुड्डू घायल हो गए। तीनों को उपचार के लिए 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय हरदोई ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने शेखरन उर्फ गुड्डू को मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने मु0अ0सं0 565/26 के तहत धारा 3(5)/105/115(2)/352 बीएनएस में पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजकिशोर, सोमपाल, प्रेमपाल पुत्रगण लल्लन निवासी महुईपुरी तथा मुनालाल पुत्र दरबारीलाल निवासी ग्राम मोहम्मदपुर, थाना राजेपुर, जनपद फर्रुखाबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चार अदद डंडे भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, शेष आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

खेतूई बालाजी मंदिर में बेकाबू हाथी का खूनी हमला, महंत के बड़े भाई की मौत

● सूंड से उठाकर जमीन पर पटका, फिर पैरों से कुचला, ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

● हाथी के पूर्व में भी हमलावर होने की चर्चाओं से उठे सुरक्षा इंतजामों पर सवाल

यूथ इंडिया, हरदोई



खेतूई स्थित बालाजी मंदिर परिसर में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में बेकाबू हाथी ने महंत के बड़े भाई राम सिंह उर्फ कल्लू (50) पर जानलेवा हमला कर दिया। हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल राम सिंह की मौत हो गई। घटना के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर राम सिंह मंदिर परिसर में मौजूद थे। इसी दौरान अचानक हाथी आक्रामक हो गया और उसने उन पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि हाथी ने पहले अपनी सूंड से राम सिंह को उठाकर जमीन पर पटक दिया। इसके बाद उन्हें पैरों से कुचल दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। परिजन आनन-फानन में घायल राम सिंह को लेकर ट्रामा सेंटर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया और मंदिर परिसर में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि संबंधित हाथी पूर्व में भी कई लोगों पर हमला कर चुका है।

हालांकि, इन घटनाओं की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। घटना ने मंदिर परिसर में हाथी की देखरेख, नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने मामले की जांच कर हाथी को नियंत्रित रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाने की मांग उठाई है।

800 बीघा सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप, पांच साल से न्याय की आस में ग्रामीण

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर



कलान तहसील क्षेत्र के शाहपुर गांव में सरकारी और ग्रामीणों की जमीन पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने रकबा उमरपुर की करीब 800 बीघा सरकारी भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा है। उनका कहना है कि पिछले पांच वर्षों से कब्जा हटवाने के लिए राजस्व अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई।

ग्रामीणों के मुताबिक बंजर, नवीन परती, पुरानी परती और चारागाह की जमीन पर कब्जे के कारण आवागमन के रास्ते बंद हो गए हैं। हालात यह हैं कि गांव में किसी की मृत्यु होने पर शव को गंगा तट तक ले जाने के लिए एक किलोमीटर की दूरी के बजाय करीब 10 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। साथ ही पशुओं के लिए चारागाह की समस्या भी बनी हुई है।

शिकायत में भगवानदास, रामदास, कन्हई, ब्रजपाल, सूरजपाल समेत 12 ग्रामीणों ने बलराम सिंह उर्फ बबलू, आदेश सिंह, अरमान सिंह और शोभित सिंह सहित अन्य लोगों पर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम से निष्पक्ष पैमाइश कराकर सरकारी और निजी जमीन को कब्जामुक्त कराने तथा आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि भूमाफियाओं पर शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई तो वे तहसील परिसर में भूख हड़ताल करेंगे। वहीं लेखपाल रुस्मान अली ने बताया कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है। जल्द ही टीम गठित कर जांच कराई जाएगी और नियमानुसार कार्यवाही भी की जाएगी।

विशेष अभियान दिवस पर डीएम और एसपी ने किया बूथों का निरीक्षण

यूथ इंडिया, हरदोई



भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पाण्डेय तथा पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने विकासखंड बावन क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भिठारी और उच्च प्राथमिक विद्यालय भिठारी स्थित मतदान बूथों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बूथों पर चल रही गतिविधियों और मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिए कि मतदाता सूचियों का गंभीरता से परीक्षण करें और उनमें पाई जाने वाली त्रुटियों का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ निर्धारित समय पर अपने बूथों पर उपस्थित रहें, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही सुपरवाइजर और संबंधित अधिकारियों को लगातार भ्रमणशील रहकर बूथों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 17 नवंबर 2026 को कराया जा चुका है। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। इस अवधि में चार विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। मतदान केंद्रों पर स्थापित हेल्प डेस्क के माध्यम से मतदाताओं को आवेदन भरने में सहायता मिलेगी। नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6, नाम हटवाने के लिए फार्म-7 तथा संशोधन के लिए फार्म-8 उपलब्ध रहेंगे।

डीएम ने मतदाताओं से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। नाम शामिल न होने पर बीएलओ के पास फार्म-6 जमा करें अथवा https://voters.eci.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करें। किसी भी सहायता के लिए जिला हेल्प डेस्क के टोल फ्री नंबर 05852-234407 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वच्छ भारत अभियान को पलीता लगा रही खंडहर गांव की बदहाल सफाई व्यवस्था

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर, परशुरामपुरी

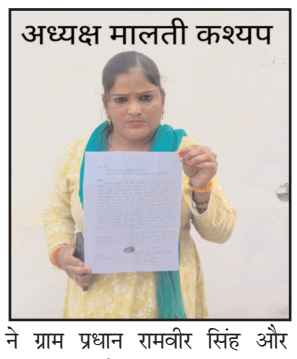

जलालाबाद सरकार स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों को साफ-सुथरा बनाने का प्रयास कर रही है, लेकिन ग्राम खंडहर की बदहाल सफाई व्यवस्था अभियान की हकीकत पर सवाल खड़े कर रही है। गांव की गलियों और नालियों में गंदगी जमा होने से ग्रामीणों को संक्रामक बीमारियां फैलने का डर सता रहा है।

शनिवार, 21 नवंबर को तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) की महिला जिलाध्यक्ष मालती कश्यप निवासी ग्राम खंडहर ने ग्राम प्रधान रामवीर सिंह और सफाईकर्मी के खिलाफ शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपा।

मालती कश्यप ने आरोप लगाया कि गांव में लंबे समय से नियमित सफाई नहीं हो रही है। सफाई कराने की बात कहने पर सफाईकर्मी ने कथित तौर पर गलियों और नालियों की सफाई करने से इनकार कर दिया। वहीं, ग्राम प्रधान से शिकायत करने पर उन्होंने सफाईकर्मी के अपने अधीन न होने की बात कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

महिला जिलाध्यक्ष ने प्रशासन से गांव की गलियों और नालियों की तत्काल सफाई कराने तथा लापरवाही के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर कब तक संज्ञान लेकर ग्रामीणों को गंदगी से निजात दिलाता है।

तिलहर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस, 40 शिकायतों में पांच का मौके पर निस्तारण

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर



शनिवार को तहसील तिलहर में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 40 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें पांच का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शेष शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ने चाहिए।

चकमार्ग से जुड़े मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों को मौके पर जाकर कार्यवाही करने तथा बिजली संबंधी शिकायतों का निर्धारित समय में समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को शिकायतकर्ता की मौजूदगी में मौके पर जांच और निस्तारण कर जीपीएस लोकेशन सहित फोटो उपलब्ध कराने को कहा।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी ऋषिपाल सिंह, एसडीएम तिलहर आदित्य कुमार श्रीवास्तव, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

24 घंटे में पलट गई सुलह की कहानी! हेड कांस्टेबल पर 40 हजार मांगने का आरोप

यूथ इंडिया, कुशीनगर

थाने में विवाद सुलझाने के नाम पर कथित वसूली और फिर मुकदमा दर्ज करने का मामला सामने के बाद एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। मामला तरयासुजान थाना क्षेत्र के अहिरौलीदान का है, जहां दो पक्षों के बीच 15 नवंबर को लिखित सुलहनामा होने के बावजूद अगले ही दिन 16 नवंबर को एफआईआर दर्ज कर दी गई। शिकायतकर्ता ने हल्का नंबर चार में तैनात हेड कांस्टेबल आशुतोष पांडेय पर मामले को निपटाने के एवज में 40 हजार रुपये मांगने का गंभीर आरोप लगाया है।

शिकायतकर्ता पक्ष का दावा है कि पुलिसकर्मी की कथित मांग पूरी नहीं होने पर पहले से दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। इस पूरे प्रकरण में करीब साढ़े चार मिनट की एक कथित व्हाट्सऐप कॉल रिकॉर्डिंग भी सामने आई है। वायरल रिकॉर्डिंग को लेकर दावा किया जा रहा है कि बातचीत में पैसों के लेन-देन, पुलिसिया कार्रवाई और पत्रकारों के संदर्भ में आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब दोनों पक्षों के बीच 15 नवंबर को लिखित समझौता हो गया था, तो उसके अगले ही दिन एफआईआर दर्ज करने की नौबत क्यों आई? क्या सुलहनामे के बावजूद मुकदमा दर्ज करने के पीछे कोई नया तथ्य या कानूनी आधार था, अथवा शिकायतकर्ता पक्ष के लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई है? इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आ सकेगा।

संपूर्ण समाधान दिवस में एक घंटे में सुधारी खतौनी की त्रुटि, दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बनवाया

- कालपी तहसील में डीएम ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, 43 शिकायतों में पांच का मौके पर निस्तारण

यूथ इंडिया। कालपी (जालौन)



तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी समीर और पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अधिकारियों ने 43 शिकायतें दर्ज कीं, जिनमें पांच का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए, जिससे फरियादियों को वास्तविक राहत मिल सके।

समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए कुछ शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई कराई। मोहल्ला जुनेदपुर निवासी एकतार ने दिव्यांग प्रमाण पत्र न बन पाने की समस्या रखी। इस पर डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए, जिसके बाद मौके पर ही दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर शिकायतकर्ता को उपलब्ध करा दिया गया।

इसी तरह राम सजीवन ने खतौनी में नाम की त्रुटि की शिकायत करते हुए बताया कि उनके नाम राम सजीवन के स्थान पर राम जीवन दर्ज हो गया है। जिलाधिकारी ने तहसीलदार को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। इसके बाद महज एक घंटे के भीतर खतौनी में नाम दुरुस्त कर संशोधित खतौनी शिकायतकर्ता को उपलब्ध करा दी गई।

वहीं उदलपुरा निवासी तारा देवी ने बताया कि विद्युत विभाग की ओर से उन्हें दो वर्षों से बिजली का बिल नहीं दिया जा रहा है। इससे वह समय पर बिल जमा नहीं कर पा रही हैं। इस पर डीएम ने अधिशासी अभियंता विद्युत को तत्काल बिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

साथ ही संबंधित एसडीओ को फटकार लगाते हुए तुरंत कार्यालय भेजा और बिजली बिल की प्रति शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराने को कहा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि फरियादी को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए और निर्धारित समयसीमा में उसका गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027: सिटी मजिस्ट्रेट व एसडीएम सदर ने किया बूथों का निरीक्षण

यूथ इंडिया। बहराइच



समृद्धि न्यूज़ विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत 286-बहराइच विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची को शुद्ध व त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से सिटी मजिस्ट्रेट बहराइच राजेश प्रसाद व उप जिलाधिकारी सदर/ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मोनालिसा जौहरी द्वारा विभिन्न मतदेय स्थलों/ बूथों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बूथों पर तैनात बीएलओ की उपस्थिति की जांच की तथा मतदाता सूची से संबंधित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बीएलओ से प्राप्त फॉर्म-6, 7 व 8 की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

इस अवसर पर अधिकारियों ने बीएलओ को निर्देशित किया कि वे घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करें। अर्हता तिथि 01.01.2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी पात्र युवाओं का नाम फॉर्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से जुड़वाया जाए। साथ ही मृतक, स्थानान्तरित एवं डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम फॉर्म-7 के माध्यम से सूची से हटाए जाएं तथा नाम, पता, फोटो आदि में त्रुटि होने पर फॉर्म-8 से सुधार कराया जाए।

अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि फॉर्म-6, 7 व 8 का निस्तारण समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने बूथों पर मतदाताओं के लिए पेयजल, शौचालय, रैम्प, बिजली व बैठने की व्यवस्था सहित अन्य न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की भी जांच की और कमियों को शीघ्र दूर कराने के निर्देश दिए।

अंत में सिटी मजिस्ट्रेट व एसडीएम ने सभी बीएलओ व सुपरवाइजरों से अपील की कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान को पूरी गंभीरता से लें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रह जाए और आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 निष्पक्ष व सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

साइबर ठगों ने मुख्य आरक्षी को बनाया शिकार, एक लाख से ज्यादा की ठगी

यूथ इंडिया। जरवलरोड बहराइच

जनपद के जरवल रोड थाने में तैनात मुख्य आरक्षी रणजीत सिंह अज्ञात साइबर अपराधियों के शिकार हो गए हैं। साइबर ठग ने उनके दो बैंक खातों से कुल 1,01,284 रुपये अनधिकृत रूप से निकाल लिए हैं। पीड़ित मुख्य आरक्षी रणजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय रामदास सिंह मूल रूप से ग्राम व पोस्ट गाहासाड़, नगर पंचायत सहजनवा, थाना गीडा, जनपद गोरखपुर के निवासी हैं। तथा वर्तमान में थाना जरवल रोड, जनपद बहराइच में मुख्य आरक्षी के पद पर कार्यरत हैं।

जानकारी के अनुसार, 6 नवंबर 2026 को उनके भारतीय स्टेट बैंक से 74,300 रुपये तथा बैंक ऑफ बड़ौदा से 26,984 रुपये निकाले गए, जिससे दोनों खातों से कुल 1,01,284 रुपये की साइबर ठगी हुई। लेन-देन का संदेश मोबाइल पर प्राप्त होने के बाद पीड़ित ने बताया कि उन्होंने किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ कोई ओटीपी, पासवर्ड, यूपीआई पिन या अन्य गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा नहीं की थी। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने संबंधित बैंकों को सूचित कर खाते ब्लॉक कराए और साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

होमगार्ड पद पर चयनित लवकुश तिवारी को समाजसेवी पी.के.तिवारी ने किया सम्मानित

शुकुलबाजार अमेठी। जनपद के प्रतिष्ठित विद्यालयों में शुमार शुकुलबाजार स्थित सेंटजान इंटर कॉलेज में कार्यरत शिक्षक लवकुश तिवारी निवासी गंगापुर, हैदरगढ़ जनपद बाराबंकी का होमगार्ड पद पर चयन होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है उनकी इस सफलता पर परिजनों,शुभचिंतकों एवं परिचितों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं देने का सिलसिला लगातार जारी है इसी क्रम में कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि. के प्रबंधक एवं समाजसेवी पी.के. तिवारी ने सेंटजान इंटर कॉलेज पहुंचकर चयनित लवकुश तिवारी को पटुका पहनाकर तथा भगवान श्रीकृष्ण जी की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया।

कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों का एडीएम ने किया निरीक्षण, सुरक्षा के दिए निर्देश

यूथ इंडिया। सिरौलीगौसपुर-बाराबंकी



अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व निरंकार सिंह ने कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा, साफ-सफाई, बैरीकेडिंग और पार्किंग स्थलों का जायजा लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए।शनिवार दोपहर एडीएम के साथ एसडीएम अनिल कुमार सरोज, तहसीलदार वीर बहादुर सिंह, बदोसरांय कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राम अवतार सरोज और मेला कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

अधिकारियों ने कोटवाधाम मेला परिसर, अघहरण सरोवर और श्री समर्थ साहेब जगजीवन दास बड़े बाबा के मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा देखी। अधिकारियों ने श्री समर्थ साहेब जगजीवन दास बड़े बाबा की ड्योढ़ी पर माथा टेका।

इसके बाद एडीएम ने पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान राजकुमार तिवारी, भोलादास, फलाहारी बाबा और पूर्व प्रधान साहेब प्रसाद यादव भी मौजूद रहे।निरंकार सिंह ने बताया कि मंदिर परिसर, अघहरण सरोवर, मेला परिसर और पार्किंग स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

मेला कोतवाली से खोया-पाया केंद्र चलाया जाएगा और मेले में आने वालों की सुरक्षा के लिए खास इंतजाम किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए पीएसी जवान, थानों के इंस्पेक्टर, उपनिरीक्षक, होमगार्ड जवान, चैकीदार और वॉलिंटियर तैनात किए जाएंगे। पूरे मेले पर निगरानी रखी जाएगी।एसडीएम अनिल कुमार सरोज ने बताया कि 23 और 24 नवंबर को मेले में लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मेले के दौरान नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य विभाग का कैंप रहेगा और एंबुलेंस भी मौजूद रहेगी।प्रभारी निरीक्षक राम अवतार सरोज ने बताया कि पुलिस पूरे मेला परिसर में ड्यूटी पर रहेगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 143 जोड़ों का विवाह संपन्न

यूथ इंडिया। अमेठी



उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शनिवार, 21 नवंबर 2026 को गौरीगंज स्थित पीयूष मैरिज लॉन में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुल 143 पात्र जोड़ों का विवाह उनकी धार्मिक मान्यताओं एवं परंपराओं के अनुरूप विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इनमें 137 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से तथा 6 जोड़ों का निकाह मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह ने नवविवाहित जोड़ों को सुखद, समृद्ध एवं खुशहाल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने नवदंपतियों को विवाह प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश सरकार बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी में परिवारों के साथ सहभागी बनकर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख शाहगढ़ सदाशिव यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया तथा उनके सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी राम नगीना यादव ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र जोड़े के विवाह पर कुल एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है। इसमें गृहस्थी की स्थापना के लिए 64 हजार रुपये की धनराशि कन्या के बैंक खाते में सीधे डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है।

इसके अतिरिक्त 21 हजार रुपये की उपहार सामग्री प्रदान की जाती है, जबकि 15 हजार रुपये समारोह के आयोजन पर व्यय किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को बेटियों के विवाह के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना तथा विवाह के कारण परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना है।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील कैसरगंज में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

यूथ इंडिया। बहराइच।



जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु प्रत्येक माह के प्रथम और तीसरे शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में तहसील कैसरगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, उप जिलाधिकारी अमन देयोल, पीडी डीआरडीए मनीष कुमार, डीडीओ राज कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी व अन्य अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए।

डीएम श्री पाण्डेय ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाये। डीएम ने कहा कि निस्तारण की कार्यवाही इस प्रकार की जाय कि फरियादी निस्तारण की कार्यवाही से संतुष्ट हो सके। डीएम ने निर्देशित किया जनसुनवाई में आने वाले सभी गरीब, ज़रूरतमन्द तथा असहाय लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाये तथा उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं से लाभान्वित करें।

साथ ही प्राप्त जनशिकायतों के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मौके पर जाकर शिकायतों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए तथा नियमानुसार एवं समयबद्ध ढंग से उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

नगर पंचायत में डीजल खपत और स्वागत गेट को लेकर सभासद ने उठाए सवाल

यूथ इंडिया। हैदरगढ़-बाराबंकी



नगर पंचायत हैदरगढ़ में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर भाजपा के मनोनीत सभासद अजय तिवारी (नन्हे) ने अधिकारियों के सामने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने तहसील दिवस के अवसर पर संबंधित अधिकारियों को दो अलग-अलग शिकायती पत्र सौंपकर नगर पंचायत में डीजल खपत के नाम पर कथित वित्तीय अनियमितता और नवनिर्मित स्वागत गेट पर जनप्रतिनिधियों के नाम अंकित न किए जाने का मामला उठाया है। सभासद ने दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पहले शिकायती पत्र में सभासद ने आरोप लगाया है कि नगर पंचायत में सफाई वाहनों, जनरेटरों एवं जलकल की गाड़ियों के नाम पर कागजों में फर्जी डीजल खपत दर्शाकर भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उनका कहना है कि फर्जी बिल तैयार कर सरकारी धन का गबन किया जा रहा है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तहसील दिवस के अवसर पर एक निष्पक्ष जांच कमेटी गठित करने की मांग की है। साथ ही पिछले एक वर्ष के डीजल आवंटन, खर्च के अभिलेखों, लॉगबुक और संबंधित वाहनों की भौतिक स्थिति का मिलान कराकर वास्तविकता सामने लाने की मांग की है।

वहीं दूसरे शिकायती पत्र में सभासद ने नगर पंचायत हैदरगढ़ द्वारा नवनिर्मित स्वागत गेट पर उत्तर प्रदेश सरकार, भारतीय जनता पार्टी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मनोनीत सभासद का नाम अंकित नहीं किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वागत गेट पर आवश्यक एवं संबंधित जनप्रतिनिधियों के नामों को नजरअंदाज किया गया है। सभासद ने इसे अमर्यादित और प्रशासनिक प्रक्रिया के विपरीत बताते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

उन्होंने मांग की है कि जांच पूरी होने तक स्वागत गेट के निर्माण एवं संबंधित कार्यों का भुगतान तत्काल प्रभाव से रोका जाए। साथ ही यह भी जांच की जाए कि नाम अंकित नहीं किए जाने के पीछे किसकी भूमिका रही है और इसके लिए नगर पंचायत अध्यक्ष, संबंधित ठेकेदार तथा जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर चला विशेष अभियान

यूथ इंडिया। अमेठी



भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर संचालित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत शनिवार को जनपद अमेठी के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। अभियान के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने निर्धारित मतदेय स्थलों पर उपस्थित रहे और मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए पात्र नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए।

विशेष अभियान के दौरान नए मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल कराने के लिए फार्म-6, मतदाता सूची से नाम अपमार्जित कराने अथवा आपत्ति दर्ज कराने के लिए फार्म-7 तथा नाम, पता, आयु, फोटो एवं अन्य विवरणों में संशोधन कराने के लिए फार्म-8 भरवाए गए। इसके साथ ही बीएलओ ने उपस्थित नागरिकों को मतदाता सूची में नामों के सत्यापन तथा पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

विशेष अभियान दिवस के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी धीरज श्रीवास्तव ने जनपद के विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित बीएलओ से अभियान की प्रगति की जानकारी ली तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं अन्य प्रक्रियाओं के लिए प्राप्त किए जा रहे आवेदनों की स्थिति का जायजा लिया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में बूथों पर दिखी सक्रियता, एडीएम ने किया निरीक्षण

यूथ इंडिया। सिरौलीगौसपुर-बाराबंकी



भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर शनिवार को तहसील सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के सभी बूथों पर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का अभियान चला। बीएलओ सुबह 10 बजे से बूथों पर मौजूद रहे और मतदाताओं के फार्म भरवाए।बदोसराय के जनता इंटर कॉलेज बूथ पर मतदाताओं के नाम जांचे गए।

नाम छूटने पर फार्म भरवाए गए और नाम, पता व अन्य त्रुटियों को ठीक किया गया। एसडीएम अनिल कुमार सरोज ने बताया कि 1 जनवरी 2027 को 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवा, जिनका नाम सूची में नहीं है, फार्म-6 भरकर बीएलओ को दें।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व निरंकार सिंह ने कोटवाधाम पोलिंग बूथ का निरीक्षण किया।

उनके साथ एसडीएम अनिल कुमार सरोज और तहसीलदार वीर बहादुर सिंह मौजूद रहे। बूथ संख्या 428 की बीएलओ स्नेह लता और 429 की बीएलओ रुचि मिश्रा मौजूद मिलीं। एडीएम ने फार्म 6, 7, 8 की संख्या देखी और रजिस्टर सही ढंग से रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई पात्र मतदाता छूटे नहीं और फार्मों का निपटारा समय पर हो। बदोसराय बूथ पर बीएलओ मेहर आलम, रीतेश मौर्य, अंजलि मौर्य, दिलीप मौर्य, पूनम वर्मा और आदिल मुबीन मौजूद रहे।

मतदाता सूची में नाम जांचें, 18 वर्ष पूरा करने वाले युवा भरें फार्म-6

- डीएम ने कालपी के विभिन्न बूथों का किया निरीक्षण, बीएलओ को दिए आवश्यक निर्देश

यूथ इंडिया। उरई (जालौन)



विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी समीर ने कालपी के विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति परखी। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। साथ ही लोगों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपना नाम, फोटो और पते का मिलान अवश्य कर लें।

जिलाधिकारी ने नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज कालपी में बूथ संख्या 315 से 320, एमएस इंटर कॉलेज में बूथ संख्या 323 से 328 तथा आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज में बूथ संख्या 306 से 310 तक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ की उपस्थिति, आलेख्य मतदाता सूची की उपलब्धता और मतदाताओं को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने बताया कि विशेष अभियान दिवस 21 व 22 नवंबर तथा 28 व 29 नवंबर को निर्धारित किए गए हैं। इन दिनों सभी मतदेय स्थलों पर सुबह 10 से शाम चार बजे तक बीएलओ मौजूद रहेंगे। मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए फार्म-6, नाम हटाने अथवा आपत्ति के लिए फार्म-7 और नाम, पता सहित अन्य विवरणों में संशोधन के लिए फार्म-8 भर सकते हैं।

हवाई हमले का सायरन बजते ही होगा ब्लैकआउट, पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल आज

- शाम छह बजे से होगा अभ्यास, निर्धारित समय तक बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

यूथ इंडिया। उरई (जालौन)



हवाई हमले और ब्लैकआउट जैसी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए रविवार को पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। शाम छह बजे होने वाले इस अभ्यास के दौरान हवाई हमले की चेतावनी का सायरन बजाया जाएगा। इसके बाद निर्धारित अवधि के लिए विद्युत आपूर्ति बंद कर ब्लैकआउट का अभ्यास किया जाएगा। शनिवार को जिलाधिकारी समीर ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

डीएम ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में नागरिक सुरक्षा और राहत-बचाव व्यवस्था की तैयारियों को परखना है। अभ्यास के दौरान नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, आग बुझाने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रदर्शन करेंगे।

पुलिस विभाग सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था संभालेगा, जबकि अग्निशमन विभाग आग बुझाने और स्वास्थ्य विभाग घायलों को प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया का अभ्यास करेगा।

जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की कि सायरन बजने और बिजली आपूर्ति बंद होने पर घबराएं नहीं। यह प्रशासन की ओर से पूर्व निर्धारित अभ्यास है। ब्लैकआउट के दौरान लिफ्ट का प्रयोग बिल्कुल न करें और आवश्यक सावधानियां बरतें। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शत्रुहन पाठक, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पोलियो की दो बूंद से सुरक्षित होगा बचपन, जागरूकता रैली निकाली

- विधायक और डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, रविवार को 1188 बूथों पर पिलाई जाएगी खुराक

यूथ इंडिया। उरई (जालौन)



राष्ट्रीय पल्स पोलियो महाअभियान के तहत शनिवार को जिला पुरुष चिकित्सालय से जनजागरूकता रैली निकाली गई। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी समीर, पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत और मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली के माध्यम से लोगों को रविवार 22 नवंबर को बूथ दिवस पर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने के लिए जागरूक किया गया।

रैली जिला पुरुष चिकित्सालय से शुरू होकर शहीद भगत सिंह चौराहे से होते हुए वापस अस्पताल पहुंचकर संपन्न हुई। इसमें प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, आशा कार्यकत्रियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक अपने शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी बूथ पर ले जाकर दवा जरूर पिलाएं। साथ ही आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

जिलाधिकारी समीर ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित भविष्य हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान में कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रहे। इसके लिए सभी लोग सहयोग करें। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उमेश कुमार ने समाजसेवियों और धर्मगुरुओं से भी अभियान में भागीदारी करने की अपील की।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि जनपद में अभियान के तहत 1188 बूथ और 590 टीमें गठित की गई हैं। इनके माध्यम से शून्य से पांच वर्ष तक के 2,16,833 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर सीएमओ डॉ. हरिनंदन प्रसाद, एसीएमओ डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. एपी वर्मा, डॉ. अरविंद भूषण, डॉ. अनिल राज, डॉ. एसके पाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जमीन के विवाद में 70 वर्षीय बुजुर्ग की ईंट-पत्थरों से कूंचकर हत्या

● चचेरे भाई और भतीजे पर आरोप

यूथ इंडिया, सुल्तानपुर

कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के इमिलिया कलां गांव में जमीन संबंधी विवाद को लेकर एक बुजुर्ग की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 70 वर्षीय सत्यनारायण पाल की ईंट-पत्थरों से कूंचकर हत्या किए जाने का आरोप है। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की छानबीन शुरू कर दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बुजुर्ग सत्यनारायण पाल का अपने ही परिवार के लोगों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि जमीन के लालच में उनके चचेरे भाई और भतीजे ने उन पर हमला कर दिया। हमले में ईंट-पत्थरों से कूंचे जाने के कारण उनकी मौत हो गई। हालांकि, घटना की वास्तविक परिस्थितियों और हत्या में आरोपितों की भूमिका की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल मच गई।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल शुरू की। मृतक की पहचान 70 वर्षीय सत्यनारायण पाल के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी नगर राघवेंद्र सिंह ने 21 नवंबर 2026 को जानकारी देते हुए पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई और पूरे प्रकरण के बारे में अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्र के इमिलिया कलां गांव में हुई घटना को लेकर पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

जमीन के विवाद में बुजुर्ग की मौत से गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या के पीछे की वास्तविक वजह, घटना में शामिल लोगों की भूमिका और अन्य पहलुओं का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध गंभीर रूप से घायल

● प्राथमिक उपचार के बाद दर्शन नगर किया गया रेफर

यूथ इंडिया, बल्दीराय/सुलतानपुर



थाना हलियापुर क्षेत्र के हलियापुर-कूड़ेभार मार्ग पर पूरे चुड़िहार के पास शनिवार सुबह 9.30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल की पहचान साबित अली उर्फ लल्ली (पुत्र आबिद अली), उम्र 60 वर्ष निवासी पूरे चुड़िहार, थाना हलियापुर के रूप में हुई है।

साबित अली गांव में ही मार्ग पर स्थित अपनी दुकान से मोटर सायकिल से घर आ रहा था वही हलियापुर की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसकी मोटर सायकिल में जोरदार टक्कर मार दी जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल वृद्ध को तत्काल सौ शैय्या अस्पताल पिठला, कुमारगंज पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए दर्शन नगर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाले वाहन घटना कारित के बाद फरार हो गया पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर वाहन का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

थानाध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव ने बताया अभी तक घायल के परिजनो की तरफ से घटना की तहरीर नही मिली है अज्ञात वाहन की तलाश साक्ष्य के आधार पर की जा रही है।

तेज रफ्तार कार ने बुलेट में मारी टक्कर किशोर समेत दो गंभीर रूप से घायल



यूथ इंडिया, सुलतानपुर

अखण्डनगर-कादीपुर मार्ग पर शनिवार सुबह करीब 11 बजे तेज रफ्तार कार ने बुलेट मोटरसाइकिल में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी हादसे में बाइक सवार रामजीत यादव (45) पुत्र राम केवल निवासी उमरी और अंकुर यादव (13) पुत्र सुरेश कुमार यादव गंभीर रूप से घायल हो गए कार की टक्कर से बुलेट संख्या सवार दोनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी अखण्डनगर पहुंचाया गया।

चिकित्सक डॉ. विष्णु स्वरूप यादव ने प्राथमिक उपचार के बाद अंकुर की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल अम्बेडकरनगर रेफर कर दिया सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर थाने लाया गया हैं तहरीर मिलने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस की टक्कर से दर्दनाक हादसा, एक की मौत, दो घायल

● मृतक का बेटा गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर, सलेमपुर में जाम के कारण घायलों को अस्पताल पहुंचाने में हुई देरी

यूथ इंडिया, सलेमपुर, देवरिया



कोतवाली क्षेत्र के सन्हौली के पास रोडवेज बस की टक्कर से दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन लोग घायल हो गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल अरुण प्रसाद (55) की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं, उनके बेटे साधु की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर कर दिया। तीसरे घायल नरसिंह ठाकुर (65) का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर में चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मजूरी खुर्द निवासी अरुण प्रसाद पुत्र राम आधार प्रसाद अपने बेटे साधु के साथ मोटरसाइकिल से किसी कार्य से सलेमपुर आ रहे थे। इसी दौरान मटियारा निवासी नरसिंह ठाकुर पुत्र स्वामीनाथ भी मोटरसाइकिल से आ रहे थे। सन्हौली के पास अचानक एक रोडवेज बस ने पहले नरसिंह ठाकुर की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। इसके बाद अरुण प्रसाद की मोटरसाइकिल को भी जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों लोग घायल हो गए।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने निजी साधनों से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान अरुण प्रसाद की मौत हो गई। उनके बेटे साधु की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर कर दिया, जबकि नरसिंह ठाकुर का उपचार जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक जाम की स्थिति बनी रहने के कारण घायलों को समय से अस्पताल पहुंचाने में काफी परेशानी हुई। लोगों के मुताबिक, सड़क पर जाम के चलते कीमती समय बर्बाद हुआ। इस हादसे ने सलेमपुर की यातायात व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डीएम व एसपी ने तहसील बदलापुर सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी जनसमस्याएं

यूथ इंडिया, जौनपुर



जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह की उपस्थिति में तहसील बदलापुर सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनका गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्राम सहनपुर थाना रामपुर तहसील मड़ियाहूँ के निवासी विजय सिंह ने अवैध अतिक्रमण व पक्के निर्माण के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जिसपर जिलाधिकारी ने प्रकरण की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार अजय कुमार सोनी निवासी केरारकोट पोस्ट सदर जौनपुर द्वारा जमीन कब्जा के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी ने मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में भूमि विवाद, पैमाइश, अतिक्रमण, राजस्व तथा अन्य विभागों से संबंधित विभिन्न शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पूर्ण पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने पाए।

उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व संबंधी मामलों में संयुक्त रूप से मौके पर जाकर जांच करें तथा विवादित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही आईजीआरएस एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण किया जाए तथा न्यायालयों के आदेशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कराया जाए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 81 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 09 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 गंगाराम गौतम, उपजिलाधिकारी बदलापुर, तहसीलदार, सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमएलसी डॉ रतन पाल सिंह ने किया भूमि पूजन

● एमएलसी डॉ रतन पाल सिंह ने किया भूमि पूजन

यूथ इंडिया, रुद्रपुर देवरिया



उप नगर के नशहरा वार्ड अंतर्गत पत्जीवा निवासी रामायण शुक्ला द्वारा शनिवार को विवाह घर निर्माण हेतु आयोजित कार्यक्रम के भूमि पूजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि एम.एलसी डॉ रतन पाल सिंह ने किया। इस दौरान पूजा-अर्चन के साथ सभी के सुख-समृद्धि एवं मंगलमय भविष्य की कामना की गई। एम.एलसी ने वार्ता में बताया कि नगर व क्षेत्र में इस तरह के निजी फैसले जनहित में लोक कल्याणकारी व ऐतिहासिक होते है।

उन्होने श्री शुक्ला जी के द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों व उनके व्यक्तित्वों की सराहना की तथा साथ ही अपने सहयोग व सेवा भाव की उत्कृष्टता भी जाहिर की। इस दौरान अमित शुक्ला, अभिषेक शुक्ला, जैकी शुक्ला, अधिवक्ता सुधांशु मौली ओझा, भास्कर शुक्ला,एम एलसी प्रतिनिधि महेश मणि, पत्रकार सुरेंद्र देव मिश्र, नंद किशोर गांधी, विकास त्रिपाठी,सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

यूजीसी समाधान मोर्चा का हुआ गठन

यूथ इंडिया, जौनपुर



कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एक रेस्टोरेंट में स्थानीय नागरिकों एवं अधिवक्ताओं ने यूजीसी द्वारा प्रस्तावित यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके दौरान सभी सहभागियों ने अपने विचार रखे और इस प्रस्तावित रेगुलेशन का सर्व सम्मति से विरोध किया गया तथा इसके विरोध में एक निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया।

इस अवसर पर यह सुनिश्चित किया गया कि इस नियम को वापस लेने के लिए एक अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए एक संगठन बनाना आवश्यक है। यह संगठन अपनी मांगों को लेकर शांति पूर्ण तरीके से लगातार संघर्ष जारी रखेगा। आज की बैठक में संगठन की मूल इकाई का निर्माण करते हुए संगठन का नाम यूजीसी समाधान मोर्चा रखा गया।

इस दौरान धर्म रक्षा आंदोलन के संयोजक चंद्र मणि पांडेय को मोर्चा का अध्यक्ष चुना गया। अन्य पदाधिकारियों में महामंत्री योगेश कुमार द्विवेदी एड., उपाध्यक्ष राम नगीना यादव, कोषाध्यक्ष सूर्य भूषण तिवारी एड,, एवं सचिव शैलेन्द्र कुमार प्रजापति को चुना गया। अंत में सार्वजनिक रूप से यह निर्णय लिया गया कि यह संविधान विरोधी एवं समाज विरोधी कानून खत्म होने तक लड़ाई लड़ी जाएगी। जब तक यह कानून वापस नहीं होगा तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

भाजपा के जिला मीडिया सह-प्रभारी बने नीरज



जौनपुर (जफराबाद)। क्षेत्र के शाहबड़ेपुर गाँव निवासी नीरज कुमार मिश्रा को भाजपा मछ्लीशहर जिला सगठन में मीडिया सह प्रभारी बनाया गया पार्टी ने उन्हें जिला स्तर पर यह जिम्मेदारी सौंपी है आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के।बीच भाजपा संघठन में पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी जा रही है जिला संगठन में उनकी भूमिका पार्टी की गतिविधियों और नीतियों को मीडिया के माध्यम से लोगो तक पहचाने की होगी नीरज ने कहा पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे नीरज को पार्टी में नियुक्ति पर स्थनीय कार्यकर्ता सहित स्थनीय भाजपा मंडल अध्यक्ष रजनीश चौबे ,अरबिंद सिंह, मनीष मिश्रा, कमलेश प्रजापति, विपिन विश्वकर्मा, आयुष जायसवाल, सन्तोष उपाध्याय, ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

भटनी पहुंचते अफरोज खान का जोरदार स्वागत जगह जगह फूल-मालाओं से हुआ अभिनंदन

● रेलवे स्टेशन से आवास तक निकला जनसंपर्क अभियान गांधी चौक पर समर्थकों ने किया भव्य स्वागत

यूथ इंडिया, भटनी, देवरिया



रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र से आजाद पार्टी और एआईएमआईएम के संयुक्त प्रत्याशी अफरोज खान के भटनी नगर पंचायत में प्रथम आगमन पर समर्थकों और स्थानीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया। उनके पहुंचते ही समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। गांधी चौक पर फूल-मालाओं से लादकर उनका अभिनंदन किया गया। अफरोज खान सुपुत्र मरहूम अलाउद्दीन खान देवरिया रेलवे स्टेशन से भटनी पहुंचे।

इसके बाद सुभाष चौक, मालवीय रोड, भीखमपुर रोड, बैकुंठपुर, रामपुर और नूरीगंज होते हुए अपने आवास तक जनसंपर्क किया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं। गांधी चौक पर आयोजित स्वागत के दौरान समर्थकों की अच्छी खासी मौजूदगी रही। पूरे मार्ग में लोगों के उत्साह और स्वागत से उनका काफिला चर्चा का विषय बना रहा।

इस अवसर पर डॉ. विद्याशंकर प्रसाद, वसीम अहमद, राजू पासवान, महेंद्र भारती, डॉ. अमजद खान उर्फ तम्मना, राहुल आजाद, ईश्वरचंद्र विश्वकर्मा, अशरफ अंसारी, राजू मद्धेशिया, सोहेल, अनिल कुमार, अंश कुमार, विवेक गुप्ता, कृष्ण वर्मा, चंद्रिका मद्धेशिया, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, कृष्ण गुप्ता, भोला गुप्ता, अरबाज, नूर आलम और मुन्ना गुप्ता सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

विजय संकल्प रैली को सफल बनाने के लिए जगह-जगह नुक्कड़ सभा आयोजित

यूथ इंडिया, हंडिया, प्रयागराज



आगामी 29 नवंबर को प्रयागराज मे अपना दल एस द्वारा आयोजित होने वाली विजय संकल्प रैली को सफल बनाने के लिए नेताओं द्वारा जगह-जगह नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया ।

प्रतापपुर विधानसभा के खानपुर डांडी, बरियारी, आरा कलां, बलीपुर, महुआ कोठी, ज्वालापुर आदि गांवों में चौपाल बैठक आयोजित की गई। मुख्य अतिथि पार्टी के इंजीनियर के के सिंह पटेल राष्ट्रीय महासचिव मोजूद रहें। नुक्कड़ सभा में उन्होंने भारी संख्या में लोगों से कार्यक्रम में चलने की अपील किया। कहां कि अपना दल एस ही सर्व समाज का विकल्प है। इसी प्रकार नुक्कड़ सभा में डॉक्टर के के सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष चिकित्सा मंच व 257 प्रतापपुर विधानसभा के आवेदक प्रत्याशी जो दिन-रात क्षेत्र में निकल कर लोगों से विजय संकल्प रैली में चलने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में पहुंच कर मुख्य अतिथि पार्टी की मुखिया केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के विचारों को जरूर सुने।

साथ ही साथ उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जायें। क्योंकि अगला सीएम दीदी अनुप्रिया को बनाना है।नुक्कड़ सभा में श्याम राज पटेल राष्ट्रीय सचिव किसान मंच, भानु प्रताप पटेल जिलाध्यक्ष, धर्मराज पटेल विधानसभा अध्यक्ष प्रतापपुर, विनोद कुमार मौर्य, शमशेर कुमार पटेल समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रामलीला मंचन सम्पन्न दशहरा मेला धूमधाम से मनाया गया



यूथ इंडिया, फूलपुर, प्रयागराज

फूलपुर के पाली गांव में बाल रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित सात दिवसीय रामलीला का मंचन शानदार ढंग से शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ। दशहरा मेला बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूरे गांव तथा आसपास के लोगों ने दशहरा मेला को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। रामलीला मंचन के माध्यम से लोगों को भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया जा रहा है।

आयोजन बाल रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा एवं निर्देशक शंकर सिंह के नेतृत्व में कराया किया गया। सात दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह दिखाई दिया ।इस दौरान ग्राम प्रशासक राकेश कुमार यादव सहित कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों का रामलीला मंचन में सराहनीय योगदान रहा।

ट्रक से मोरम उतारते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया मजदूर, झुलसकर मौत

यूथ इंडिया, कमालगंज



थाना क्षेत्र के नसरतपुर गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में मजदूर की जान चली गई। ट्रक से मोरम उतारने के दौरान वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार मृतक जितेंद्र, इंशाल्लाह की दुकान पर काम करता था। शनिवार को वह ट्रक से मोरम उतार रहा था। इसी दौरान उसका संपर्क 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से हो गया। तेज करंट की चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलस गया।

घटना के बाद परिजन आनन-फानन में उसे एंबुलेंस से कमालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए।

मृतक के चाचा ओमचंद ने बताया कि जितेंद्र चार भाइयों और तीन बहनों में से एक था। उसकी दो बहनें चांदनी और पूनम विवाहित हैं।

सूचना मिलने पर कमालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना अध्यक्ष दीपक त्रिवेदी ने बताया कि मजदूर की मौत करंट लगने से हुई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बस की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत, परिवार में मचा कोहराम

यूथ इंडिया, नवाबगंज



मंझना मार्ग पर शनिवार शाम करीब छह बजे बस की चपेट में आने से बाइक सवार हरिनाथ सिंह (50) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब वह बाजार से सब्जी खरीदकर बाइक से घर लौट रहे थे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए बस की पहचान करने में जुटी है।

हरिनाथ सिंह पुत्र मेवाराम बालाजी फिलिंग स्टेशन से करीब 100 मीटर आगे बस को ओवरटेक कर रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिरकर बस के नीचे आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और परिजन भी पहुंच गए।

सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार और कस्बा प्रभारी गीतम सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटाई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस बालाजी फिलिंग स्टेशन और मुख्य चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बस की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

हरिनाथ खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी शांति देवी, तीन बेटे रितेश, आलोक और अभिषेक तथा चार बेटियां सभ्यता, सुनीता, सरिता और कोमल हैं। उनके तीन भाई रामनाथ, नन्हेलाल और राजवीर भी घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

चार पहिया वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, भाई की हालत गंभीर

नैनी। अरैल बांध रोड पर बीते 18 नवंबर की शाम चार पहिया वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में घायल अमन विश्वकर्मा (पुत्र मुरारी लाल विश्वकर्मा) की शुक्रवार की रात स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसके भाई विकास विश्वकर्मा का इलाज अभी चल रहा है। जानकारी के अनुसार, अमन और विकास विश्वकर्मा मूल रूप से ज्ञानपुर, भदोही के निवासी हैं और वर्तमान में नैनी के खरकौनी में रहते हैं। बीते 18 नवंबर की शाम दोनों भाई मोटरसाइकिल से अरैल बांध रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक चार पहिया वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची नैनी पुलिस ने दोनों को तत्काल इलाज के लिए स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया था। शुक्रवार की रात अमन ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, भाई विकास अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, दो मिठाई दुकानों से लिए नमूने

यूथ इंडिया, कायमगंज/फर्रुखाबाद

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर मिल रही शिकायतों के बाद शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कायमगंज नगर में मिठाई की दुकानों पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी जावेद अख्तर ने दो अलग-अलग मिठाई की दुकानों से खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। विभाग की इस कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में हलचल देखने को मिली।

जानकारी के अनुसार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जावेद अख्तर ने मोहल्ला काजिम खां स्थित तहसील रोड पर श्योराज स्वीट्स की दुकान से बर्फी का नमूना जांच के लिए लिया। वहीं मोहल्ला पृथ्वी दरवाजा स्थित जयशंकर स्वीट्स से बेसन के लड्डू का नमूना संग्रहित किया गया। दोनों दुकानों से लिए गए नमूनों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी जावेद अख्तर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। खाद्य कारोबारियों को निर्धारित मानकों और नियमों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से समय-समय पर दुकानों की जांच की जाती रहेगी और अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि दोनों नमूनों की प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उसके आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और आमजन को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है।

पीएम मोदी के दौरे पर लखनऊ में 10 घंटे रहा ट्रैफिक डायवर्जन, शहीदपथ समेत कई प्रमुख रास्तों पर रही रोक

यूथ इंडिया, लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को राजधानी लखनऊ आगमन को लेकर यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। प्रधानमंत्री के दौरे और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए शहर में दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। इस दौरान शहीद पथ समेत गोमतीनगर, कमता, पॉलीटेक्निक और अहिमामऊ क्षेत्र के कई प्रमुख रास्तों पर सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। ऐसे में घर से निकलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमौसी एयरपोर्ट से सड़क मार्ग के जरिए गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचेंगे। यहां वह पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। उनके आवागमन के दौरान एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। इसी को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर के कई प्रमुख चौराहों और मार्गों पर डायवर्जन लागू



किया है। आम लोगों को दोपहर से रात तक शहीद पथ और आसपास के रास्तों पर अनावश्यक आवागमन से बचने की सलाह दी गई है।

गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के आसपास यातायात व्यवस्था में विशेष बदलाव किया गया है। डिगडिगा चौराहा, निर्माण निगम तिराहा, पिकप ओवरब्रिज, कठौता चौराहा और बैंक ऑफ इंडिया तिराहे से प्रतिष्ठान की ओर सामान्य वाहनों को जाने की अनुमति नहीं होगी। इन रास्तों से आने वाले वाहन पिकप तिराहा, पॉलीटेक्निक, चिनहट और हुसेड़िया की ओर से अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। वहीं, प्रतिष्ठान के आसपास की सर्विस रोड पर भी आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

कमता और पॉलीटेक्निक क्षेत्र में भी यातायात प्रभावित रहेगा। कमता शहीद पथ तिराहे से विराज टावर होते हुए विजयीपुर अंडरपास तक सर्विस रोड और शहीद पथ पर सामान्य वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। अयोध्या और बाराबंकी की तरफ से आने वाली बसें तथा बड़े वाहन इंदिरा नहर पुल से कमता की ओर नहीं जा सकेंगे। इन्हें किसान पथ और चिनहट होकर जाना होगा। वहीं, पॉलीटेक्निक से लोहिया पथ के रास्ते हजरतगंज जाने वाले वाहन भूतनाथ, बादशाहनगर और निशातगंज होकर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

शहीद पथ के कई प्रमुख अंडरपास और कटों पर भी वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। अय्यपा अंडरपास, हुसेड़िया, मलेशेमऊ, नीलमथा, जीडी गोयनका, लुलु मॉल, मेदांता और अंसल की ओर से शहीद पथ पर चढ़ने की अनुमति नहीं होगी। इन क्षेत्रों से आने वाले वाहन हुसेड़िया अंडरपास, हनीमैन चौराहा, ग्वारी चौराहा, दयाल पैराडाइज, डीपीएस कट और पिपराघाट के रास्ते निकल सकेंगे। इससे शहीद पथ पर यातायात का दबाव कम रखने का प्रयास किया जाएगा।

कानपुर और उन्नाव की ओर से आने वाले वाहनों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। इन क्षेत्रों से आने वाली बसें, व्यावसायिक वाहन और बड़े वाहन शहीद पथ पर नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहनों को दरोगाखेड़ा किसान पथ अंडरपास और किसान पथ की ओर डायवर्ट किया जाएगा। स्कूटर इंडिया और नादरगंज की तरफ से आने वाले भारी वाहनों पर भी प्रतिबंध रहेगा।

अहिमामऊ और पीजीआई क्षेत्र में भी यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। सुल्तानपुर रोड और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर से आने वाले बड़े वाहन कबीरपुर किसान पथ अंडरपास से अहिमामऊ की तरफ नहीं जा सकेंगे। इन्हें किसान पथ के रास्ते आगे बढ़ना होगा। वहीं, रायबरेली रोड की ओर से आने वाले वाहनों को भी निर्धारित वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करना होगा।

यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर महिला विस्तारक उतारेगी भाजपा, आठ राज्यों से पहुंचीं कार्यकर्ता

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने महिला मोर्चा के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क अभियान की योजना बनाई है। इसके तहत प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में आठ राज्यों से आईं 403 महिला विस्तारकों को प्रवास पर भेजा जाएगा। ये विस्तारक क्षेत्र में रहकर घर-घर संपर्क करेंगी और केंद्र तथा प्रदेश सरकार की उपलब्धियों के साथ महिला सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएंगी।

लखनऊ के विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में आयोजित प्रदेश प्रवासी कार्यशाला में इन महिला विस्तारकों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति, संगठन की मजबूती और महिला मतदाताओं के बीच जनसंपर्क बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। विस्तारकों को उनके प्रवास के दौरान किए जाने वाले कार्यों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों के बारे



में मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस दौरान शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की गई।

कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह तथा राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने महिला विस्तारकों को संबोधित किया। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने भी कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

विनोद तावड़े ने कहा कि महिला विस्तारकों को घर-घर जाकर मतदाताओं से सीधा संवाद करना चाहिए। उन्हें केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों तथा महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचानी है। उन्होंने संगठन से अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने और बूथ स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत करने पर जोर दिया। उनके मुताबिक, महिला विस्तारकों का प्रवास जनसंपर्क बढ़ाने और संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि विधानसभा चुनाव केवल राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि संगठन की सामूहिक शक्ति, जनविश्वास और जनसंपर्क का अभियान है। इसमें महिला शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से संगठन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने और बूथ स्तर पर सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

भाजपा महिला मोर्चा की इस पहल के तहत आठ राज्यों से आईं 403 महिला विस्तारकों को प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा सीट तक पहुंचाने की योजना है। पार्टी का जोर महिला कार्यकर्ताओं के जरिए स्थानीय स्तर पर संपर्क बढ़ाने, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचने और संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने पर है। आने वाले समय में इन विस्तारकों का क्षेत्रीय प्रवास चुनावी तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

बैंक लॉकर से एक करोड़ के सोने के जेवर गायब, इंडियन बैंक की सिटी शाखा में हड़कंप

यूथ इंडिया, लखनऊ

राजधानी के चौक इलाके में स्थित इंडियन बैंक की सिटी शाखा के लॉकर से करीब एक करोड़ रुपये कीमत के सोने के जेवर गायब होने का मामला सामने आया है। लॉकर में रखे जेवर गायब मिलने से बैंक में हड़कंप मच गया। राजस्थान में तैनात मेडिकल अफसर डॉ. रवि प्रकाश दीक्षित की पत्नी गीता गुरुवार को बैंक पहुंचीं और अपना लॉकर खोला तो उसमें रखा स्टील का बॉक्स गायब मिला। बताया जा रहा है कि बॉक्स में करीब एक करोड़ रुपये कीमत के सोने के आभूषण रखे हुए थे।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस से की। इसके बाद पुलिस ने बैंक पहुंचकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच के लिए डीवीआर (डिजिटल



वीडियो रिकॉर्डर) को कब्जे में लिया गया है। पुलिस बैंक के लॉकर रूम और आसपास की गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, गीता गुरुवार को अपने लॉकर में रखे सामान को देखने के लिए बैंक पहुंची थीं। लॉकर खोलने पर उसमें रखा स्टील का बॉक्स नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने बैंक अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। बॉक्स में रखे सोने के जेवर गायब होने की बात सामने आने पर परिवार के लोगों ने पुलिस से शिकायत की।

पुलिस अब बैंक में आने-जाने वाले लोगों, लॉकर संचालन से जुड़े रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि लॉकर से बॉक्स कब और किन परिस्थितियों में गायब हुआ। बैंक लॉकर में रखे कीमती जेवरों के गायब होने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

लखनऊ में तीन सुरक्षा गार्डों का अपहरण, सिक्योरिटी एजेंसी संचालक समेत चार गिरफ्तार

यूथ इंडिया, लखनऊ

महानगर क्षेत्र की गीता कुंज सोसाइटी से सुरक्षा गार्ड के अपहरण के मामले में पुलिस ने सिक्योरिटी एजेंसी संचालक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने तीन सुरक्षा गार्डों को शहर के अलग-अलग इलाकों से अगवा कर जानकीपुरम में बंधक बना लिया था। पुलिस ने छापेमारी कर तीनों गार्डों को सकुशल मुक्त करा लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपनी एजेंसी में पहले काम कर चुके तेज बहादुर और पूर्व सुपरवाइजर प्रवीण कुमार की तलाश कर रहे थे। दोनों से बकाया रकम के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में जानकारी हासिल करने के लिए आरोपियों ने तीनों गार्डों को अगवा किया था। उनसे मनचाही जानकारी नहीं मिलने पर आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।



पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर शनिवार सुबह रामराम बैंक चौराहे के पास कार सवार चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी पहचान राहुल कुमार वर्मा, विश्वनाथ सिंह, दीपक वर्मा और देशराज के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी सबसे पहले विज्ञानपुरी स्थित गीता कुंज कॉलोनी पहुंचे। वहां ड्यूटी कर रहे सुरक्षा गार्ड आशीष सिंह से उन्होंने तेज बहादुर और प्रवीण कुमार के बारे में पूछताछ की। आशीष के पास दोनों के बारे में जानकारी नहीं होने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जबरन कार में बैठाकर अगवा कर लिया।

इसके बाद आरोपियों ने समृद्धि अपार्टमेंट, रामराम बैंक चौराहे से सुरेंद्र कुमार मिश्रा और ताड़ीखाना रोड पर शादाब इलेक्ट्रॉनिक्स के पास से भूपेंद्र शुक्ला को भी अगवा कर लिया। तीनों गार्डों को जानकीपुरम में लक्ष्मण मंडपम के पास आईकॉन अस्पताल के नजदीक स्थित एक कमरे में बंधक बनाकर रखा गया था।

दमा की बीमारी से परेशान बुजुर्ग की मौत, पारा की नव मानक नगर कालौनी में हुई घटना

यूथ इंडिया, लखनऊ

राजधानी के पारा इलाके में शनिवार दोपहर एक दुखद घटना सामने आई। लंबे समय से दमा की बीमारी से परेशान 56 वर्षीय प्रदीप भटनागर की मौत हो गई। वह बीमारी के चलते काफी समय से परेशान चल रहे थे। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, मूल रूप से मुरादाबाद निवासी प्रदीप भटनागर अविवाहित थे। वह अपने भांजे कृष्ण मोहन श्रीवास्तव के साथ पारा के बाबू बलखंडी प्रधान मार्ग स्थित नव मानक नगर कॉलोनी में रहते थे। उनके भांजे पेशे से अधिवक्ता हैं। बताया गया कि प्रदीप लंबे समय से दमा की बीमारी से पीड़ित थे और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण उनकी स्थिति



प्रभावित थी।

शनिवार दोपहर घर में मौजूद प्रदीप के साथ हुई घटना के बाद आसपास के लोगों और परिवार में अफरा-तफरी मच गई। आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पारा पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मामले में पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मौसम का बड़ा यू-टर्न! चक्रवाती तूफान अकवन का दिखेगा असर, पूर्वांचल के कई जिलों में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान %अकवन% का असर प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 21 और 22 नवंबर को पूर्वांचल के कई जिलों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया गया है।

मौसम में अचानक बदलाव की संभावना को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। खासकर पूर्वांचल के उन इलाकों में सावधानी बरतने की जरूरत है, जहां आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने का खतरा बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, वाराणसी, गोरखपुर, बलिया, आजमगढ़ और गाजीपुर समेत आसपास के जिलों में बारिश हो



सकती है। इस दौरान कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान अकवन ने भी मौसम वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया है। उपलब्ध मौसम बुलेटिन के अनुसार, तूफान ने उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तट को गोपालपुर के पास पार किया। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे रही, जबकि कुछ झोंकों में गति 90 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। तट पार करने के बाद तूफान के कमजोर होकर गहरे अवदाब और फिर अवदाब में बदलने का अनुमान जताया गया।

इसी मौसमी गतिविधि के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी मौसम प्रभावित होने की संभावना है। हालांकि, इसका असर प्रदेश के सभी जिलों में एक जैसा नहीं रहेगा। पूर्वांचल में जहां बारिश और तेज हवाओं के आसार हैं, वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। राजधानी लखनऊ में फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है। यहां आसमान साफ से आंशिक रूप से साफ रह सकता है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, राजधानी का अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। अगले दो दिनों तक मौसम में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। वहीं, 23 नवंबर से राजधानी समेत प्रदेश के कई हिस्सों में ठंड बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इससे सुबह और रात के समय ठिठुरन बढ़ने की संभावना है। दिन और रात के तापमान में अंतर भी महसूस किया जा सकता है। मौसम में इस बदलाव का असर किसानों और आम लोगों की दिनचर्या पर भी पड़ सकता है। बारिश और तेज हवाओं की आशंका वाले क्षेत्रों में किसानों को मौसम का पूर्वानुमान देखकर कृषि कार्य करने की सलाह दी गई है।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में 6,300 छात्रों को मिली डिग्री, 295 मेधावियों को मेडल से किया सम्मानित, आयशा कुद्दुस बनीं यूनिवर्सिटी टॉपर

यूथ इंडिया, लखनऊ

राजधानी स्थित इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में शनिवार को 18वां दीक्षांत समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 6,300 छात्र-छात्राओं को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किए गए। वहीं, शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 295 मेधावियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। समारोह में छात्रों की उपलब्धियों और उनकी मेहनत का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इस दौरान आयशा कुद्दुस को यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। वहीं, एग्रीकल्चर की छात्रा प्रज्ञा को पहला फैकल्टी गोल्ड मेडल मिला। आर्किटेक्चर की काजल तिवारी ने भी गोल्ड मेडल हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। समारोह में विदेशी विद्यार्थियों ने भी मेडल प्राप्त किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. दिनेश सिंह रहे। वह केआर



मंगलम विश्वविद्यालय के चांसलर, जम्मू-कश्मीर राज्य उच्च शिक्षा परिषद के वाइस चेयरमैन और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हैं। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के चांसलर एवं संस्थापक प्रो. सैयद वसीम अख्तर ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को समझने और शिक्षा के माध्यम से समाज एवं देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 193 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। इसके अलावा 1,365 पोस्ट ग्रेजुएट और 3,055 अंडर ग्रेजुएट डिग्रियां दी गई। विभिन्न पाठ्यक्रमों के 186 विद्यार्थियों को डिप्लोमा भी प्रदान किए गए। वहीं, ऑनलाइन एजुकेशन के तहत 1,354 पोस्ट ग्रेजुएट और 147 अंडर ग्रेजुएट डिग्रियां वितरित की गई। इस तरह विश्वविद्यालय के विभिन्न नियमित और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को कुल 295 मेडल प्रदान किए गए। इनमें दो यूनिवर्सिटी टॉपर अवॉर्ड शामिल रहे। फैकल्टी स्तर पर 14 गोल्ड और 13 सिल्वर मेडल दिए गए, जबकि प्रोग्राम स्तर पर 120 गोल्ड और 109 सिल्वर मेडल से विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। ऑनलाइन एजुकेशन के विद्यार्थियों को भी 19 गोल्ड और 18 सिल्वर मेडल प्रदान किए गए।

इस दौरान आयशा कुद्दुस, प्रज्ञा और काजल तिवारी की उपलब्धियां विशेष आकर्षण रहीं। एग्रीकल्चर संकाय की प्रज्ञा को पहला फैकल्टी गोल्ड मेडल मिलने पर समारोह में विशेष सराहना की गई। वहीं, विदेशी विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने भी कार्यक्रम को खास बनाया। दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड लागू किया गया था। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों की मौजूदगी रही। विद्यार्थियों के लिए यह दिन उनकी शैक्षणिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में यादगार रहा।

13 साल बाद लोको पायलट शंटर की पदोन्नति का रास्ता साफ

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे में लोको पायलट शंटर प्रथम के पद पर पदोन्नति का लंबे समय से इंतजार कर रहे कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। एनई रेलवे मेंस कांग्रेस के प्रयासों के बाद करीब 13 वर्षों के अंतराल पर पदोन्नति का रास्ता साफ हुआ है। संगठन के अनुसार, वर्ष 2013 के बाद से इस पद पर पदोन्नति की मांग लंबित थी।

एनई रेलवे मेंस कांग्रेस ने इस मुद्दे को कर्मचारियों की प्रमुख मांग के रूप में उठाया था। संगठन की पहली पीएनएम और प्रेम बैठक में पदोन्नति से संबंधित एजेंडा अधिकारियों के सामने रखा गया। इस दौरान कर्मचारियों की समस्याओं और लंबे समय से अटकी पदोन्नति प्रक्रिया पर चर्चा की गई। संगठन के प्रयासों के बाद संबंधित अधिकारियों की ओर से पदोन्नति को लेकर आदेश जारी किया गया है।

क्वीन मेरी अस्पताल में अब तुरंत होगी एबीजी जांच, प्रसव पीड़ा कम करने के लिए शुरू हुई टीईएनएस तकनीक

यूथ इंडिया, लखनऊ

राजधानी के क्वीन मेरी अस्पताल में मरीजों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब गंभीर मरीजों की एबीजी (आर्टेरियल ब्लड गैस) जांच के नमूने दूसरे केंद्रों पर भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अस्पताल में ही जांच की सुविधा शुरू होने से मरीजों की गंभीर स्थिति का तत्काल आकलन किया जा सकेगा और समय रहते इलाज शुरू करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रसव पीड़ा कम करने के लिए टीईएनएस तकनीक भी शुरू की गई है। इस तकनीक के माध्यम से त्वचा पर इलेक्ट्रोड लगाकर हल्के विद्युत संकेत दिए जाते हैं, जिससे दर्द कम करने में मदद मिलती है। यह पहले से उपलब्ध



एपिड्यूरल सुविधा के अतिरिक्त विकल्प के रूप में काम करेगी।

इन सुविधाओं की जानकारी क्वीन मेरी अस्पताल की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल ने शुक्रवार को आयोजित 94वें स्थापना दिवस समारोह में दी। ब्राउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभाग की एक वर्ष की उपलब्धियों और मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि अस्पताल में गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से जूझ रही महिलाओं के इलाज को बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक सर्जरी तथा बांझपन के उपचार के लिए आईवीएफ सुविधाओं का विस्तार किया गया है।

अस्पताल में समय से पहले जन्म लेने वाले और कम वजन वाले नवजातों की बेहतर देखभाल के लिए विशेष कंगारू मदर केयर (केएमसी) वार्ड भी बनाया गया है। इससे नवजात शिशुओं को विशेष निगरानी और देखभाल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। अस्पताल प्रशासन का उद्देश्य माताओं और नवजातों को एक ही स्थान पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

डॉ. अंजू अग्रवाल के मुताबिक, जनवरी से अक्तूबर के बीच अस्पताल की ओपीडी में कुल 77,005 मरीजों को उपचार दिया गया। इस अवधि में 6,664 प्रसव कराए गए, जबकि 16,359 सर्जरी की गईं। गंभीर मरीजों के इलाज के मामले में भी अस्पताल ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

85.50 लाख का गांजा बरामद, बोलेरो पिकअप में 342 किलो गांजा लेकर जा रहा तस्कर गिरफ्तार

यूथ इंडिया, लखनऊ

यूपी एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का खुलासा करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में चित्रकूट जाने वाली सड़क पर एक बोलेरो पिकअप से 342 किलो गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की कीमत करीब 85.50 लाख रुपये बताई गई है। मौके से प्रयागराज निवासी रमेश कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया है।

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि तस्कर छत्तीसगढ़ के रायपुर से पिकअप में गांजे की खेप लेकर प्रयागराज आ रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने एसीपी बारा वेद व्यास मिश्रा की मौजूदगी में संदिग्ध पिकअप को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान



गाड़ी में रखे खाली प्लास्टिक कैरेट के नीचे गांजा बरामद हुआ।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी रमेश कुमार यादव ने बताया कि गिरोह छत्तीसगढ़ के रायपुर से गांजा लाकर प्रयागराज और आसपास के जिलों में ऊंचे दामों पर बेचता था। इस काम में पिकअप का मालिक श्याम बहादुर और मुकेश यादव भी शामिल बताए गए हैं। आरोपी के मुताबिक, वह मालिक के कहने पर पिकअप लेकर रायपुर गया था, जहां एक व्यक्ति ने गाड़ी में प्लास्टिक कैरेट के नीचे गांजे की खेप रखी थी। आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि तस्करी से होने वाला मुनाफा गिरोह के सदस्य आपस में बांटते थे। गांजे की खेप तय स्थान तक पहुंचाने के बदले उसे 20 हजार रुपये अलग से दिए जाते थे। एसटीएफ ने गांजे के अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो पिकअप और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

गिरफ्तार आरोपी रमेश कुमार यादव के खिलाफ शंकरगढ़ थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के खिलाफ वर्ष 2021 में झूंसी थाने में भी दो मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल स्थानीय पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। गिरोह के अन्य सदस्यों की भूमिका और तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

ढाईघाट कार्तिक मेले की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा, सुरक्षा में लापरवाही पर होगी कार्यवाही

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



शमशाबाद स्थित ढाई घाट पर 23 से 25 नवंबर तक आयोजित होने वाले कार्तिक मेले की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाट और मेला परिसर में की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में घाट पर पर्याप्त एवं मजबूत बैरीकेडिंग कराई जाए, ताकि स्नान के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। मेला परिसर और घाट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मेले में लगने वाले झूलों को लेकर डीएम ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि झूलों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की विधिवत जांच के बाद ही उन्हें लगाने की अनुमति दी जाए। बच्चों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने मेला परिसर में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और अस्थायी शौचालयों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही महिला श्रद्धालुओं की सुविधा एवं निजता को ध्यान में रखते हुए घाट के निकट सुरक्षित चेंजिंग रूम बनवाने को कहा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से मेला शुरू होने से पहले व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने पुलिस अधिकारियों को मेले में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा, जिससे श्रद्धालु शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में मेले में शामिल हो सकें।

डीएम ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार सिंह, एसडीएम कायमगंज अभिषेक वर्मा, क्षेत्राधिकारी कायमगंज अजय वर्मा, खण्ड विकास अधिकारी कायमगंज सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

टीवी मैकेनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

फर्रुखाबाद। जिले के कायमगंज में एक 55 वर्षीय टीवी मैकेनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद नियाज ने शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे चूहे मारने की दवा खा ली थी। उनकी हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बताया गया कि मोहम्मद नियाज कायमगंज के रहने वाले थे और टीवी मैकेनिक का काम करते थे। शुक्रवार दोपहर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर उन्हें लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। शुक्रवार रात करीब 10 बजे लोहिया अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में शोक का माहौल बन गया। फिलहाल घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मौत के कारणों और पूरे मामले की जानकारी के लिए पुलिस की जांच तथा अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का इंतजार है।

तहसील समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, 135 शिकायतों में 11 का मौके पर निस्तारण

यूथ इंडिया, कायमगंज



कायमगंज तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। कुल 135 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 11 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को महज औपचारिकता न समझें, बल्कि प्रत्येक मामले का स्थलीय सत्यापन कर वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान दिवस में खण्ड शिक्षा अधिकारी शमशाबाद के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने और वेतन रोकने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के समाधान से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

इस दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने तहसील परिसर में स्थापित ईवीएम एवं वीवीपैट प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मशीनों की क्रियाशीलता जांची और मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया की जानकारी देने की व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने कहा कि मतदाताओं को ईवीएम और वीवीपैट के प्रति जागरूक करना आवश्यक है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

इसके अलावा भारत की जनगणना 2027 के तहत चलाए जा रहे स्वगणना जागरूकता अभियान को बढ़ावा देने के लिए डीएम और एसपी ने तहसील परिसर में बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी ली। उन्होंने जनपदवासियों से स्वगणना अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समाधान दिवस में प्राप्त 135 शिकायतों में पुलिस विभाग की 45, राजस्व की 41, विद्युत की 13, विकास विभाग की 09, आपूर्ति विभाग की 02, नगर पालिका एवं नगर पंचायत की 03 तथा अन्य विभागों की 22 शिकायतें शामिल रहीं। इनमें से 11 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार सिंह, एसडीएम कायमगंज अभिषेक वर्मा, क्षेत्राधिकारी अजय वर्मा, तहसीलदार अरविंद कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व एमएलसी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, लाइसेंसी राइफल की रिपोर्ट न लगने का मामला उठा



यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

अमृतपुर थाना क्षेत्र के एक कस्बे में पूर्व एमएलसी प्रांशु द्विवेदी ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान खखिन गांव निवासी एक व्यक्ति ने लाइसेंसी राइफल से संबंधित कागजात पर पुलिस की रिपोर्ट न लगाए जाने की शिकायत की। उसने बताया कि वह इस काम के लिए कई बार थाने के चक्कर लगा चुका है, लेकिन अभी तक उसकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीण ने पूर्व एमएलसी को अपनी परेशानी बताते हुए पुलिस स्तर पर कार्रवाई कराने की मांग की। इस पर प्रांशु द्विवेदी ने संबंधित पुलिस अधिकारियों से बातचीत कराने और मामले में आवश्यक जानकारी लेकर समस्या के समाधान का प्रयास करने का भरोसा दिया। इस दौरान अन्य ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं। पूर्व एमएलसी ने सभी की शिकायतें सुनीं और संबंधित मामलों में उचित स्तर पर बात करने का आश्वासन दिया।

पुलिया के नीचे खंती में गिरी बाइक, युवक की मौके पर मौत, मचा कोहराम

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



मऊदरवाजा थाना क्षेत्र के नियामतपुर सरैया पुलिया के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गांव से फर्रुखाबाद आ रहे बाइक सवार युवक की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे खंती में जा गिरी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

मृतक की पहचान 33 वर्षीय रिशम शाक्य पुत्र लक्ष्मीनारायण साकेत निवासी ग्राम गुतासी, थाना मऊदरवाजा के रूप में हुई है। बताया गया कि रिशम शनिवार सुबह अपनी जावा मोटरसाइकिल से गांव से फर्रुखाबाद जा रहा था। इसी दौरान नियामतपुर सरैया पुलिया के पास अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और पुलिया से नीचे खंती में जा गिरी। हादसा इतना गंभीर था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

शनिवार सुबह करीब आठ बजे घटना की सूचना मिलने पर मऊदरवाजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की जानकारी जुटाई और शव को कब्जे में लिया। इसके बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई।

उधर, हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। युवक की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है।

लोहार परिवारों ने जेसीबी को लौटाया, फुटपाथ निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने पहुंची थी नगर पालिका की टीम

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



फतेहगढ़ में कैंट के सामने सड़क किनारे रह रहे लोहार परिवारों ने शनिवार को नगर पालिका की अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम का विरोध किया। टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची थी, लेकिन परिवारों के विरोध के बाद कार्रवाई नहीं हो सकी और जेसीबी को वापस लौटना पड़ा। लोहार परिवारों ने प्रशासन के सामने मांग रखी कि उन्हें पहले रहने के लिए जमीन उपलब्ध कराई जाए, उसके बाद ही वहां से हटाया जाए।

जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ में कैंट के सामने सड़क किनारे कई लोहार परिवार लंबे समय से रह रहे हैं। नगर पालिका की ओर से यहां फुटपाथ निर्माण कराया जाना है। इसी को लेकर शनिवार को नगर पालिका की टीम अतिक्रमण हटाने के लिए जेसीबी लेकर पहुंची। टीम की कार्रवाई की जानकारी मिलते ही मौके पर रह रहे परिवारों ने विरोध शुरू कर दिया।

परिवारों का कहना था कि वे लंबे समय से इसी स्थान पर रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। यदि उन्हें यहां से हटाया जाता है तो उनके सामने रहने की समस्या खड़ी हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन से पहले रहने के लिए उचित स्थान उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना था कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए उन्हें हटाना उचित नहीं है। विरोध के चलते नगर पालिका की टीम को मौके से जेसीबी वापस ले जानी पड़ी। फिलहाल फुटपाथ निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं हो सकी।

इस मामले में लोहार परिवारों की मांग और नगर पालिका की आगे की कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है। अब देखना होगा कि प्रशासन परिवारों के पुनर्वास और फुटपाथ निर्माण को लेकर क्या निर्णय लेता है।

28 नवंबर को होगी नवोदय प्रवेश परीक्षा, 9 केंद्रों पर 2,457 छात्र-छात्राएं देंगे परीक्षा

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश के लिए होने वाली चयन परीक्षा की तैयारियां पूरी की जा रही हैं। जिले में आगामी 28 नवंबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए कुल नौ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 2,457 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे।

प्रवेश परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। सभी नौ केंद्रों पर परीक्षा आयोजित कराने की व्यवस्था की गई है। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर अपने परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा।

नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश पाने के लिए बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है। इस परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। जिले में 2,457 परीक्षार्थियों के शामिल होने से परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। विद्यार्थियों और अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा से पहले अपने प्रवेश पत्र पर दर्ज केंद्र और अन्य जरूरी निर्देशों की जानकारी जरूर देख लें।

28 नवंबर को होने वाली इस परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह है। अब सभी परीक्षार्थियों की नजर प्रवेश परीक्षा के परिणाम और नवोदय विद्यालय में दाखिले पर रहेगी।

लखनऊ की टीम ने राजेपुर सीएचसी का किया औचक निरीक्षण, लेबर रूम से लेकर ओपीडी और स्टोर रूम तक व्यवस्थाएं परखी

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



स्वास्थ्य विभाग की लखनऊ से आई टीम ने शनिवार को राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का जायजा लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं की स्थिति परखी। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

टीम ने सबसे पहले सीएचसी परिसर का निरीक्षण किया। इसके बाद लेबर रूम, ओपीडी और स्टोर रूम का जायजा लिया। अधिकारियों ने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान टीम ने संबंधित कर्मचारियों से अलग-अलग विभागों की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल में व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने पर जोर दिया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल के सभी विभागों में नियमित साफ-सफाई कराई जाए और मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

टीम के औचक निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्यकर्मियों में सक्रियता देखने को मिली। निरीक्षण का उद्देश्य सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लेना बताया गया।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो भाई घायल, चालक फरार

यूथ इंडिया, शमसाबाद



थाना क्षेत्र में फैजबाग-शमशाबाद मार्ग पर पेट्रोल पंप के निकट कार और बाइक की टक्कर में दो सगे भाई घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायलों को परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल विशाल को फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पलिया निवासी सूरज पुत्र मुन्नालाल का छोटा भाई विशाल अपने पिता से मिलने दिल्ली गया हुआ था। बीते दिवस देर रात करीब 11 बजे विशाल दिल्ली से वापस फैजबाग पहुंचा और इसकी सूचना अपने बड़े भाई सूरज को दी। सूचना मिलने पर सूरज बाइक लेकर फैजबाग पहुंचा और छोटे भाई विशाल को साथ लेकर घर लौट रहा था। बताया जाता है कि फैजबाग-शमशाबाद मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप के निकट पहुंचते ही अचानक सामने से कार आ गई। कार से टक्कर होने के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों भाई सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

दुर्घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद ले गए। यहां चिकित्सकों ने उनका उपचार किया। विशाल की हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

सीएचसी के निरीक्षण में मिली अव्यवस्थाएं, शौचालय में गंदगी और लेबर रूप में छाया मिला अंधेरा

यूथ इंडिया, नवाबगंज



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नवाबगंज में स्वास्थ्य सुविधाओं और साफ-सफाई की व्यवस्था की हकीकत शनिवार को लखनऊ से आई स्टेट टीम के औचक निरीक्षण में सामने आई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के शौचालय में गंदगी मिली, जबकि लेबर रूम में अंधेरा पसरा हुआ था। इसके अलावा मरीजों को ड्रिप और बोतल लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कई स्टैंड भी खराब हालत में पाए गए।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे डॉक्टर शिव पूजन अवस्थी और डॉक्टर पूनम सिंह सीएचसी पहुंचे। टीम ने सबसे पहले अस्पताल परिसर और शौचालय का निरीक्षण किया। शौचालय में गंदगी मिलने पर कर्मचारियों को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए गए, जिसके बाद वहां साफ-सफाई कराई गई।

इसके बाद टीम लेबर रूम पहुंची तो वहां रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिली और अंधेरा पसरा हुआ था। इस पर जनरेटर चलवाकर रोशनी की व्यवस्था कराई गई। टीम ने एएनएम रेनू से लेबर रूम की व्यवस्थाओं और साफ-सफाई के संबंध में जानकारी मांगी, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं।

निरीक्षण के दौरान टीम ने चीफ फार्मासिस्ट सर्वेश श्रीवास्तव को बुलाकर अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मरीजों को ड्रिप और बोतल लगाने के लिए इस्तेमाल होने वाले स्टैंड की स्थिति भी देखी गई। जांच में कई स्टैंड खराब हालत में मिले, जिससे अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हुए।

निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों और अव्यवस्थाओं की रिपोर्ट स्टेट टीम प्रदेश स्तर के उच्च अधिकारियों को सौंपेगी। इसके आधार पर संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर लोकेश शर्मा, डॉक्टर गौरव राजपूत, वीसीपीएम प्रदीप कुमार, विभोर, चीफ फार्मासिस्ट सर्वेश श्रीवास्तव, फार्मासिस्ट राजीव कुमार, अजय कुमार समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

पांचाल घाट पर पार्थिवेश्वरनाथ पूजन एवं गंगा पूजन का द्वादश वार्षिकोत्सव संपन्न

श्रीरामचरित मानस के अखंड पाठ से भक्तिमय हुआ माहौल

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



गंगा मइया स्वच्छता एवं दीपदान आयोजन समिति की ओर से पांचाल घाट पर भगवान पार्थिवेश्वरनाथ पूजन एवं गंगा पूजन का द्वादश वार्षिकोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। गंगा तट पर दुर्वाषा ऋषि आश्रम के निकट समिति के निर्धारित स्थान पर दो दिवसीय धार्मिक आयोजन पूज्य ईश्वर दास महाराज के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भगवान पार्थिवेश्वरनाथ के पूजन, गंगा पूजन और श्रीरामचरितमानस के अखंड पाठ के माध्यम से धार्मिक वातावरण बना रहा।

आयोजन के प्रथम दिवस की पूर्व रात्रि में समिति के अध्यक्ष सत्यव्रत पाण्डेय और सम्मानित सदस्यों गोपाल कृष्ण मिश्रा, शिलेन्द्र पाण्डेय, सौरभ तिवारी एवं विजय अग्निहोत्री ने गंगा की धारा से रेत निकालकर उसे शुद्ध कराया। इसके बाद उसी रेत से भगवान पार्थिवेश्वरनाथ के शिवलिंग का निर्माण कराया गया।

प्रथम दिवस विद्वान आचार्य ओंकारनाथ मिश्रा ने विधि-विधान से भगवान पार्थिवेश्वरनाथ की षोडशोपचार पूजा एवं प्रतिष्ठा कराई। इस दौरान अयोध्या के राम दरबार, श्रीराम दरबार, गणेश-गौरी, नवग्रह और षोडश मातृका का पूजन किया गया।

इसके साथ ही श्रीरामचरितमानस के अखंड पाठ का शुभारंभ पूज्य ईश्वरदास ब्रह्मचारी जी महाराज, महंत श्री दुर्वाषा ऋषि आश्रम की सुमधुर वाणी में हुआ। श्रीरामचरितमानस का पाठ रोहित अग्निहोत्री ने किया। धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान पार्थिवेश्वरनाथ और मां गंगा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

आयोजन में आलोक शुक्ला, सर्वज्ञ पाण्डेय, रोहित तिवारी, देवनारायण मिश्रा, यश अग्निहोत्री, भूपेंद्र सिंह, गौरी पाण्डेय और समृद्धि मिश्रा सहित समिति के सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के माध्यम से गंगा पूजन, धार्मिक परंपराओं और स्वच्छता के प्रति लोगों की आस्था एवं सहभागिता को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

डीएम ने 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के फॉर्म-6 भरवाने के दिए निर्देश

मतदाता सूची पुनरीक्षण का लिया जायजा

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने कायमगंज में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान और बूथों के समायोजन की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से पुनरीक्षण कार्य की प्रगति के संबंध में जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने तहसील के सामने स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के मतदेय स्थल संख्या-158 तथा संविलियन विद्यालय नगर क्षेत्र कायमगंज का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन करने और बूथों के समायोजन से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। डीएम ने निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 भरवाए जाएं, ताकि कोई भी पात्र युवा मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने बीएलओ को अभियान के दौरान पात्र मतदाताओं की पहचान कर उनके आवेदन समय से भरवाने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

जिलाधिकारी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही न बरतने और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सभी कार्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करना सुनिश्चित किया जाए, जिससे आगामी चुनावों में अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

ट्रक से टकराकर बाइक सवार युवक घायल, 20 मिनट तक लगा जाम

फर्रुखाबाद। राजेपुर कस्बे के तिराहे पर शनिवार को ट्रक और बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, जिससे सड़क पर करीब 20 मिनट तक जाम की स्थिति बनी रही। जानकारी के अनुसार, शनिवार को राजेपुर कस्बे के तिराहे पर बाइक सवार युवक गुजर रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक ट्रक से टकरा गई।

बंदरों के हमले से चबूतरे से गिरी महिला, सिर में चोट और चार दांत टूटे



फर्रुखाबाद। अमृतपुर थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर गहलवार गांव में बंदरों के हमले से चबूतरे पर बैठी एक महिला नीचे गिरकर घायल हो गई। हादसे में महिला के सिर में चोट आई और उसके चार दांत टूट गए। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, महिला गांव में अपने घर के बाहर बने चबूतरे पर बैठी थी। इसी दौरान अचानक बंदरों ने उस पर हमला कर दिया। बंदरों से बचने के प्रयास में महिला का संतुलन बिगड़ गया और वह चबूतरे से नीचे गिर गई। नीचे गिरने से महिला के सिर में चोट लग गई और उसके चार दांत टूट गए। घटना के बाद परिजन महिला की मदद के लिए पहुंचे। गांव में बंदरों के बढ़ते आतंक को लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन से बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

भगवानपुर गांव में बीमारी का कहर, दो मासूम बच्चों की मौत

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



विकासखंड शमशाबाद क्षेत्र के भगवानपुर गांव में कई दिनों से खसरा जैसी बीमारी फैलने की चर्चाओं के बीच दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। गांव निवासी वीरभान के सात वर्षीय बेटे करन और छह माह की बेटी सरस्वती की मौत से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। दो बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की जांच एवं उपचार शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, भगवानपुर गांव में बीमारी फैलने की सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गुरुवार और शुक्रवार को गांव पहुंचकर शिविर लगाए। टीम ने भगवानपुर और निकटवर्ती बांसखेड़ा गांव में कुल 210 लोगों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित कीं। शुक्रवार को भगवानपुर में 130 तथा बांसखेड़ा में 80 लोगों को दवाएं दी गईं।

इसी दौरान बांसखेड़ा निवासी रामवीर की डेढ़ वर्षीय बेटी काजल में भी बीमारी के लक्षण पाए गए। स्वास्थ्य टीम ने बच्ची को दवाएं दीं और परिजनों को अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी, लेकिन परिजनों ने किन्हीं कारणों से उसे अस्पताल ले जाने से मना कर दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल सीएमओ डॉ. सरवर इकबाल ने गांव पहुंचकर मरीजों की स्थिति और बीमारी से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम को नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए, ताकि प्रभावित लोगों को समय पर उपचार मिल सके।

उधर, गांव में फैली बीमारी को लेकर ग्रामीणों ने गंदगी और सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में तैनात सफाई कर्मचारी नियमित रूप से सफाई करने नहीं आता, जिसके कारण जगह-जगह गंदगी फैली रहती है।

इस संबंध में ग्राम प्रधान रुचि मिश्रा ने बताया कि गांव में शिवकुमार नामक सफाई कर्मचारी तैनात है। गांव बड़ा होने के कारण सफाई कार्य में समय लगता है। वहीं ग्राम पंचायत सचिव ने कहा कि सफाई कर्मचारी की लापरवाही और गांव में गंदगी फैलने के कारणों की जांच कराई जाएगी।

ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव में नियमित साफ-सफाई कराने, कीटनाशक एवं मच्छर रोधी दवाओं का छिड़काव कराने तथा लापरवाह सफाई कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग से लगातार शिविर लगाने की अपील की है, ताकि बीमारी की समय रहते पहचान कर प्रभावित लोगों को उचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल, लोहिया अस्पताल रेफर

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र के हमीरपुर गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए लोहिया जिला अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दोनों युवक हमीरपुर गांव के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए लोहिया जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक के संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी है।

कायमगंज में लापता युवक का पेड़ से लटका मिला शव, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

कायमगंज। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के जौरा गांव के पास शुक्रवार शाम 48 वर्षीय अशोक कुमार कश्यप का शव एक पेड़ से लटका मिला। शव मिलने की जानकारी पर इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।

जानकारी के अनुसार, अशोक कुमार कश्यप का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद वह घर से निकल गए थे। काफी समय तक वापस नहीं लौटने पर परिजन उनकी तलाश कर रहे थे।

इसी दौरान ग्रामीणों ने जौरा गांव निवासी प्रवीन के आलू के खेत में चांदनी के पेड़ पर उनका शव लटका देखा। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम को बुलाया।

फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से आवश्यक नमूने एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के पीछे की परिस्थितियों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

दिव्यांग बच्चों को बांटे गए सहायक उपकरण, सांसद ने नौ लाभार्थियों को दी ट्राइसाइकिल और व्हीलचेयर

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



नवाबगंज ब्लॉक परिसर में शनिवार को एलिम्को की ओर से दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण एवं उपस्कर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद मुकेश राजपूत शामिल हुए। इस दौरान नवाबगंज, शमसाबाद और कायमगंज ब्लॉक क्षेत्र के दिव्यांग लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। इसके बाद लाभार्थियों को उपकरण वितरण की प्रक्रिया शुरू हुई।

इस मौके पर सांसद मुकेश राजपूत ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जरूरतमंद बच्चों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने बताया कि 100 से अधिक बच्चों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि दिव्यांग बच्चों को दैनिक जीवन में सुविधा मिल सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

सांसद ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2014 से पहले जनप्रतिनिधि योजनाओं के तहत आने वाले उपकरणों को लाभार्थियों तक नहीं पहुंचने देते थे। उन्होंने दावा किया कि अब व्यवस्था में बदलाव आया है और पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले सरकारी योजनाओं का लाभ जाति पूछकर दिया जाता था, जबकि अब सभी जरूरतमंदों तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान सांसद ने नौ लाभार्थियों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर सहित अन्य सहायक उपकरण वितरित किए। इनमें अनूप, सुशील, चंदन, अंकित, काजल, पलक, शिवांश, कृष्णा और दिशा शामिल रहे। उपकरण मिलने पर लाभार्थियों और उनके परिजनों में खुशी देखने को मिली।

इस अवसर पर सांसद मुकेश राजपूत, बीएसए विश्वनाथ प्रताप, वंदना कुशवाहा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत, चालक के शव का पैनल से हुआ पोस्टमार्टम

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

कायमगंज क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना में पत्नी से विवाद के बाद घर से निकले 48 वर्षीय अशोक कुमार कश्यप का शव खेत में पेड़ से लटका मिला। वहीं, दूसरी घटना में कीटनाशक पीने से 35 वर्षीय पप्पू की उपचार के दौरान मौत हो गई।

कोतवाली कायमगंज के ग्राम जौरा निवासी प्रवीन के खेत में बीती शाम चांदनी के पेड़ पर एक अधेड़ का शव लटका हुआ देखा गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान थाना कंपिल के ग्राम सुल्तानपुर निवासी 48 वर्षीय अशोक कुमार कश्यप के रूप में की। जानकारी मिलने पर अशोक की पत्नी कमला देवी अपने बेटे और बेटियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं।

अशोक के भाई अखिलेश ने पुलिस को बताया कि बीते दिन किसी बात को लेकर अशोक का पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद नाराज होकर वह रात करीब 11 बजे घर से चला गया था। घटना की जानकारी मिलने पर प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला और मंडी चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

वहीं, कोतवाली कायमगंज के मोहल्ला नोनियमगंज निवासी नूर मोहम्मद के 35 वर्षीय पुत्र पप्पू ने बीते दिन कीटनाशक को शराब में मिलाकर पी लिया था। हालत गंभीर होने पर उसे सीएचसी कायमगंज से लोहिया अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया गया कि टीवी मैकेनिक पप्पू को शराब पीने की आदत थी।

थाना मऊदरवाजा पुलिस ने ग्राम गुतासी निवासी ड्राइवर रिषभ शाक्य का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। डॉक्टर जितेंद्र बहादुर और डॉ. राणा प्रताप के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के दौरान रिषभ के पेट और पीठ पर चोट के निशान पाए गए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन निष्कर्षों से उसकी हत्या किए जाने की आशंका की पुष्टि नहीं हुई।

बताया गया कि रिषभ बीते दिन सर्राफ अनुपम रस्तोगी की बुलेट मोटरसाइकिल यह कहकर ले गया था कि उसे बारात में जाना है।

खेत में घास काटते समय सर्प ने किसान को डसा

फर्रुखाबाद। कंपिल थाना क्षेत्र के गांव आजमनगर में मवेशियों के लिए खेत में घास काटने गए 50 वर्षीय व्यक्ति को सर्प ने डस लिया। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में परिजन उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां उन्हें भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, आजमनगर निवासी 50 वर्षीय व्यक्ति खेत में मवेशियों के लिए घास काटने गए थे। इसी दौरान अचानक सर्प ने उन्हें डस लिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए। सर्पदंश की घटना से गांव में चिंता का माहौल है। चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी भवन में भूसा और कंडों का कब्जा, ग्रामीण ने की कार्यवाही की मांग



यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

अमृतपुर क्षेत्र के गांव भावन में लाखों रुपये की लागत से बने आंगनबाड़ी केंद्र का उपयोग बच्चों की शिक्षा और पोषण संबंधी गतिविधियों के बजाय भूसा और कंडे रखने के लिए किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति ने सरकारी भवन पर कब्जा कर उसे गोदाम बना लिया है।

ग्रामीणों के अनुसार, आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण बच्चों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कराया गया था, लेकिन भवन में भूसा और कंडे रखे होने के कारण इसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए नहीं हो पा रहा है। इससे गांव के बच्चों और महिलाओं को मिलने वाली आंगनबाड़ी सुविधाओं पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मामले की जांच कराकर सरकारी भवन को कब्जामुक्त कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी भवन का उपयोग जनहित में होना चाहिए, न कि निजी सामान रखने के लिए। इस संबंध में सीडीपीओ ने मामले की जांच कराने और शिकायत सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही है।

आर्मी पब्लिक स्कूल में युवा संसद का भव्य आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाई संसदीय समझ और वक्तत्व कला

ब्रिगेडियर मनीष कुमार जैन रहे मुख्य अतिथि, सुभाष सदन ने मारी बाजी, तन्मय और अनुष्का बने सर्वश्रेष्ठ वक्ता

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



आर्मी पब्लिक स्कूल फतेहगढ़ कैंट में विद्यार्थियों के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से अंतःसदनीय युवा संसद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे राष्ट्रगीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के चेयरमैन एवं सिखलाई रेजिमेंट सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर मनीष कुमार जैन उपस्थित रहे।

युवा संसद में विद्यार्थियों ने भारतीय लोकतंत्र की संसदीय कार्यप्रणाली का जीवंत प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं ने संसद सदस्यों की भूमिका निभाते हुए प्रश्नकाल, शून्यकाल और विभिन्न राष्ट्रीय एवं सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने अपने तर्कों एवं विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर संसदीय मर्यादाओं और लोकतांत्रिक परंपराओं का परिचय दिया।

युवा संसद में कक्षा 11 के छात्र तेजस ने लोकसभा अध्यक्ष, कक्षा 9 की छात्रा कान्ति भट्ट ने उपाध्यक्ष, शगुन ने सचिव और ऋषभ ने उपसचिव की भूमिका निभाई। आराध्या ने प्रधानमंत्री तथा अंश दीक्षित ने नेता प्रतिपक्ष का दायित्व संभाला। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और शानदार प्रस्तुति ने आयोजन को रोचक एवं ज्ञानवर्धक बना दिया।

मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर मनीष कुमार जैन ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि युवा संसद जैसे आयोजन बच्चों को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने और भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने विद्यालय की प्रधानाचार्या सोनिया शर्मा एवं उप प्रधानाचार्य नितिन चतुर्वेदी को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

प्रधानाचार्या सोनिया शर्मा ने विद्यार्थियों को निर्भीकता और तार्किकता के साथ अपने विचार रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उप प्रधानाचार्य नितिन चतुर्वेदी ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हिंदी में तन्मय को सर्वश्रेष्ठ वक्ता तथा अंग्रेजी में अनुष्का को सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार मिला। शिक्षा को सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता और अभिमन्यु को सर्वश्रेष्ठ उत्तरदाता सांसद घोषित किया गया। वहीं पारस एवं अनन्या ने संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ सांसद का खिताब अपने नाम किया।

सामूहिक प्रदर्शन में सुभाष सदन ने प्रथम, पटेल सदन ने द्वितीय तथा रामानुजन सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान एसओ मेजर राकेश राघव, पूर्णिमा अग्निहोत्री, प्रज्ञा पाण्डेय, दीप्ति मिश्रा, अभिषेक राज सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

पुलिया निर्माण के चलते जिला मुख्यालय का प्रमुख मार्ग रहेगा अवरुद्ध, वैकल्पिक रास्तों से गुजरेंगे वाहन

फर्रूखाबाद। जिला मुख्यालय के प्रमुख मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य के चलते कचहरी एवं पुलिस लाइन के बीच यातायात काफी समय तक प्रभावित रहेगा। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने आम लोगों को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पीढ़ी महिला डिग्री कॉलेज के निकट स्थित पुरानी संकरी पुलिया के स्थान पर नई बॉक्स कलवर्ट का निर्माण कराया जाना है। इसके चलते इस मार्ग पर आवागमन बाधित रहेगा।

अधिशासी अभियंता ने जिला जेल से कलेक्ट्रेट, न्यायालय एवं विकास भवन जाने वाले वाहन चालकों से अपील की है कि वे जाम और असुविधा से बचने के लिए जय नारायण वर्मा रोड सहित अन्य वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान संबंधित मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रहेगी। हालांकि, मार्ग कितने दिनों तक बंद रहेगा, इसकी कोई निश्चित समय-सीमा अभी नहीं बताई गई है। ऐसे में जिला मुख्यालय आने-जाने वाले लोगों को सलाह दी गई है कि वे घर से निकलने से पहले अपने रास्ते की जानकारी रखें और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें।

सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष का प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



श्री पाण्डवेश्वर नाथ मंदिर के सत्संग भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में सुदामा चरित्र, एकादश स्कन्ध का सार, परीक्षित मोक्ष और संक्षिप्त भागवत वर्णन के साथ कथा पूजन का कार्यक्रम श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। कथा के दौरान कथावाचक की अमृतमयी वाणी सुनकर पांडाल में मौजूद श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। समापन के अवसर पर भगवान के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

अध्यात्म विद्यापीठ नैमिषारण्य तीर्थ, सीतापुर से पधारे कथावाचक श्री सम्पूर्णानन्द शास्त्री जी महाराज ने अपनी मधुर और सारगर्भित वाणी से भक्तों को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया। उन्होंने सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की निस्वार्थ मित्रता का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता में धन और वैभव का कोई महत्व नहीं होता, बल्कि प्रेम, विश्वास और समर्पण ही सबसे बड़ी पूंजी हैं।

कथावाचक ने कहा कि भगवान अपने सच्चे भक्त की निष्ठा और भक्ति से प्रसन्न होकर उसे बिना मांगे ही सब कुछ प्रदान कर देते हैं। सुदामा और श्रीकृष्ण का प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्चे रिश्ते स्वार्थ से नहीं, बल्कि प्रेम और आत्मीयता से निभाए जाते हैं।

एकादश स्कन्ध के सार का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के माध्यम से ही मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बना सकता है। वहीं परीक्षित मोक्ष के प्रसंग में भगवान की शरणागति और भागवत श्रवण की महिमा बताई। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य मन, वचन और कर्म से भगवान की शरण में आ जाता है, तब उसके जीवन में आध्यात्मिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है।

कथा के अंतिम चरण में संक्षिप्त भागवत वर्णन के साथ विधि-विधान से कथा पूजन संपन्न कराया गया। आयोजन के यजमान श्रीमती किरन मिश्रा एवं राजीव मिश्रा ने अपने परिवार और इष्टमित्रों के साथ कथा का श्रवण किया।

इस अवसर पर मुन्नालाल चौरसिया, कमलेश पांडे, हीरालाल वर्मा, जेपी शर्मा, पंडित राजेश शर्मा, पंडित गोपाल शर्मा पुजारी, पंडित उमेश शर्मा पुजारी, धर्म नारायण शुक्ला, सतीश कुमार, बृज किशोर सिंह और संजीव बिटाना सहित बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहे।

समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारे लगाए। इसके बाद विधि-विधान से आरती की गई और प्रसाद वितरण के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का विश्राम हुआ।

सीएचसी का निरीक्षण करने पहुंची बाहर से आई टीम

हेल्थ एटीएम मिला बंद

यूथ इंडिया, कमालगंज



कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को उस समय हलचल बढ़ गई, जब दूसरे जिले से आई एक विशेष टीम अचानक जांच के लिए पहुंच गई। लखीमपुर खीरी से आई एसआरएम टीम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा।

निरीक्षण के दौरान टीम को सबसे बड़ी खामी हेल्थ एटीएम को लेकर मिली। मरीजों की जांच के लिए लगाई गई यह मशीन बंद पड़ी मिली। बताया जाता है कि इस मशीन से कई तरह की जांचें होनी थीं, लेकिन बंद रहने से मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

टीम ने सिर्फ मशीन ही नहीं देखी, बल्कि पूरे अस्पताल का जायजा लिया। डॉक्टरों की मौजूदगी, दवाओं का स्टॉक, मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं, परिसर की साफ-सफाई और उपलब्ध संसाधनों की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

जांच पूरी करने के बाद टीम वापस लौट गई। जानकारी के अनुसार यह टीम जिले के अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का भी निरीक्षण करेगी।

कमालगंज सीएचसी की व्यवस्थाओं को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। अब देखना यह होगा कि निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य विभाग बंद पड़ी मशीन को चालू कराने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए क्या कदम उठाता है।

दो गुटों में विवाद

नवाबगंज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बीसलपुर बांगर गांव में शनिवार सुबह सिंचाई का पाइप डालने और खेत की मेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है। गांव निवासी बृजमोहन पुत्र गिरंद सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह करीब सात बजे वह अपने खेत में सिंचाई के लिए पाइप डाल रहे थे। इसी दौरान गांव के तीन लोग वहां पहुंच गए और पाइप डालने का विरोध करते हुए गाली-गलौज करने लगे।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 30 उ. प्र. से मुद्रित एवं ई-417 मोतीझील, ऐशबाग लखनऊ-226004 से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com RNI No- UPHIN/2016/68199

समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन होंगे।